प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 92 | दैनिक | रांची | शनिवार 16 नवंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

सुविचार

अपना जीवन जीने के केवल दो ही तरीके हैं. पहला यह मानना कि कोई चमत्कार नहीं होता है, दूसरा है कि हर वस्तु एक चमत्कार है।

अल्बर्ट आईन्सटीन

हो जाएं तैयार, आ रही है कंपकंपाने वाली ठंड!

तीन डिग्री तक कम होगा पारा, चेतावनी भी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में तापमान में धीरे-धीरे कमी आ रही है। अब मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पश्चिमी भारत में अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी। यानी कि ठंड आने वाली है। बिहार, पंजाब, हरियाणा, उत्तर पश्चिम राजस्थान में अगले दो दिनों तक सुबह और रात के समय घने से बहुत घना कोहरा देखने को मिलने जा रहा है। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाकों में भी अगले दो दिनों तक बहुत घना कोहरा पड़ने की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो केरल, तमिलनाडु में भारी बारिश हुई।

इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा में घना कोहरा छाया। साथ ही, चंडीगढ़, पूर्वी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी घना कोहरा देखने को मिला। बारिश की बात करें तो दक्षिण भारत में 15-17 नवंबर के बीच हल्की से मध्यम बारिश होगी। साथ ही, आंधी तूफान व बिजली कड़कने की भी चेतावनी जारी की गई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, उत्तरी पंजाब के इलाकों में आज हल्की बारिश होगी। तमिलनाडु, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा में 15 नवंबर, केरल, माहे में 15 और 16 नवंबर को तेज बारिश देखने को मिलेगी। पंजाब, हरियाणा, बिहार में 17 नवंबर की सुबह तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर की सुबह तक घने से बहुत घना कोहरा देखने को मिलेगा। वहीं, पश्चिमी राजस्थान, बिहार में 18 की सुबह तक, हिमाचल प्रदेश में 17-19, उत्तर प्रदेश, सब हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में 17 नवंबर की सुबह तक बहुत घना कोहरा छाया रहेगा।

अब ट्रैफिक संभालते नजर आएंगे ट्रांसजेंडर्स

स्पेशल यूनिफॉर्म और मिलेगी अच्छी सैलरी, रेड्डी सरकार का बड़ा फैसला

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में ट्रैफिक वालंटियर्स के तौर पर ट्रांसजेंडरों की नियुक्ति होने वाली है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को यह निर्देश जारी किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, होम गार्ड के समान ही ट्रांसजेंडरों के लिए स्पेशल ड्रेस कोड होगा और उन्हें निश्चित वेतन दिया जाएगा। फिलहाल, यह भर्ती प्रयोग के तौर पर जा

रही है। माना जा रहा है कि इससे शहर में यातायात उल्लंघन के बढ़ते मामलों को कम करने में मदद मिलेगी। ड्रंक ड्राइविंग चेकप्वॉइंट्स और दूसरे हाई-ट्रैफिक इलाकों में इनकी तैनाती की जाएगी, जो काफी कारगर साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद शहर में बढ़ती यातायात समस्याओं पर चिंता जताई। इसके समाधान के लिए उन्होंने यातायात स्वयंसेवकों के रूप में ट्रांसजेंडरों की नियुक्ति करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों से निर्देश दिया कि पहले चरण में हाई-ट्रैफिक जोन्स में ट्रांसजेंडरों को तैनात किया जाए।

प्रदूषण इफेक्ट! कुछ पहले आएंगे ऑफिस, कुछ बाद में

दिल्ली में बदली गई सभी सरकारी दफ्तरों की टाइमिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार गंभीर होते जा रहे प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सरकारी दफ्तरों के समय में बदलाव किया है। जिसके चलते नगर निगम, केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के ऑफिसों में अलग-अलग समय पर कामकाज होगा। इस बात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। आतिशी ने ट्वीट करते हुए बताया कि, 'सड़कों पर ट्रैफिक जाम और उससे जुड़े प्रदूषण को कम करने के लिए अब दिल्ली के सरकारी कार्यालय अलग-अलग समय पर खुलेंगे। इसके बाद

उन्होंने अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के समय में किए गए बदलाव को भी बताया। नई व्यवस्था के तहत दिल्ली नगर निगम के ऑफिस सुबह साढ़े आठ बजे से शाम पांच बजे तक खुलेंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार के दफ्तर का समय सुबह नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रहेगा। वहीं दिल्ली सरकार के कार्यालयों का वक्त सुबह दस बजे से शाम साढ़े छह बजे तक रहेगा। इससे एक दिन पहले दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पांचवीं तक के स्कूलों को अगले आदेश तक बंद करने का फैसला किया था और सिर्फ ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का निर्देश दिया था।

पृथ्वी की तरफ तेजी से बढ़ रहा 'अंतरिक्ष का हत्यारा'

वैज्ञानिकों ने दी 'भूकंप' की चेतावनी, भयंकर विस्फोट की आशंका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष आज भी वैज्ञानिकों के लिए पहेली बना हुआ है। पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड में असंख्य ग्रह और क्षुद्रग्रह हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि एक क्षुद्रग्रह अपोसिस धरती की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा अनुमान जताया गया है कि जब यह धरती के नजदीक होगा तो गुरुत्वार्षण के कारण खगोलीय भूकंप आ

सकता है, जो कई परमाणु बमों के विस्फोट से निकली ऊर्जा के बराबर होगा। वैज्ञानिक पिछले 20 साल से इस क्षुद्रग्रह का अध्ययन कर रहे हैं। क्षुद्रग्रह के 13 अप्रैल 2029 में धरती के पास से गुजरने की संभावना है। इसे तबाही का देवता या अंतरिक्ष का हत्यारा उपनाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने इस क्षुद्रग्रह की खोज 2004 में की थी। तब से खगोलविद अपोफिस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2029 में यह धरती के पास से होकर गुजरेगा। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि इसके धरती से टकराने की संभावना 2.7 प्रतिशत है। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक बारीकी से नजर रख रहे हैं।

नाबालिग पत्नी से

सहमति से संबंध बनाना भी माना जाएगा अपराध

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 10 साल की सजा भी रखी बरकरार

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाइकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की पत्नी के साथ शारीरिक संबंध को रेप माना जाएगा। व्यक्ति के खिलाफ रेप का मामला भी दर्ज किया जा सकता है। कोर्ट ने नाबालिग पत्नी के साथ रेप के आरोपी एक व्यक्ति की 10 साल की सजा को बरकरार रखा। अदालत ने कहा नाबालिग पत्नी के साथ सहमति से शारीरिक संबंध भी कानून के तहत बलात्कार ही माना जाएगा। अपीलकर्ता को 2019 में ट्रायल कोर्ट ने पाक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराया था। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में अपील की थी। जस्टिस गोविंद सनप की बेंच ने पत्नी के साथ रेप के लिए एक व्यक्ति की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी दलील को खारिज कर दिया। दोषी का तर्क था कि पीड़ित के साथ यौन संबंध सहमति से बनाए थे। उस समय वह उसकी पत्नी थी। ऐसे में इसे रेप नहीं कहा जा सकता। जानकारी के अनुसार 12 नवंबर को जारी आदेश में जस्टिस सनप ने कहा, निर्धारित कानून के मद्देनजर यह बात स्वीकार नहीं की जा सकती।

पीओके में नहीं जाएगी ट्रॉफी... आईसीसी का साफ इनकार

टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान को बड़ा झटका, भारत का दिखा पावर

आईसीसी ने पीओके के तीन शहरों में ट्रॉफी ले जाने से किया मना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी या नहीं अभी इस बात पर विवाद है, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान ने पूरे देश में ट्रॉफी घुमाने का ऐलान कर दिया था। इस पर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एक्शन लेते हुए उसे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके के तीन शहरों में ट्रॉफी ले जाने से मना कर दिया है। बता दें कि भारत ने टीम को चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। इसके बाद माना जा रहा है कि अगर पाकिस्तान तैयार होता है तो

टूर्नामेंट हाईब्रिड मॉडल से खेला जाएगा, यानी भारत के सभी मैच पाकिस्तान से बाहर होंगे, जबकि फाइनल भी पाकिस्तान में नहीं खेला जाएगा।

इस बीच पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही ट्रॉफी अपने देश में घुमाने का ऐलान किया था। इस पर आईसीसी हरकत में आ गई है। दूसरी ओर, आईसीसी ने अभी चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, लेकिन उसने ट्रॉफी पाकिस्तान भेजी है।

महाराष्ट्र के हिंगोली में शाह के हेलीकॉप्टर की हुई जांच

हिंगोली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के हिंगोली में शुक्रवार दोपहर गृह मंत्री अमित शाह के हेलीकॉप्टर की जांच हुई। इलेक्शन कमिशन के अधिकारियों ने शाह के हेलीकॉप्टर की जांचा और उसमे रखा सामान भी खोलकर देखा। पूरी जांच की वीडियोग्राफी भी कराई गई। वहीं, शाह ने भी इस चेकिंग के वीडियो को एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की। भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास करती है और माननीय चुनाव आयोग के बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है। उन्होंने लिखा- हम सभी को एक स्वस्थ चुनाव प्रणाली में योगदान देना चाहिए और भारत को दुनिया का मजबूत लोकतंत्र बनाना चाहिए।

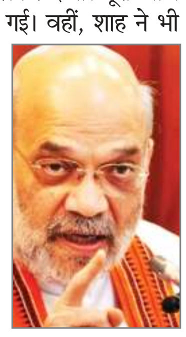

जमुई में फिर बोले नीतिश, अब कहीं नहीं जाऊंगा

प्रधानमंत्री मोदी की सभा में किया ऐलान, पहले भी खा चुके हैं ऐसी कसम

पीएम ने की 6 हजार 640 करोड़ के प्रोजेक्ट्स की शुरुआत, नगाड़ा बजाया

जमुई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन में दूसरी बार बिहार आए। जमुई के बल्लोपुर में शुक्रवार को वो भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने बिरसा मुंडा के नाम पर 150 रुपए का सिक्का और 5 रुपए का स्मारक डाक टिकट जारी किया है। पीएम ने ये स्मारक सिक्का और डाक टिकट बिरसा मुंडा के वंशज को भेंट भी किया। इस दौरान पीएम ने 6,640 करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा दो जनजातीय फ्रीडम फाइटर म्यूजियम और दो जनजातीय रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी किया।

40 मिनट के भाषण में आदिवासियों पर फोकस- नीतिश कुमार के बाद पीएम मोदी मंच पर पहुंचे। करीब 40 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने आदिवासियों पर फोकस किया। परिवारवाद और आदिवासियों की अनदेखी को लेकर पिछली सरकारों को घेरा। नीतिश कुमार की तारीफ भी की। इस दौरान नीतिश कुमार ने एक बार फिर दोहराया कि अब वह कहीं नहीं जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज ने

भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए, सैकड़ों सालों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के योगदान को मिटाने के लिए कोशिश की गई। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी।

● **हमारी सरकार ने आदिवासी कल्याण मंत्रालय बनाया-** पीएम ने कहा कि पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ही अलग से आदिवासी कल्याण मंत्रालय बना। पहले आदिवासियों के लिए 25 हजार करोड़ से भी कम का बजट था। हमारी सरकार ने इसे 5 गुना बढ़ाकर सवा लाख करोड़ तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आदिवासी विरासत को संरक्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आदिवासी कला और संस्कृति के लिए समर्पित कई लोगों को पद्म आदिवासी कला और संस्कृति के लिए समर्पित कई लोगों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। हमने रांची में भगवान बिरसा के नाम पर एक विशाल संग्रहालय शुरू किया है। आज श्रीनगर और सिक्किम में दो आदिवासी अनुसंधान केंद्रों का भी उद्घाटन किया गया है। पीएम ने कहा कि एनडीए सरकार ने लेह में सोवा रिग्पा, अरुणाचल में नॉर्थ ईस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद स्थापित किया।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय उद्योग मेले के झारखंड मंडप में मत्स्य पालन विभाग का स्टाल बना आकर्षण का केंद्र

विशेष संवाददाता ,रांची/नईदिल्ली। भारतीय अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला- 2024 में झारखंड मंडप का उद्घाटन गुरुवार को उद्योग सचिव जितेंद्र सिंह ने किया। इस क्रम में उन्होंने झारखंड के मत्स्य पालन विभाग के स्टॉल का दौरा किया। उनके साथ हर्ष मंगला (आईएएस), निदेशक, स्वास्थ्य, (भारत सरकार), सुशांत गौरव (आईएएस), निदेशक उद्योग भी थे। झारखंड के मत्स्य पालन निदेशक डॉ. एचएन द्विवेदी ने उनका स्वागत किया और स्टॉल में प्रदर्शित विभाग की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने हमारी गतिविधियों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। विदित है कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में इस वर्ष झारखंड को फोकस राज्य के रूप में चयनित किया गया है। साझेदार राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश और बिहार है। यह मेला भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 27 नवंबर तक रहेगा। इसमें देश के सभी राज्य भाग ले रहे हैं। उक्त जानकारी झारखंड मत्स्य निदेशालय के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

महाराष्ट्र में 23 नवंबर से शुरू होगा असली 'खेला'

सीएम पोस्ट के लिए 'म्यूजिकल चेयर' की शुरू होगी दौड़

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच ताबड़तोड़ 'बयानों के बाण' चलाए जा रहे हैं। हेलीकॉप्टर चेकिंग, बाल ठाकरे, अडाणी, कटेंगे तो बंटेंगे जैसे नारों से चुनावी समर सज चुका है। अभी असली लड़ाई बाकी है, जो 23 नवंबर को चुनाव परिणाम के बाद शुरू होगा। एक्सपर्ट मानते हैं कि चुनाव के बाद सत्ता किसी भी पक्ष को मिले, सीएम की कुर्सी के लिए राजनीतिक उलटफेर के लिए स्टेज भी तैयार हो गया है। दोनों गुटों में सीएम पोस्ट के लिए कई दावेदार हैं और चुनावी भाषणों में भी इसके संकेत मिलने लगे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने एक रैली में कहा कि महाराष्ट्र को नरेंद्र मोदी और फड़णवीस पर भरोसा है।

● **अब दोबारा डिप्टी नहीं बनेंगे देवेंद्र फड़णवीस-** महायुति में भी मुख्यमंत्री की कुर्सी भी पार्टियों को घनचक्कर बनाने वाली है। महायुति के नेता सीएम पद को लेकर बोलने से बच रहे हैं, मगर गठबंधन में सीएम पद के तीन दावेदार हैं। एनसीपी प्रमुख अजित पवार खुले तौर पर सीएम बनने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। सीएम बनने के बाद डिप्टी सीएम बनने वाले देवेंद्र फड़णवीस भी बता चुके हैं कि वह एकनाथ शिंदे के डिप्टी बनने के लिए तैयार नहीं थे। पार्टी के आदेश पर उन्होंने सरकार संभालने के लिए अंतिम समय में जूनियर पोस्ट को कबूल किया था।

राज्यपाल ने गुरू नानक देव के प्रकाशोत्सव पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरू नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को गुरू नानक हाई सेकेंडरी स्कूल, पीपी कंपाउंड, रांची जाकर मत्था टेका। उन्होंने वहां कीर्तन कार्यक्रम में भाग लिया और गुरुबाणी का श्रवण किया। राज्यपाल ने वहां उपस्थित श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर गुरू नानक देव जी के संदेशों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

आईआईटी (आईएसएम) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह में एथिक्स एंड गवर्नेंस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के गोल्डन थिएटर में संस्थान के सीवीओ कार्यालय द्वारा आज एथिक्स एंड गवर्नेंस (पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके दौरान पी.के.झा, पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सीबीआई, धनबाद ने प्रतिभागियों जिसमें अधिकारी, कर्मचारी और संकाय सदस्य शामिल थे को विभिन्न सुझाव दिए, ताकि उन्हें पारदर्शिता, निष्पक्षता और सार्वजनिक विश्वास के लिए संगठन की प्रतिबद्धताओं के सिद्धांतों का पता लगाने में मदद मिल सके।

प्रशिक्षण के दौरान पी.के.झा ने नैतिकता और शासन, संस्थानों और नैतिकता, लोगों के प्रति सरकार की जवाबदेही-सामाजिक अनुबंध, गांधीवादी नैतिकता, व्यक्तिगत डेटा की नैतिकता, भारतीय सरकारी कार्यालयों में नैतिकता, नैतिक शासन-सही और गलत के मानक, शासन में ईमानदारी, भारत-एक नरम समाज, हितों और शासन के टकराव, भ्रष्टाचार आदि सहित कई मुद्दों के बारे में बात की।

एथिक्स एंड गवर्नेंस के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि सभ्यता की शुरुआत से ही नैतिकता की संहिताओं का इतिहास रहा है और भारत की सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान नैतिकता की संहिताओं की बात की

संस्थाओं और नैतिकता के बारे में बात करते हुए, संगठन और परंपराएं सामूहिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मानव जीवन के व्यापक और आवश्यक भविष्य हैं।

इससे पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान, प्रोफेसर एम.के.सिंह, डीन अकादमिक, प्रबोध पांडे, रजिस्ट्रार आई.आई.टी. (आई.एस.एम.), गरीब नाथ सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आई.आई.टी. (आई.एस.एम.) और सत्येंद्र कुमार, सहायक रजिस्ट्रार, सी.वी.ओ. कार्यालय, जो मंच पर उपस्थित थे, ने भी सभा को संबोधित किया। एक पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसके दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

सभी छः विधानसभा क्षेत्र हेतु किया गया माईक्रो ऑब्जर्वरों का प्रथम रेंडमाइजेशन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। एनआइसी कक्ष में माईक्रो ऑब्जर्वरों का प्रथम रेंडमाइजेशन सभी विधानसभा के सामान्य प्रेक्षक, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा एवं सभी निर्वाची पदाधिकारी की मौजूदगी में किया गया। विधानसभा क्षेत्र 38-सिंदरी, 39-निरसा, 40-धनबाद, 41-झरिया, 42-टुंडी, 43-बाघमारा हेतु नियुक्त किए जाने वाले माईक्रो ऑब्जर्वरों का रेंडमाइजेशन भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आयोग के द्वारा अधिकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया गया। ज्ञात हो कि, जिले के सभी छः विधानसभा क्षेत्र में कुल 111 माईक्रो ऑब्जर्वरों (रिज़र्व के साथ) को नियुक्त किया गया है, जिनका आज विधानसभा वार रेंडमाइजेशन किया गया। मौके पर कार्मिक कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह डीडीसी सादात अनवर, नोडल राम नारायण खालखो, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सुनीता तुलस्यान मौजूद थे।

स्लम एरिया के बच्चों के साथ मनाया गया बाल दिवस

बच्चे कल के भविष्य- ललन कुमार मिश्र

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। बच्चे कल के भविष्य हैं। बच्चों में छिपी प्रतिभा निखारना और उनका वर्तमान संवारते हुए बेहतर भविष्य निर्माण करना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। उक्त बातें सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी ललन कुमार मिश्र ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी (एचआई-67) में स्लम एरिया के बच्चों के साथ गुरुवार को बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने बच्चों को बाल दिवस की महत्ता बताते हुए कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए संस्कार युक्त व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी है। बच्चे कल के भविष्य हैं।

गौरतलब है कि सेना से सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक दायित्वों के तहत श्री मिश्र विगत लगभग 8 वर्षों से हरमू हाउसिंग कॉलोनी व आसपास के मोहल्ले के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निशुल्क कोचिंग की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने में उनका उल्लेखनीय योगदान है। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे उपस्थित थे।

साइबरपीस ग्रीन एनर्जी मिशन में स्टार्टअप्स और साइबर सुरक्षा की भूमिका पर पैनल चर्चा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। साइबरपीस, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान और झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से, ग्रीन एनर्जी मिशन में स्टार्टअप और साइबर सुरक्षा की भूमिका पर एक पैनल चर्चा की गई । साइबरपीस द्वारा बीएनआर चाणक्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और हरित ऊर्जा के बीच के अंतर को उजागर करना, नवाचार को बढ़ावा देना और हरित ऊर्जा मिशन के भीतर बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को संबोधित करना है, साथ ही विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों और नेताओं को सुरक्षित, लचीली हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की बढ़ती

आवश्यकता को संबोधित करने के लिए एक साथ लाना है।

पैनल ने इन बातो पर चर्चा हुइ.

हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में सुरक्षा चुनौतियाँ - नवीकरणीय ऊर्जा में साइबर सुरक्षा खतरों की पहचान करना और उनका समाधान करना, जैसे स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा उत्पादन और भंडारण प्रणालियों में कमजोरियाँ।

स्टार्टअप्स द्वारा अभिनव साइबर सुरक्षा समाधान यह दर्शाता है कि किस प्रकार स्टार्टअप्स हरित ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा के लिए एन्क्रिप्शन, घुसपैठ का पता लगाने और ब्लॉकचेन जैसी प्रौद्योगिकियों का लाभ उठा रहे हैं।जोखिम प्रबंधन और अनुपालन - हरित ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा मानकों के अनुपालन हेतु रणनीतियों की जांच करना। सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास - सुरक्षित, टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने में शिक्षा, उद्योग और सरकार के बीच साझेदारी पर चर्चा करना।सुरक्षित ऊर्जा भविष्य को बढ़ावा देना - हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए पूर्वानुमानित सुरक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के उपयोग की जांच करना। इस अवसर पर वक्ताओं में झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीके सिंह, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के डिजिटलीकरण और आईओटी 4.0 के प्रमुख वेद प्रकाश, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान के अध्यक्ष उमेश प्रसाद साह, साइबरपीस फाउंडेशन के संस्थापक वैश्विक अध्यक्ष मेजर विनीत कुमार, फ्लोकार्ड के सीईओ अमितेश आनंद, मिशन ब्लू के निदेशक पंकज सोनी समेत अन्य शामिल थे। इस बीच पैनल का संचालन साइबर सुरक्षा और हरित प्रौद्योगिकी के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने बैंगलोर, भोपाल परिसरों में पीजी, यूजी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं

रांची। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय अपने पूर्णकालिक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रमों - एमए शिक्षा, एमए विकास, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच), एमए अर्थशास्त्र, एमए प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा और हमारे चार वर्षीय पूर्णकालिक, आवासीय स्नातक कार्यक्रमों - बीए ऑनर्स और बीएससी ऑनर्स के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के बैंगलोर और भोपाल परिसरों में पेश किए जाएंगे और इनका उद्देश्य कठोर शिक्षा प्रदान करना है जो छात्रों में विशेषज्ञता और सामाजिक प्रतिबद्धता विकसित करती है, जिससे सार्थक कैरियर के अवसर और उच्च शिक्षा के रास्ते खुलते हैं।

सामाजिक कार्यों में एनएसएस का महत्वपूर्ण योगदान - मीता राजीव लोचन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की सचिव मीता राजीव लोचन का तीन दिवसीय दौरे पर झारखण्ड की राजधानी राँची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पर स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में झारखण्ड के खेल निदेशक संदीप कुमार, राज्य एन एस एस पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार, राज्य निदेशक एन वाई के एस ललिता कुमारी , अनुमंडलीय शिक्षा पदाधिकारी दीप्ति कुमारी के साथ एन एस एस के दर्जनों स्वयंसवक शामिल हुए।

एन एस एस के स्वयंसवकों को संबोधित करते हुए सचिव मीता राजीव लोचन ने कहा कि सामाजिक कार्यों में एन एस एस द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।उन्होंने उपस्थित स्वयंसवकों से नवंबर एवं दिसंबर के आगामी कार्य योजना की चर्चा करते हुए कहा कि माई भारत पोर्टल युवाओं के लिए काफी लाभदायक है एवं उनके विकास में सहयोगी है ।उन्होंने कहा कि माई भारत के माध्यम से जो भी क्रियाकलाप एन एस एस द्वारा किये जा रहे हैं, उन्हें माई भारत पोर्टल पर अपलोड करना है ताकि उनके कार्य को पूरा देश देख सकें।उन्होंने एन एस एस के स्वयंसेवकों ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन में एन एस एस के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है एवं स्वच्छता अभियान भी प्रभावी ढंग से आयोजित किया गया।

सचिव बिरसा मुंडा हवाई अड्डे से छत्तीसगढ़ के जशपुर के लिए प्रस्थान किया एवं उनके साथ खेल निदेशक संदीप कुमार भी गए।गुमला में थोड़े देर की विश्राम करेंगी एवं फिर वहां से जशपुर जाएंगी।

राज्य एन एस एस पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार ने बताया कि सचिव जशपुर में जनजातीय गौरव दिवस पदयात्रा में शामिल होंगी एवं जशपुर से पुनः 14 नवंबर को राँची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डा से सुबह नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

सुबह भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव नीतीश कुमार मिश्रा जशपुर के लिए राँची से प्रस्थान किए एवं सचिव के कार्यक्रम का मोनिटरिंग करेंगे। स्वागत कार्यक्रम में एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः रुपाली यादव, पुरुषोत्तम कुमार, अतुल कुमार, क्षणिका रानी, रिकेश भारद्वाज, आदर्श कुमार, रिया कुमारी, आकाश मुंडा, संकल्प कुमार, रौशनी कुमारी, रौनक जायसवाल , नवीन किशोर सहित कई स्वयंसवक शामिल हुए।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 106वें स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, रांची ने संयुक्त रूप से गुरुवार की शाम ÷द कार्निवल÷, अल्कापुरी में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की 106वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के स्टाफ सदस्य, सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यगण, ग्राहकगण तथा परिवार के सदस्य शामिल हुए । कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत अंचल प्रमुख, क्षेत्र प्रमुख, उप अंचल प्रमुख तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री छुटनी महतो ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा बैंक की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ मणि मैखलई ने उक्त समारोह को ऑनलाइन संबोधित कर सभी स्टेकहोल्डर्स, ग्राहकों, स्टाफ सदस्यों एवं यूनियन स्टाफ परिवार के सदस्यों एवं सेवा निवृत स्टाफ सदस्यों को 106वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दीं एवं अपना संदेश दिया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा इस वर्ष का थीम ÷पर्यावरण का ख्याल ,उन्नति बेमिसाल÷ रखा गया है।

इस अवसर पर सम्मानित समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी पद्मश्री चामी मुर्मु ने सभी यूनियनाइट्स को यूनियन बैंक के 106 वें स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर अंचल प्रमुख बैजनाथ सिंह ने सभी स्टाफ सदस्य, सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों, ग्राहकगणों, परिवार के सदस्यों को हार्दिक बधाई दी तथा बैंक के विकास यात्रा क्रम एवं आंकड़े प्रस्तुत करते हुये सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख विजय कुमार राय, उप अंचल प्रमुख शशिकांत, क्षेत्र प्रमुख आलोक कुमार के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के रांची स्थित कार्यालयों एवं शाखाओं के कार्यपालक गण, स्टाफ सदस्य, ग्राहक, सेवानिवृत स्टाफ सदस्य तथा स्टाफ परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन आलोक कुमार , क्षेत्र प्रमुख रांची ने दिया।

हॉकी इंडिया लीग के लिए वेदांता के कलिंगा लान्सर्स टीम घोषित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,रांची। वेदांता कलिंगा लान्सर्स अपने दक्ष खिलाड़ियों के साथ हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में अपना दमखम दिखाएगी। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता सात सालों के बाद होने जा रही है। टीम ने नीलामी के दौरान उभरते भारतीय खिलाड़ियों एवं अंतर्राष्ट्रीय हॉकी सितारों को हासिल किया। अब हॉकी मैचों का शेड्यूल घोषित होने पर यह उनके लिए तैयारी कर रही है। हॉकी इंडिया लीग 2024 का आयोजन 28 दिसम्बर 2024 से एक फरवरी 2025 तक होगा। इस लीग में आठ टीमें एचआईएल चैम्पियनशिप का खिताब जीतने के लिए राउरकेला और रांची के स्टेडियमों में मुकाबला करेंगी। कलिंगा लान्सर्स के अभियान की शुरुआत 30 दिसम्बर 2024 को राउरकेला में यूपी रुद्राज़ के साथ मुकाबले से होगी। इसके बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स, श्राची रार बंगाल टाइगर्स और दिल्ली एसजी पाइपर्स जैसे प्रतिद्वंद्वियों के बीच होगी। इस टीम में कृष्ण बी पाठक, ऐरन ज़ालेवस्की व अलेक्ज़ेंडर हेंड्रिक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ रोशन कुजुर और मुकेश टोप्पो जैसे उभरते हुए प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल हैं। मैच शेड्यूल को अंतिम रूप दिए जाने पर वेदांता एल्यूमिनियम के सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि न केवल कलिंगा लान्सर्स के लिए बल्कि ओडिशा व समग्र भारत में भी हॉकी के लिए यह गौरव की बात है।

एमटीआई में विश्व गुणवत्ता दिवस मनाया गया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। एमटीआई में शुक्रवार को विश्व गुणवत्ता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एमटीआई के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) तथा कार्यकारी निदेशक (एचआर-एलएंडडी) एमटीआई द्वारा गुणवत्ता ध्वज फहराया गया। एमटीआई ने अपने अस्तित्व के बाद से ही इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एमटीआई जो पहला कॉर्पोरेट प्रशिक्षण केंद्र है, को 1994 में आईएसओ 9001 के तहत प्रमाणित किया गया था, जो हमारे क्यूएमएस प्रमाणन का 30वां वर्ष है। अपने स्वागत भाषण में महाप्रबंधक प्रभारी (अकादमिक) अतनु मुखर्जी ने इस वर्ष के विश्व गुणवत्ता दिवस की थीम के बारे में बताया। थीम है गुणवत्ता÷ अनुपालन से प्रदर्शन तक। एमटीआई के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) तथा कार्यकारी निदेशक (एचआर-एलएंडडी) एमटीआई संजय धर द्वारा गुणवत्ता शपथ पढ़ी गई, जिसे सभी कर्मचारियों ने लिया। इस अवसर पर एमटीआई के कार्यकारी निदेशक (एचआर-एलएंडडी) का कार्यभार संभाल रहे सीजीएम (एचआर-एलएंडडी) ने एमटीआई समूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के लिए गुणवत्ता की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है।

साथ ही, उन्होंने प्रतिस्पर्धियों से आगे रहने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन एमटीआई की प्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) निहारिका द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

यह भी उल्लेखनीय है कि आरडीसीआईएस ने भारतीय मानक ब्यूरो, जमशेदपुर शाखा के माध्यम से ÷गुणवत्ता चेतना÷ पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें आरडीसीआईएस के बड़ी संख्या में इंजीनियरों ने भाग लिया था।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का प्रतिनिधिमंडल मिला राज्यपाल से

तीन दिवसीय ज्ञान कुंभ के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का के लिए किया आमंत्रित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। नालंदा विश्वविद्यालय में ज्ञान कुंभ 16-18 नवंबर समारोह सत्र में राज्यपाल संतोष गंगवार की उपस्थिति निश्चित

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की ओर से क्षेत्र की अध्यक्ष डॉ.सबिता सेंगर, क्षेत्र संयोजक डॉ. विजय कुमार सिंह, प्रांत अध्यक्ष डॉ. रमण कुमार झा, प्रांत संयोजक अमर कांत झा, सह संयोजक डॉ पीयूष रंजन, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले। उन्हें विकसित भारत ‫‬2047 के लिए आयोजित नालंदा ज्ञान कुंभ में भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं की भूमिका 18 नवंबर को नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर में तीन दिन के समारोह सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की प्रार्थना

लेकर गए थे । इस प्रार्थना की स्वीकृति मिल गई है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास शिक्षा में भारतीय शिक्षा और संस्कृति की स्थापना कैसे हो इसे लेकर कार्य करने वाला एक सजग संगठन है। ज्ञान कुंभ के माध्यम से कई वर्षों के क्रम में न्यास द्वारा इस वर्ष देश भर में चार स्थानों पर चार ज्ञानकुंभों के पश्चात अगले वर्ष फरवरी में प्रयागराज में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन होना है। उत्तर क्षेत्र का ज्ञानकुंभ हरिद्वार में, दक्षिण क्षेत्र का ज्ञानकुंभ पुडुचेरी÷ में पश्चिम क्षेत्र का ज्ञानकुंभ में और पूर्व क्षेत्र का ज्ञानकुंभ ÷नालंदा÷ में हो रहा है। इस कड़ी में आगामी 16 से 18 नवंबर-2024 को विकसित और आत्म निर्भर भारत- 2047’ पर शिक्षाविदों का विचार विमर्श होना है। इसमें 1000 से अधिक शिक्षाविद उपस्थित हो रहे हैं। इनके बीच ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं में अनुसंधान पर गहन विचार -विनिमय के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा और नवाचारों से संबंधित अनेकानेक कलात्मक प्रस्तुति भी होनेवाला है ।

इनका मुख्य उद्देश्य हैं- भारतीय ज्ञान परम्परा को बढावा देना, भारतीय भार्षाओं को प्रोत्साहित करना, शिक्षा में भारतीय भाषाओं का उपयोग, सांस्कृतिक कार्यक्मों का आयोजन, भारतीय ज्ञान परम्परा और भार्षाओं के बीच संबंध बनाना ।

पहले मतदान फिर जलपान- ए.के.श्रीवास्तव

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चित्रांश ए.के.श्रीवास्तव के द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान के तहत एक प्रेस कांफ्रेंस ओसारा रेस्टोरेंट, हिरापुर, धनबाद में आयोजित की गई। इसमें उन्होंने सभी से पहले मतदान फिर जलपान पर बल देते हुए मतदान करने का अनुरोध किया। साथ ही सभी चित्रांश अपने अपने मुहल्ला में अधिक से अधिक संख्या में मतदान कराने का प्रयास करेंगे। इनके साथ में प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रांश सुबोध कुमार श्रीवास्तव, राकेश मोहन सिन्हा एवं श्रीमती रीता लाला भी इस अवसर पर मुख्य रूप से शामिल हुए और अपना विचार प्रकट किए तथा सभी ने अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का अनुरोध किया। मंच का संचालन जिला अध्यक्ष चित्रांश रवि श्रीवास्तव ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन चित्रांश संजय बख्शी जी ने दिया। इस आयोजन में मुख्य रूप से राजीव श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, आशीष सिन्हा, राकेश कुमार सिन्हा, तृप्ति श्रीवास्तव, नीरज कुमार आदि अनेक चित्रांश शामिल होकर इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

भाकपा माले ने मनाया बिरसा मुंडा की जयंती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस पर भाकपा माले जिला कमिटी की ओर से टेंपल रोड,पुराना बाजार कार्यालय में कातिकारी बिरसा मुंडा की फोटो पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माले जिला सचिव कॉ. बिन्दा पासवान ने कहा कि बिरसा मुंडा एक क्रांतिकारी थे जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जुझारू संघर्ष किए इतना ही नहीं बल्कि अब अंग्रेजी गुलामी से मुक्ति ही नहीं बल्कि एक शोषण मुक्त समाज निर्माण करना उनका उद्देश्य था जिसे साकार करने के लिए एक नई जनक्रांति की आवश्यकता है। कार्यक्रम में कॉ.सुभाष चटर्जी, कॉ.सुभाष प्रसाद सिंह, कॉ.राणा चट्टराज, कॉ.मनीष यादव, कॉ.राम लाल, शिव बालक पासवान, राजेश बिरवा, चिंटू रवानी, किरण मुखर्जी, महेश चौहान, मनीष चौहान, मनोज चौहान, चांदों चौहान, सिकंदर चौहान, कमलेश चौहान, संजय पासवान, सुरेश सिंह उपस्थित उपस्थित हुए।

मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन

स्वीप कार्यक्रम के तहत गांधी चौक,धनवार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गिरिडीह। लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव 2024 के निमित्त मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गांधी चौक, धनवार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने आमजनों से 20 नवंबर को मतदान करने की अपील की। साथ ही बताया गया कि मजबूत राष्ट्र निर्माण में हर एक व्यक्ति को अपनी भूमिका समझकर मतदान करना जाना होगा। तभी देश में लोकतंत्र को मजबूत व सशक्त बनाया जा सकेगा। मतदाता अधिक से अधिक मतदान करके एक स्वस्थ और मजबूत जनतंत्र का निर्माण कर सकते हैं। इसके साथ ही मतदाता भयमुक्त होकर मतदान करें। कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। मौके पर स्वीप कोषांग की टीम द्वारा बताया गया कि आप भी इस चुनाव के पर्व में भागीदार बनें। सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में सहयोगी बनें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें।साथ ही सभी को मतदान के महत्व, मतदान तिथि, निर्वाचन प्रणाली आदि जैसे कई जानकारियां साझा की गई। मौके पर उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदाता मार्गदर्शिका का वितरण किया गया और उसके बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

सिख श्रद्धालुओं ने धूमधाम से मनाया श्रीगुरुनानक जन्मोत्सव

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,गिरिडीह। श्री गुरुनानक जन्मोत्सव कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरिया श्री गुरुद्वारा साहिब में सिख श्रद्धालुओं ने बड़े ही धूमधाम से मनाया श्री गुरुनानक जन्मोत्सव। इस दौरान श्री गुरुद्वारा साहिब से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जोकि सरिया नगर भ्रमण करते हुए सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ श्री गुरुद्वारा साहिब पहुंची। इस बाबत सिख श्रद्धालुओं ने बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारे लगाए ,जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा ।वहीं इस बाबत श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी द्वारा लंगर का आयोजन किया गया।जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने लंगर

प्रसाद ग्रहण किया। इस बाबत श्री गुरुद्वारा साहिब के ज्ञानी अमरजीत सिंह जी व प्रधान सरदार मनोहर सिंह बग्गा ने इस पावन अवसर पर संगत से कहा की बाबा नानक व्यक्तित्व में दार्शनिक,समाज सुधारक,योगी, गृहस्थ कई गुण समेटे हुए थे। वहीं इस बात गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सिमरन सिंह व विशाल गंभीर ने बताया कि शरीर गुरुद्वारा साहिब सरिया में प्रत्येक वर्ष इस तरह ही हर्षोल्लास से श्री गुरुनानक जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब प्रबंधन कमेटी के खजांची राजेंद्र मखिजा, विशाल गंभीर,विक्की चावला,राहुल गंभीर,शम्मी सोनी, संकी सोनी, बाबू सिंह,नवीन आजमानी,मनोज सलूजा,मोनू मखीजा,ऋत्विक सोनी,आकाश जुनेजा,सोनू गंभीर,प्रभजोत सिंह गंभीर आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

करों प्रखंड पहुंची गंगा नारायण की जन आशीर्वाद यात्रा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

करों। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी गंगा नारायण सिंह ने आज जन्म आशीर्वाद यात्रा के क्रम में करों प्रखंड के रांगा सिरसा, पिपरा, गोसुवा, दासडीह, सितुलवा, कजियाटांड, तेतरिया, गोपालपुर, गंजोबारी, जेरुआ, चनियाजोरी, जसोबांध, जामडाबरा, आसानबनी, बुढीकुरा, नोनियांटांड, ताराड़गाल, भेडो, मांझतर, ठेंगड़ीह आदि गांवों का दौरा किया और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। गंगा नारायण सिंह ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और हाफिजुल हसन अंसारी हिंदू वोट को खरीदने की योजना बना रहे हैं। उनका मानना है कि मुस्लिम और आदिवासी तो उनके परंपरागत मतदाता हैं ।वह कहां जाएंगे इसलिए मैं हिंदू वोटो को कर दूंगा और भाजपा को पराजित करूंगा । अब हिंदुओं को तय करना है कि क्या हम बिकेंगे या हम अपनी संस्कृति और सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए इन आसुरी शक्तियों को पराजित करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास ,सबका प्रयास और सब का विश्वास लेकर के चलती है । केंद्र सरकार धर्म के आधार पर विभेद करके योजनाओं को लागू नहीं करती बल्कि जो योजना लागू होती है वो संपूर्ण भारतवर्ष के सभी जातियों के लिऐ होती है लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है और तरह-तरह के लोकलुभावन नारे देती है। हम ग्रामीणों को इंडिया गठबंधन के झांसे में नहीं आना है और भाजपा गठबंधन की सरकार बनाने के लिए मधुपुर से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जीता कर भेजना है। इस जन्म आशीर्वाद यात्रा में गंगा नारायण सिंह के साथ प्रखंड अध्यक्ष दिलीप यादव, बलवीर राय, वकील भोक्ता, विश्व नाथ रवानी, मोहन मंडल, कृष्णा पोद्दार, धीरज भोक्ता, अशोक यादव, हरि किशोर पांडे, जयदेव भोक्ता, मनोज रवानी, विपीन भोक्ता, संतोष गुप्ता, गुड्डू भोक्ता, अजीत रवानी, उत्तम मंडल आदि साथ थे ।

पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए बनाएं गए सुविधा केंद्र का डीसी व एसपी ने किया निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। विधानसभा आम चुनाव 2024 कार्य में प्रतिनियुक्त मतदानकर्मियों और आवश्यक सेवाओं के मतदाता को पोस्टल बैलेट से मतदान पुलिस लाईन में पोस्टल बैलेट से मतदान कराया जा रहा है। पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए बनाएं गए सुविधा केंद्र पुलिस लाईन पाकुड़ का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान के लिए कतार बद्ध तरीके से खड़े कर्मियों को शत-प्रतिशत मतदान करने का अपील किया। इस दौरान पोस्टल बैलेट के कर्मियों को आयोग के दिशा-निर्देशानुसार मतदान कार्य को पूरा कराने की बात कहीं। उल्लेखनीय हो कि, मतदान कार्य में नियुक्त पुलिस के जवानों/झारखंड शस्त्र पुलिस बल (जेएपीएफ) आदि को मतदान करने में कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए सुविधा केन्द्र पुलिस लाईन पाकुड़ में स्थापित किया गया है। जहां पूर्वाह्न 09.00 बजे से अपराह्न 05 बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

ईसीआरकेयू का जनसंपर्क अभियान के दौरान कर्मचारियों ने दिया समर्थन का भरोसा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन आज सुबह 8:00 से सिग्नल एक और सिग्नल दो में अपना जनसंपर्क अभियान चलाया जिसमें उपस्थित रेल कर्मचारियों ने ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन को आने वाला मान्यता चुनाव में समर्थन देने का भरोसा दिया। उपस्थित नेतागण सिग्नल विभाग में किए हुए कार्य का विवरण दिए और कहा कि आने वाला दिन में भी आपके साथ यूनियन हमेशा खड़ा रहेगा। साथ ही साथ सिग्नल विभाग के कर्मचारी का शिकायत भी सुने और आने वाला दिन उसे शिकायत को दूर करने का भरोसा दिया।

आज का इस जनसंपर्क अभियान में केंद्रीय संगठन मंत्री

नेताजी सोमेन दत्ता, आर.के.सिंह, बी.के.दुबे, जितेंद्र कुमार साहू, एन.के. खवास, आर.एन.विश्वकर्मा, सुदर्शन महतो, प्रभाकर कुमार, मुकेश कुमार, प्रशांत बनर्जी, विमान मंडल, चंद्रशेखर प्रसाद, सुरेंद्र कुमार चौहान, दिलीप कुमार, इजहार आलम, राजेश कुमार गोप, अजय कुमार, राजीव कुमार सिंह, अमित, रविन्द्र रवानी, राजकुमार, मिथलेश कुमार, अमित, संदीप कुमार, कालेश्वर यादव, शशि कुमार, मुकेश कुमार, बासुदेव कुमार, गौरीशंकर पाठक, इंचार्ज ए.एस.दास, जितेंद्र कुमार, रिजवान अंसारी, अजीत कुमार, प्रदीप कुमार, उपेंद्र पासवान, इंचार्ज आर.एन.विश्वकर्मा, जागेश्वर यादव एवं बहुत सारे कर्मचारी मौजूद थे।

बिना माइनिंग चालान के अवैध स्टोन चिप्स परिवहन करते हुए चार गाड़ियों के मालिक एवं चालक पर हुआ मामला दर्ज

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। सदर प्रखंड के कालिदासपुर पंचायत अंतर्गत कशिला गांव के पास 14 नवंबर को देर रात्रि में खनन निरीक्षक, पाकुड़ एवं थाना प्रभारी, पाकुड मुफ्फसिल की संयुक्त टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर अवैध रूप से स्टोन चिप्स का परिवहन करनेवालों के विरूद्ध छापामारी करते हुए बिना माईनिंग चालान के अवैध स्टोन चिप्स लोड 02 हाईवा, 01 ट्रक एवं 01 ट्रैक्टर जप्त किया गया है। इस संबंध में खनन निरीक्षक, पाकुड़ के आवेदन के आधार पर पाकुड़ (मु0) थाना काण्ड संख्या 229/2024, दिनांक 15.11.2024, धारा 303(2)/3(5) BNS-2023, 54 of JMMC-2004, 4/21 of MMDR Act-1957, 7/9/13 of J.M. (P.I.M.T.&S.) Rule-2017 के अन्तर्गत जप्त किये गये सभी 04 वाहनों के चालक एवं मालिक के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है।

स्विफ्ट डिजायर की टायर में रखे 25 लाख बरामद

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,गिरिडीह। इनकम टैक्स की टीम ने गुरुवार को स्विफ्ट डिजायर से 25 लाख रुपया नकद बरामद किया। जिसे कार की स्टेपनी में छुपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने कार सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी। आयकर विभाग की ओर से दी गयी सूचना और गूगल मैप के अनुसार पुलिस ने देवरी मोड़ के पास गाड़ी को रोक कर जांच की और रुपए नहीं मिलने की वजह से उसे छोड़ दिया गया था। इसके बाद इनकम टैक्स की क्यूआरटी ने गाड़ी की स्टेपनी टायर खुलवायी। जिसके बाद स्टेपनी में छुपा कर रखे गए 25 लाख रुपया बरामद किया।

दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड कोल कंपनी ने उपलब्ध कराया 65 व्हीलचेयर एवं 5 स्ट्रेचर

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। समाहरणालय स्थित परिसर में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया की उपस्थिति में दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड कंपनी द्वारा सीएसआर मद से जिला प्रशासन को 65 व्हीलचेयर एवं 05 स्ट्रेचर उपलब्ध कराया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान के दौरान दिव्यांग मतदाताओं के मतदान करने में सहायता के लिए

दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड कंपनी द्वारा सीएसआर मद से 65 व्हीलचेयर एवं 05 स्ट्रेचर उपलब्ध कराया गया। विधानसभा चुनावों में प्रत्येक पोलिंग बूथ पर दिव्यांग लोगों का सर्वे कर जिन स्थानों पर दिव्यांग मतदाता होंगे, उन जगहों पर प्रशासन द्वारा मतदान से पूर्व ही व्हीलचेयर की व्यवस्था की जाएगी, जिससे दिव्यांग मतदाताओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

खेल के माध्यम से दिया गया मतदाता जागरूकता संदेश, 20 नवम्बर को होगा मतदान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। विधानसभा आम चुनाव 2024 के अन्तर्गत आमजन को चुनाव के बारे में जागरूक करने एवं चुनाव गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करने के लिए पाकुड़ शहर के बैंक कालोनी स्थित जिला स्टेडियम पाकुड़ में जिला एथेलेटिक्स संघ, जिला ओलम्पिक संघ एवं स्वीप कार्यक्रम के तहत फुटबॉल एवं साईकिल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों को फुटबॉल एवं साईकिल खेल खेलाकर सभी खिलाड़ियों के माध्यम से आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता समापन के पश्चात जिला जनसंपर्क

पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पूर्ति एवं एपीआरओ पवन कुमार, जिला एथेलेटिक्स संघ के सचिव रणवीर सिंह, जिला ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष सुजीत विधार्थी के द्वारा विजेता उप विजेता टीम को ट्राफी एवं एक-एक काफी मग देकर सम्मानित किया। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने उपस्थित खिलाड़ियों को मतदान के महत्व को बताया तथा चुनाव आयोग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न मोबाईल एप्प के बारे में जानकारी दी गई। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पूर्ति ने खिलाड़ियों को मतदाता प्रतिज्ञा दिलाई। साइकिलिंग प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम फ्रांसिस हांसदा, द्वितीय राजकुमार, तृतीय समीर अंसारी, चतुर्थ मंटू ठाकुर, पंचम राजा शर्मा ने स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में प्रथम सुधा कुमारी पासवान,द्वितीय अंजली शर्मा, तृतीय लक्ष्मी राजवीर। महिला फुटबॉल में पाकुड़ फ.सी पाकुड़ 03 तीन से विजेता बनी। वही फ.सी महेशपुर 01 उपविजेता। बालक वर्ग में राज प्लस टू, विजेता 02 प्लांटी से एवं पाकुड़ एफ.सी उपविजेता टीम बनी। आयोजन को सफल बनाने में जिला साइकिलिंग संघ के संयुक्त सचिव पंकज अग्रवाल, प्रवीण कुमार, प्रशिक्षक नारायण चंद्र राय, प्रशिक्षक अक्षय बाबरी, एम.डी शकील हक, होपना सोरेन, भैरव मुर्मू,कमल मुर्मू एवं अन्य ने सहयोग किया।

राज्य स्थापना दिवस पर जिलावासियों को उपायुक्त ने दी शुभकामनाएं

भगवान विरसा मुंडा को किया गया नमन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,पाकुड़। जिले में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती शुक्रवार को मनाई गई। शहर के हाटपाड़ा स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार,उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, भूमि सुधार उप समाहर्ता मनीष कुमार एवं जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मौके पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आज का दिन जिलावासियों के लिए महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन 15 नवंबर 2000 को झारखंड अलग राज्य का निर्माण हुआ था। उपायुक्त ने समस्त जिलावासियों को झारखंड राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका साहस, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित होने की प्रेरणा देता है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।उन्होंने समाज को संगठित कर लोगों को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया।

चाइनीज दूतावास कोलकाता के अधिकारियों संग चैंबर की बैठक आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। चाइनीज कांसुलेट जेनरल, कोलकाता के सू वी ने रांची प्रवास के दौरान शुक्रवार को चैंबर भवन में फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान झारखण्ड प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकास की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई और सुझावों का आदान-प्रदान किया गया। चाइनीज कांसुलेट जेनरल, कोलकाता के सू वी ने चीन और भारत के बीच आर्थिक और व्यापार सहयोग, पूर्वी भारत में चीन के निवेश और महावाणिज्य दूतावास के मुख्य आर्थिक और व्यापार कार्यों की जानकारी देते हुए झारखण्ड में औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए तैयार अनुकूल माहौल और यहां के कुशल श्रमबल की प्रशंसा की और अर्थव्यवस्था के विकास हेतु जरूरी संभावनाओं की लक्ष्य प्राप्ति के लिए उद्योग जगत को औन किन संसाधनों में बेहतरी की आवश्यकता है, पर चैंबर का मंतव्य जाना। उन्होंने अवगत कराया कि व्यापार और उद्योग जगत के विभिन्न सेक्टर्स की राय जानने के लिए उन्होंने रांची का दौरा किया है। उन्होंने चैंबर की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा करते हुए यह जानना चाहा कि झारखण्ड में किस देश से अधिक

निवेश स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि चाइना में लगातार रिफॉर्म के प्रयास हो रहे हैं, जिसका वैश्विक स्तर पर लाभ लिया जा सकता है।

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने माईनिंग, प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, सिल्क, वन उत्पाद, होर्टिकल्चर और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में झारखण्ड के बढते कदम पर संतोष जताते हुए कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश बढाने की दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं। साथ ही उन्होंने चैंबर द्वारा लगाये जानेवाले इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में चाइना को सहभागी बनने की भी ईच्छा जताई। चाइनिस कांसुलेट जेनरल (कोलकाता) के अधिकारियों ने राज्य के औद्योगिक विकास के लिए चैंबर के सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने झारखण्ड चैंबर के पदाधिकारियों को कोलकाता स्थित दूतावास कार्यालय में भी आमंत्रित किया।

चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने झारखण्ड और चाइना के बीच बाइलेटरल ट्रेड बढाने, आयात-निर्यात की संभावनाओं को देखने के उद्देश्य से विभिन्न सेक्टर्स के व्यापार-उद्योग से जुडे प्रतिनिधिमंडल के साथ चाइना विजिट करने की भी बात कही। बैठक के दौरान राज्य के राजनीतिक परिवेश भी संक्षिप्त चर्चा हुई।

बैठक में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय के अलावा चाइनीज कांसुलेट जेनरल, कोलकाता के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। चाइनिस कांसुलेट जेनरल (कोलकाता) के सूवी ने कहा कि मैं तहे दिल से उम्मीद करता हूं कि चीन-भारत संबंध स्वस्थ और स्थिर तरीके से विकसित हो जाये।

चौपारण में आदिवासी समाज ने ललकी माटी में मनाया झारखंड स्थापना दिवस

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड में झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा चौपारण प्रखंड के ललकी माटी में स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें अतिथि के रूप जंगल बचाओ आंदोलन के केंद्रीय प्रभारी राजेश कुमार महतो उपस्थित थे। मुख्य अतिथि का आयोजन कर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

मौके पर बोलते हुए जंगल बचाओ आंदोलन के केंद्रीय प्रभारी ने कहा कि आज झारखंड राज्य का निर्माण हुए 24 बरस होने को चले लेकिन जिन उद्देश्यों को लेकर झारखंड राज्य का निर्माण हुआ वह उद्देश्य आज भी अधूरा और अपूर्ण है। आज भी झारखंड राज्य में जल जंगल और जमीन की बात की जाती है परंतु यहां के आमजन की बात नहीं की जाती। आम जनों के विकास से ही राज्य का विकास संभव है परंतु निर्माण के बाद से लेकर अब तक यहां पर आम जन ही उपेक्षा के शिकार होते रहे हैं। जिन सपनों को लेकर के इस राज्य का निर्माण हुआ था वह सपने आज भी अपूर्ण है। झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के बोकारो प्रभारी मोतीलाल बेसरा ने मौके पर बोलते हुए कहा कि जब तक झारखंड के आम जनों का विकास

नहीं होता है तब तक राज्य निर्माण का जो सपना देखा गया था वह सपना अधूरा है। आगे उन्होंने बोलते हुए कहा की विकास के नाम पर जंगलों को उजाड़ा जा रहा है जो की जंगल हम आदिवासियों के लिए प्रकृति का दिया हुआ घर है। आज विकास के नाम पर बेतहाशा जंगलों का क्षरण किया जा रहा है जिससे आदिवासी परिवारों के समक्ष कई तरह की समस्याएं खड़ी हो गई हैं। झारखंड राज्य भारत का रूर कहा जाता है किंतु यहां के आदिवासी और मूलवासी कितने मजबूर हैं इसका अनुमान हमारे राजनेता नहीं लगा पाते हैं। विकास के नाम पर जंगलों की बर्बादी इस राज्य की बर्बादी है इसे यहां शासन करने वाली सरकारों को समझना होगा।

इस स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित थे जंगल बचाओ आंदोलन के केंद्रीय प्रभारी राजेश कुमार महतो , झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के बोकारो प्रभारी मोतीलाल बेसरा ,ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु प्रसाद भगत, चौपारण प्रखंड झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के प्रभारी चोलो मुंडा , चौपारण प्रखंड ग्राम सभा मंच के अध्यक्ष डुलाय चन्द मुंडा, चौपारण प्रखंड कोषाध्यक्ष प्रभु सहाय मुंडा समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्ध एवं गणमान्य उपस्थित थे।

संस्कृति के रक्षक थे भगवान बिरसा मुंडा - मिथिलेश्वर मिश्र

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,रांची। विश्व हिंदू परिषद, रांची महानगर द्वारा झारखंड के वीर स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर बिरसा चौक, रांची स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। प्राचीन राम मंदिर चुटिया में भी भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने कहा भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड के नहीं बल्कि भारतवर्ष के जननायक थे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए जीवन पर्यंत अंग्रेजों से संघर्ष किया तथा बलिदान हुए। धनुष- बाण तथा जनेऊ धारण किए हुए भगवान बिरसा जनजाति समाज के धर्म एवं संस्कृति के भी रक्षक थे। उन्होंने अंग्रेज मिशनरियों के प्रभाव से समाज के बीच हो रहे धर्मांतरण का विरोध किया तथा स्वधर्म के प्रति जागरूक किया। भगवान बिरसा की पावन जयंती पर आज संपूर्ण देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है तथा भगवान बिरसा के साथ-साथ जनजाति समाज के सभी महापुरुषों ,वीर बलिदानियों को नमन कर रहा है। झारखंड के संपूर्ण विकास के लिए ,धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए आज उनके दिखाएं मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में राम मंदिर चुटिया के महंत गोकुलदास, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रांत मातृशक्ति प्रमुख दीपा रानी, रांची विभाग मंत्री रविशंकर राय, महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी, महानगर मंत्री विश्वरंजन, महानगर सामाजिक समरसता प्रमुख मुकेश गिरी, महानगर मातृशक्ति प्रमुख चंदा देवी, केशव नगर मंत्री अजय बैठा, बिरसानगर संयोजक त्रिलोक सिंह ,मंजू सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल से कोयला ले जा रहा मजदूर की सड़क दुर्घटना मे मौत

कम्पनी से एक नौकरी एंव पांच लाख मुआवजा राशी देने के आश्वासन के पश्चात सड़क जाम हटा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव ।बड़कागांव हजारीबाग मुख्य सड़क बरवाडीह 13 माइल के पास सड़क दुर्घटना में कोयला मजदूर मोटरसाइकिल चालक की घटनास्थल पर मौत हो गई।घटना की खबर परिवार जनों एवं ग्रामीणों को मिलते ही लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। घटना को लेकर ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि मृतक तौफीक अंसारी पिता इसाक मिंया उम्र 30 वर्ष रुद्दी निवासी मोटर साइकिल से कोयला लेकर ग्राम रुद्दी से 15 नवंबर की अहले सुबह 4॰30 बजे हजारीबाग की ओर बेचने के लिए जा रहे थे।

लगभग 5॰00 बजे बड़कागांव हजारीबाग 13 माइल पास एक हाईवा वाहन के चपेट में आ जाने से तौफीक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिसमें मोटरसाइकिल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

मृतक तौफीक अंसारी का पत्नी , एक बेटा एवं दो बेटी है।मौत की खबर परिजनों एवं ग्रामीणों को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर बड़कागांव हजारीबाग मुख्य सड़क को जाम कर दिया गया। और मुआवजा व नौकरी की मांग की जाने लगी।परिवारजनों एवं रिश्तेदारों का रो रो कर कर बुरा हाल था।इस दरमियान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ो ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। और फिर कंपनी के अधिकारी जनप्रतिनिधि एवं मृतक के परिवार जनों के समक्ष वार्ता हुई।जिसमें मृतक के परिजन को एक नौकरी एवं 5 लाख मुआवजा को लेकर समझौता हुआ।और तत्पश्चात सड़क जाम हटा लिया गया।वहीं बड़कागांव पुलिस प्रशासन के द्वारा लाश को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया गया।

मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक निर्मला देवी , थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल, एस आई आशीष भगत बडकागांव मध्य जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी , समीम मियां, संदीप कुशवाहा, मुखिया वासुदेव यादव , सोनू इराकी ,तकरीमुल्लाह खान , इलियास अंसारी , पंचायत समिति सदस्य फयूम अंसारी , विशेश्वर नाथ चौबे ,पंकज कुमार, प्रभु राम , व पुलिस सशस्त्र बल सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर मनाई गई देव दीपावली

रांची। शुक्रवार को हरमू के श्रीश्याम मंदिर में देव दीपावली के अवसर 21+201दीप प्रज्जवलित करके पर्व मनाया गया। दीप प्रज्जवलित करते हुए मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व मंदिर के आचार्यगण उपस्थित थे।

मधुपर आरपीएफ ने हरलातांड़ के समीप रेलवे ट्रेक से एक घायल व्यक्ति को उठाकर अनुमंडलीय अस्पताल मे कराया भर्त्ती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, मधुपुर। गिरीडीह रेल खंड के 2 नम्बर रेल फाटक के रेल पोल संख्या 2/13 के समीप हरलातांड़ गाँव के पास रेल ट्रेक से एक अज्ञात 46 वर्षीय व्यक्ति को घायल अवस्था मे आरपीएफ ने उठाकर अनुमंडलीय अस्पताल मे भर्ती कराया । वह रेल ट्रेक के बीचो बीच बेहोशी की हालत मे पडा हुआ था। सूचना पर आरपीएफ एसआई धर्मेन्द्र प्रसाद, एएसआई शौकत कमाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे । उसे तत्काल108 एम्बुलेन्स के द्वारा अनुमंडलीय अस्पताल मधुपुर में इलाज हेतु पहुंचाया। जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए देवघर रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसके माथे पर गंभीर चोट लगी है। बताया की घायल व्यक्ति बेहोशी की हालत मे था इस कारण उसकी पहचान नही हो पायी है । आरपीएफ ने बताया की वह रेलवे ट्रेक पार कर रहा था या किसी ट्रेन से गिरकर हादसे का शिकार हुआ है उसके होश आने के बाद पता चल पाएगा । फिलहाल पुलिस उसके पहचान का प्रयास कर रही है।

माहेश्वरी महिला समिति ने मनाया लक्ष्मी नारायण मंदिर में देव दीपावली

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। पुराणों के अनुसार कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन सभी देवी देवता धरती पर आते है एवं पवित्र गंगा नदी में समागम होता है। इसलिए इस दिन को देव दीपावली के रूप में मनाया जाता है। परंपरा को निभाते हुए माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने शाम में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में एकत्रित होकर 1500 दीपक से मंदिर प्रांगण को जगमगाते हुए सामूहिक आरती कर यह दीप उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष किशन साबू, जुगल मारू, प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार मारू,पवन मंत्री, विजय मारू, अशोक साबू, अनिल साबू, प्रकाश काबरा, प्रदेश महिला सचिव संगीता चितलांगिया, गोवर्धन जी भाला, बसंत की लखोटिया, महिला अध्यक्ष भारती चितलांगिया,सचिव बिमला फलोर, उपाध्यक्ष अनीता साबू, वंदना मारू, कोषाध्यक्ष सरला चितलांगिया, मनीष मारू, किरण जी साबू,सुमन चितलांगिया, रेनू फलोर,सरोज राठी, रश्मि मालपानी, विजयश्री साबू,कुमुद जी लखोटिया, शारदा लड्डा , उषा डागा, लक्ष्मी चितलांगिया , सीमा मालपानी, ममता डागा, सरिता चितलांगिया, शिखा बिरला , पूनम राठी, रेखा कल्याणी एवं समाज के और भी सदस्य उपस्थित रहे।

पत्थलगड़ा प्रखंड के लैंबोईया मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पत्थलगड़ा(चतरा)। प्रसिद्ध पर्यटन व तीर्थ स्थल मां भगवती (दक्षिणेश्वरी) मंदिर पत्थलगड़ा के प्रांगण में शुक्रवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ो लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई एवं पूजन अर्चन करते हुए पारिवारिक सुख समृद्धि की कामना की और कार्तिक मास का समापन किया। आयोजित मेले में बच्चों के खेलने वाले खिलौने से लेकर खाने पीने की खाद्य सामग्रियों सहित सब्जियों इत्यादि के स्टाल लगे हुए थें। वहीं दिनभर मेले का लुफ्त उठाने को लेकर लोगों की भीड़ उमड़ते देर शाम तक दिखाई देती रही। बताते चलें की प्रसिद्ध पर्यटन व तीर्थ स्थल मां भगवती मंदिर परिसर में कई दशकों से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेले का आयोजन किया जा रहा है। जहां बच्चों के खेलने वाले खिलौने सहित अन्य सामग्रियों की खरीद बिक्री को लेकर लोग काफी संख्या में पहुंचते हैं। बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर लगी मेले का आयोजन शुक्रवार को देर शाम तक संचालन होता रहा। जैसे ही रात होते गई वैसे ही आयोजित मेले में लोगों की उपस्थिति कम होते चला गया। मौके पर सिंघानी मुखिया राधिका देवी, सेवानिवृत्त कर्मचारी हरिलाल दांगी के अलावे प्रकाश दांगी, पिंटू कुमार वर्मा, अनंत कुशवाहा समेत अन्य लोगों ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेले का आयोजन बहुत ही भव्य तरीके से संपन्न हुआ। इस मेले के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किये गये, जिसे देखने को लेकर प्रखंड के साथ-साथ अन्य प्रखंडों से भी लोग यहां पहुंचे और मेले का लुफ्त उठाया साथ ही कई सामग्रियों की भी खरीद बिक्री की। वहीं मेले के आयोजन के पूर्व मंदिर प्रबंधन समिति के अलावे अन्य लोगों के द्वारा पूरे मंदिर परिसर की साफ सफाई की गई। तथा पूरे परिसर को रात्रि को लेकर विभिन्न लाइटों के द्वारा प्रकाश एवं पेयजल समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर उचित व्यवस्था की गई थी।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

इटखोरी (चतरा)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पुनीत अवसर पर उत्तर वाहिनी पावन सलिला महाने नदी के तट पर अवस्थित ऐतिहासिक तीर्थस्थली भदुली में अवस्थित मां भद्रकाली मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने पावन महाने के पावन जल से स्नान कर मां भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना कर अपने एवं अपने परिजनों के लिए सुख समृद्धि एवं आरोग्य की कामना की। श्रद्धालुओं का मंदिर में पहुंचने का 3॰00 बजे प्रातः से ही तांता लग गया था। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालु एवं भक्तजनों से गुलजार रहा। प्रातः 3॰00 से लेकर अपराह्न 3॰00 बजे तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की खासी चहल-पहल देखी गई। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में कतारबद्ध होकर मां भद्रकाली का दर्शन एवं पूजन श्रद्धा के साथ किये। पूरा मंदिर परिसर मां भद्रकाली की जयकारे के गगन भेदी उद्घोष से गूंजायमान रहा। अपने परिजनों के साथ बच्चे भी इस अवसर पर मां भद्रकाली के पावन तीर्थस्थली पहुंचे थे। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर क्षेत्र में भक्ति का वातावरण बना रहा। मंदिर परिसर अवस्थित अन्य सभी देवालयों में भक्त जनों की भीड़ देखने को मिली। भक्त जनों ने भी मां भद्रकाली की पूजा अर्चना करने के उपरांत मां भद्रकाली मंदिर परिसर क्षेत्र में अवस्थित सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की। स्थानीय प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर क्षेत्र में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। तमाम सुरक्षा व्यवस्था के प्रति स्थानीय थाना प्रशासन थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में मंदिर परिसर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए था।

बाल दिवस के मौके पर उड़ान क्लासेस की ओर से स्पोर्ट्स कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,मधुपुर। मधुपुर थाना क्षेत्र के पटवाबाद में स्थित उड़ान क्लासेस की ओर से बाल दिवस के मौके पर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कई तरह के खेलों जैसे क्रिकेट, बैडमिंटन, स्लो साइकिल रेस, रिले रेस, म्यूजिकल चेयर, गोली चम्मच, तथा अन्य कई तरह के खेलों का आयोजन हुआ । सभी छात्र एवं छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी अपनी प्रतिभा दिखाई । कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के संचालक आफताब आलम ने जवाहरलाल नेहरू जी के तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ किया । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मो0 सलाउद्दीन अंसारी, मो0 कौसर अली तथा मो0 शमी अहमद मौजूद थे । उन्होंने कहा की बौद्धिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास भी अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन होना चाहिए । अतिथियों के द्वारा सभी विजेता प्रतिभागीयों को पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में शमी, अरबाज, मुशर्रफ, सफरेज नवाज, कामरान, अमन, रिजवाना, तानिया, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त की अध्यक्षता में विधानसभा चुनाव के निमित्त विभिन्न कोषांगो के कार्यों की समीक्षा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में विधानसभा चुनाव 2024 के निमित गठित किए गए विभिन्न कोषांग के कार्यों के अलावा अन्य बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, सभी निर्वाची पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, वरीय पदाधिकारी/नोडल पदाधिकारी/प्रभारी पदाधिकारी/सहयोगी पदाधिकारी, कार्मिक कोषांग, सामग्री कोषांग, ईवीएम वीवीपैट, प्रशिक्षण कोषांग समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा करते हुए विभिन्न कोषांगों के कार्यों की जानकारी लेते हुए प्रतिनियुक्त किए गए पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अपने कर्तव्यों का जिम्मेवारीपूर्वक निर्वहन करें।

निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। साथ ही सभी कोषांग को निर्देश दिया गया कि निर्वाचन को लेकर सारी तैयारियां दुरुस्त कर लें और सभी कोषांग समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त मतदान दलों का डिस्पैच दिनांक 19.11.2024 को तथा मतदान दिनांक 20.11.2024 को निर्धारित है। उक्त के निमित्त डिस्पैच पोल डे में प्रखण्डों में प्रतिनियुक्त किए जानेवाले ईसीआईएल के इंजिनियर एवं मास्टर ट्रेनर तथा रिसीविंग से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

साथ ही मतदान और मतगणना के दिन बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की बात कही, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से मतदान और मतगणना संपन्न कराई जा सकें। इसके साथ ही डिस्पैच सेंटर और मतगणना स्थल पर शेष तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

इन्दिरा गांधी आवासीय विद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर याद किए गए चाचा नेहरू, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चतरा। जिला मुख्यालय स्थित इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म दिवस हर्ष, उल्लास के साथ मनाया गया ।इस अवसर पर सबसे पहले विद्यालय के प्रधानाध्यापक आनन्द कुमार सिंह ने नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उसके बाद विद्यालय के बच्चों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सीनियर सेक्शन में साक्षी कुमारी प्रथम संध्या कुमारी को द्वितीय एवं साक्षी प्रिया और लक्ष्मी कुमारी को तृतीय स्थान के लिए चुना गया । नेहरू जी को आधुनिक भारत का निर्माता बताया गया। आजादी के बाद हिंदुस्तान के आधुनिकीकरण में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का बहुत बड़ा योगदान रहा है । इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शाहनवाज आलम एवम् पूनम सिंह ने भी संबोधित किया ।जबकि अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में काफी सहयोग किया ।

बालूमाथ प्रखण्ड कार्यालय में बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, लातेहार। बालूमाथ प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती मनाई गई। प्रखंड कार्यालय परिसर मे स्थापित भगवान बिरसा मुण्डा के प्रतिमा पर बीडीओ सोमा उरांव के द्वारा माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। इस दौरान उन्होंने ने कहा कि बिरसा भगवान के कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता,भगवान बिरसा मुंडा को धरती अब्बा के नाम से भी जाने जाते हैं। उधर इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा प्रभारी प्रकाश बड़ाइक द्वारा भी भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। इस दौरान चिकित्सा प्रभारी ने कहा कि उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को खूंटी जिला के ग्राम ओलिहातू गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। वह हमेशा झारखंडियों की भलाई के बारे में सोचते थे उनके द्वारा हमेशा झारखंडियों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई की गई।इस मौके पर कई प्रखंड कर्मी एंम स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

पतरातू में बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस एवं झारखंड स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पतरातू। 15 नवंबर 2024 को पीटीपीएस(डी ए वी स्कूल के सामने) भगवान बिरसा मुंडा स्मारक समिति के तत्वाधान में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को झारखंड स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र मुंडा एवं संचालन नंदकिशोर महतो के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एकल विद्यालय के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थानीय मुखिया किशोर कुमार महतो एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सीताराम मुंडा ने शामिल होकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के कटआउट पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। उपस्थित लोगों के द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे, भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाए गए। मुखिया किशोर कुमार माता ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को रांची के पास उलिहातु नामक स्थान पर हुआ था। वे झारखंड, भारत में एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी लोगों के नेता बन गए। मुंडा जनजाति के सदस्य के रूप में, उन्होंने छोटी उम्र से ही ब्रिटिश शासन का कड़ा विरोध किया और आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए विद्रोह का नेतृत्व किया। हम तमाम झारखंडियों के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। आज पूरा देश में उनकी जयंती के दिन को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप में मना रहा है। यह अपने आप में गर्व की बात है। साथ ही एकल विद्यालय बरतुआ के बच्चों ने द्वारा में भगवान बिरसा मुंडा जयंती में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायत समिति, उपमुखिया नंद किशोर महतो नागेश्वर महतो शांति देवी ललिता देवी नवीन सिंह आलोक गुड़िया अतीन तिर्की बबलू मिंज सैकड़ो बच्चे एवं महिलाएँ उपस्थित थे।

पलामू जिले के पाटन थाना अंतर्गत मेराल मोड पर मनी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,मेदिनीनगर नगर (पलामू)। बिरसा मुंडा के 150 वी जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश महासचिव अभिषेक सिंह चेरो ने कहा कि मेराल मोड पर भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वे आज पाटन थाना के मेराल मोड पर आर एन सिंह इंटर कॉलेज के प्रांगण में आदिवासी गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जयंती समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही इन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासियों के गौरव स्तंभ हैं। उनके जीवन से आदिवासी प्रेरणा लेकर जीवन में बहुत आगे बढ़ सकते हैं। भगवान बिरसा ने देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व निछावर कर दिया था। देशभक्ति की वह जिन्दा मिशाल थे। इस अवसर पर श्री चारों ने बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें शारदा सुमन अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व मुखिया अवधेश कुमार सिंह, राम निहोरा सिंह, दीपक कुमार सिंह ,सुमति देवी, बॉबी सिंह,राकेश कुमार पासवान,सीताराम महतो , विश्वनाथ सिंह,के अलावे छेत्र लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर मेराल पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि आज झारखंड बने 24 साल हो गया है परंतु झारखंड के आदिवासियों का समस्या आज भी जयोंकातेव बना हुआ है। है इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यहां के आदिवासी सामूहिक रूप से पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम से मेराल मोड पर भगवान बिरसा मुंडा के आदमकद प्रतिमा स्थापित करने में सहायता करने का मांग किया। कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए बाहर से आए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त दीपक कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने विभिन्न नदी घाटों में लगाई आस्था की डुबकी

सनातन धर्म में कार्तिक पूर्णिमा को माना जाता है सबसे पावन दिवस

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पतरातू। कार्तिक पूर्णिमा को लेकर प्रखंड के विभिन्न नदियों और घाट में कार्तिक स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़। लोग सुबह से ही स्नान करने के लिए जाते हुए देखे गए। वहीं भगवान भास्कर को प्रणाम कर राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद लोगों ने प्रसाद वितरण किया। भक्तों ने भगवान भास्कर को प्रणाम कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। वहीं दामोदर नदी, पंचबहिनी मंदिर स्थित नदी, कोफ्र डैम एवं अन्य तालाबों तथा नदियों पर स्थित मन्दिर में प्रसाद का वितरण किया गया। सनातन धर्म में ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पूरे वर्ष का सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस दिन महिलाएं सूर्य की किरणें निकलने से पहले नदी - तालाब में जाकर स्नान कर पूजा अर्चना करती हैं और धर्म की भागी बनती हैं।

राजधानी लखनऊ में ठंड ने दी दस्तक

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मौसम तेजी से करवट ले रहा है। शुक्रवार को लखनऊ की सुबह घने कोहरे में लिपटी रही। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। सुबह ऑफिस जाने के लिए लोगों ने स्वेटर और जैकेट पहने नजर आए। कोहरा इतना घना रहा कि वाहनों को आवागमन के लिए लाइटें जलानी पड़ीं।

इसी तरह प्रदेश के अन्य जिलों में भी तापमान में गिरावट होने के साथ ही दिन की शुरुआत घने कोहरे से हो रही है। इसके पहले प्रदेश में बुधवार और बृहस्पतिवार को पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से सुबह शाम की हवा में सिहरन महसूस की गई साथ ही पूर्वी और पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली। हालांकि अधिकतम तापमान में फिलहाल कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला और दिन में अभी भी तपिश महसूस की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में पछुआ हवाओं के चलने से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिलेगी। वहीं प्रदेश के तराई इलाकों में सुबह के वक्त घने कोहरे का असर रहेगा।

यूपी में लखनऊ से सटे कई जिलों में हर रोज कोहरा देखने को मिल रहा है। गुरुवार को अंबेडकरनगर जिले में सुबह से घना कोहरा रहा। इससे यूं तो सुबह की शुरुआत सामान्य ढंग से कोहरे के साथ हुई लेकिन दिन बढ़ने के साथ कोहरा घना होता गया। वाहनों को इसके बाद लाइट जलाकर चलने को विवश होना पड़ा। उनकी रफ्तार भी कम हुई। इसी तरह रायबरेली, सीतापुर, बलरामपुर और श्रावस्ती में भी सुबह कोहरा नजर आया और हवाओं में ठंड घुली रही।

महिला आयोग की सदस्य का बड़ा बयान, कहा- खनन माफिया को मिट्टी में मिला देंगे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ प्रियंका मौर्या शुक्रवार को अचानक जिला महिला अस्पताल पहुंच गईं। उन्होंने निरीक्षण किया और साफ सफाई व्यवस्था की खामियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिये। इस दौरान महिला खनन अधिकारी से छेड़छाड़ के मामले में एक बड़ा बयान दिया।

कहा कि यह योगी आदित्यनाथ जी की सरकार है। ऐसे माफिया को निश्चित रूप से मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि खनन अधिकारी की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों से बात हुई है। उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। देर से एफआईआर दर्ज होने के सवाल पर बोलीं कि महिला खनन अधिकारी घटना के बाद सहम गई थीं।

महिला की फावड़े से काटकर हत्या

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर के हरपुर बुदहट में एक महिला की फावड़े से काटकर हत्या कर दी गई। खून से लथपथ उसका लाश गांव के ही एक खेत में मिला। परिवार के लोग महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पाते ही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और घटना स्थल का जायजा लेने के साथ ही परिवार के लोगों से बातचीत भी की। पुलिस ने महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की छानबीन में जुट गई। परिवार के लोगों ने उसी गांव के रहने वाले अजीत यादव पर हत्या का आरोप लगाया है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर में बताया परिवार के लोगों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया, हरपुरबुदहट इलाके के चरनाद छपिया गांव के रहने वाले रविंद्र यादव की पत्नी संगीता यादव (40) गुरुवार की सुबह घर से शौच के लिए खेत की तरफ गई थी।

लेकिन, काफी देर बीत जाने के बाद भी वे घर नहीं लौटी। परिवार के लोगों ने जब उन्हें गांव में ढूंढना शुरू किया तो गांव के सिवान के पास वे खून से लथपथ हालत में पड़ी मिलीं।

चंदौली में चार युवतियां डूबीं

चंदौली , एजेंसी। जिले के अलग-अलग इलाकों में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करते समय और तालाब में पूजा सामग्री विसर्जित करते समय चार युवतियां गंगा में डूब गईं। खोजबीन करने पर दो युवतियों का शव मिला है। एक को मल्लाहों ने बचा लिया, जबकि एक की तलाश की जा रही है। पहली घटना चंदौली सदर कोतवाली में हुई। यहां पूजन सामग्री तालाब में विसर्जित करने पहुंची दो चचेरी बहनें डूब गईं। इसमें दोनों की मौत हो गई। दूसरी घटना, अलीनगर थाना के कैली गंगा घाट पर हुई। यहां गंगा स्नान के दौरान किशोरी डूब गई। मल्लाहों ने एक को बचा लिया, जबकि दूसरे की तलाश की जा रही थी।

जसुरी निवासी बबीता उर्फ खुशबू (22) और खुशी (14) दोनों बहनें कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए गांव के तालाब पर गई थीं। इस दौरान एक युवती का पैर फिसल गया और डूबने लगी। जिसे बचाने के दौरान उसकी दूसरी बहन भी गहरे पानी में चली गई। साथ में गई छोटी बच्ची ने भागकर घटना की जानकारी परिजनों को दी, लेकिन जब तब परिजन पहुंचे, दोनों चचेरी बहनें डूब चुकी थीं। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनों में मचा कोहराम

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर दोनों का शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए लिए भेज दिया। इसके बाद आगे की कार्रवाई जुट गई। इसकी जानकारी होने के बाद परिजनों के साथ-साथ रिश्तेदारों की भीड़ जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस पर लग गई। परिजनों के करुण रुदन से पोस्टमार्टम हाउस का माहौल पूरी तरह से गमगीन हो गया। लोग यह चर्चा करते रहे कि दोनों चचेरी बहनों की मौत एक साथ होना सभी को मर्माहत करता है।

इस संबंध में सीओ सदर राजेश राय ने बताया कि सदर कोतवाली के जसुरी गांव के तालाब में दो बहने कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के दौरान डूब गईं। इसके कारण दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अलीनगर थाना के कैली गंगा घाट पर माता-पिता के साथ स्नान करने गई दो बहनें गंगा में डूब गईं।

यूपी उपचुनाव में हिमाचल आईपीएस इल्मा अफरोज प्रकरण की एंट्री

मुरादाबाद , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश कैडर की आईपीएस अधिकारी इल्मा अफरोज को लंबी छुट्टी भेजने का मुद्दा अब सियासी रुख अख्तियार करना हुआ नजर आ रहा है। भाजपा इस मुद्दे पर कांग्रेस और सपा को कटघरे में खड़ा कर विधानसभा उपचुनाव में राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। कुंदरकी से भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर सपा और कांग्रेस को घेरते हुए टिप्पणी की है।

वहीं, सपा के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस मामले में राहुल गांधी को दखल देने की मांग उठाई है। कुंदरकी निवासी इल्मा अफरोज 2017 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। करीब आठ महीने पहले उनकी तैनाती बद्दी जनपद में एसपी के रूप में हुई थी। सत्ताधारी पार्टी के एक विधायक से टकराव के बाद हिमाचल प्रदेश की सरकार ने उनको लंबी छुट्टी पर भेज दिया है।

वह बुधवार को अपनी मां के साथ अपन पैतृक घर कुदरका आइ। इस वक्त कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव चल रहा है। 20 नवंबर को मतदान होना है। ऐसे में भाजपा को सपा और कांग्रेस को घेरने का मौका मिल गया है। आईपीएस इल्मा अफरोज प्रकरण मीडिया में छाया तो भाजपा ने भी इसे मुद्दा बनाने में देर नहीं की।

कुंदरकी उपचुनाव में भाजपा से प्रत्याशी रामवीर सिंह सोशल मीडिया पर टिप्पणी की है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार द्वारा कुंदरकी निवासी एसपी इल्मा अफरोज को सत्ताधारी पार्टी के विधायक के वाहनों के चालान काटने पर लंबे छुट्टी पर भेजना चिंताजनक है। यह घटना दर्शाती है कि सपा और कांग्रेस के लोग सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए अल्पसंख्यकों का हितैषी होने का दिखावा करते हैं।

सपा के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने भी इस मुद्दे पर हिमाचल प्रदेश सरकार को घेरा है। कहा कि सत्ताधारी पार्टी के एक विधायक के दबाव में हिमाचल प्रदेश की सरकार ने आईपीएस इल्मा को लंबी छुट्टी पर भेज दिया है। एक आईपीएस अधिकारी को लंबी छुट्टी लेकर अपने घर जाना पड़े तो इससे ज्यादा शर्म की कोई बात नहीं हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दखल देना चाहिए और विधायक के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। एआईएमआईएम के महानगर अध्यक्ष वकी रशीद ने भी हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने इल्मा अफरोज का उत्पीड़न किया है।

बृजवासी की राधे-राधे धुन पर झूमी काशी

काशी गंगा महोत्सव की तीसरी शाम, गूंजा हर-हर महादेव

वाराणसी , एजेंसी। गंगा महोत्सव की तीसरी निशा में हेमंत बृजवासी ने काशी में हर किसी को वृंदावन का अहसास कराया। शिव की नगरी में राधे-राधे की धुन पर काशीवासी भी थिरक उठे। बैकुंठ चतुर्दशी का यह संयोग मात्र ही था कि कान्हा की नगरी के कलाकार ने शिव की नगरी से उनको नमन किया।

काशी गंगा महोत्सव की छठवीं प्रस्तुति लेकर मंच पर मथुरा के हेमंत बृजवासी पहुंचे। उन्होंने मां गंगा और राधे रानी को प्रणाम करके काशी की धरती से वृंदावन की धरती को नमन किया। उन्होंने राधे-राधे... की तान छेड़ी। इसके बाद उन्होंने प्रथम नवाऊं शीश..., जय राधे-राधे... का सुर लगाया तो सामने कुर्सी पर बैठे दर्शक खुद को रोक नहीं सके।

इसके बाद हेमंत ने हैं तेरे भगत निराले शिव शंकर डमरू वाले..., रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाई पर वचन ना जाई... की प्रस्तुति दी। इससे पहले बनारस घराने की तीन पीढ़ियों का सितार वादन आकर्षण का केंद्र रहा। पं. शिवनाथ मिश्र, उनके पुत्र पं. देवव्रत मिश्र और पौत्र कृष्णा मिश्र ने एक साथ मंच संभाला। सबसे पहले राग किरवानी की अवतारणा की। इसमें मध्यलय में रूपक ताल एवं द्रुत में तीन ताल की बंदिश प्रस्तुत किया।

दूसरा कार्यक्रम धारवाड़ की सुजाता गुरव के गायन का रहा। उन्होंने राग मधुवंती में निबद्ध बंदिश से शुरुआत की और समापन भजन से किया। गंगा महोत्सव की तीसरी प्रस्तुति में वायलिन पर पं. सुखदेव मिश्र, सितार पर पं. नरेंद्रनाथ मिश्र और तबले पर पं. किशोर मिश्र ने संगत की।

तीन पीढ़ियों ने मंच पर सजाए 12 पीढ़ियों के संगीत संस्कार

अस्सी का किनारा पहली बार 12 पीढ़ियों की संगीत साधना का साक्षी बना। तीन पीढ़ियों ने एक साथ मंच पर सितार की प्रस्तुति देकर यह सिद्ध कर दिया कि बनारस घराने का नाम यूं ही दुनिया में मशहूर नहीं है। पद्मश्री से सम्मानित बनारस घराने के सितारविद पं. शिवनाथ मिश्र अपने परिवार में दसवीं पीढ़ी के कलाकार हैं। उनके परनाना पंडित रामदास मिश्र बनारस घराने के प्रसिद्ध गायक रहे। पं. शिवनाथ मिश्र के पुत्र पं. देवव्रत मिश्र उनकी राह पर चलते हुए 11वीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहीं, उनके पौत्र कृष्णा मिश्र 12वीं पीढ़ी में अपने दादा गुरु से सितार के गुर सीख रहे हैं।

मथुरा से आए कलाकार हेमंत बृजवासी ने कहा कि काशीवासी बहुत सुरीले हैं। गंगा के किनारे काशीवासियों को संगीत सुनाकर मैं धन्य हो गया। गंगा के पानी में वह बात है कि जो भी पीता है उसके अंदर दिव्यता स्वयं आ जाती है। उसके साथ ही शिव की नगरी काशी का प्रताप ही अलग है।

बैकुंठ चतुर्दशी :साल भर में एक बार होती है पूजा, बाबा विश्वनाथ को अर्पित किया

वाराणसी , एजेंसी। बैकुंठ चतुर्दशी पर हर और हरि का स्वरूप एकाकार हुआ। श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ को तुलसीदल और भगवान विष्णु को बेलपत्र समर्पित किया। इसके साथ ही धाम में विराजमान श्री हरि भगवान विष्णु के समस्त विग्रहों का पूजन-अर्चन हुआ। यह पूजा साल भर में एक बार होती है।

धाम स्थित शंकराचार्य चौक में वेद पारायण से अनुष्ठान शुरू हुए। मुख्य मंदिर परिसर में गर्भगृह एवं दंडपाणि विग्रह के मध्य विराजमान बैकुंठ जी के विग्रह पर सहस्त्रार्चन एवं राग-भोग आरती हुई। सुबह आराधना का प्रारंभ बेलपत्र व तुलसी चढ़ाकर बृजधाम मथुरा से पधारे संत कार्ष्णि गुरु शरणानंद महाराज ने किया।

उसके बाद मंदिर न्यास कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी निखिलेश मिश्र ने भी तुलसी पत्र अर्पित कर महादेव की आराधना की। संपूर्ण पूजन का पौरोहित्य पं. वेंकट रमण घनपाठी ने किया।

मुख्य मंदिर परिसर में बी गेट सरस्वती द्वार प्रवेश के दाहिनी ओर सत्यनारायण के विग्रह पर शुक्ल यजुर्वेद के पुरुष सूक्त पाठ के उपरांत आरती हुई। मंदिर परिसर में ए गेट गंगा द्वार प्रवेश के दाहिनी ओर विराजमान बद्रीनारायण जी के विग्रह पर विष्णु सहस्रनाम पाठ के उपरांत राग-भोग आरती हुई।

पूजन के यजमान मंडलायुक्त रहे। शुभारंभ विधायक नीलकंठ तिवारी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने दीप जलाकर किया। नीरज सिंह ने भजनों की प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रद्धालु भाव विभोर होकर संगीत एवं नृत्य में सहभागी हो कर उत्सव में सम्मिलित हुए।

बिंदु माधव मंदिर में 30 हजार से अधिक भक्तों ने दर्शन-पूजन किया। भक्तों ने भगवान शिव को तुलसी की माला व विष्णु जी को वेलपत्र चढ़ाया। पंचगंगा घाट स्थित बिंदु माधव मंदिर में कार्तिक मास भर अलग-अलग रूपों में शृंगार व पूजन होता है।

बैकुंठ चतुर्दशी पर बांटे गए औषधीय पौधे

बैकुंठ चतुर्दशी पर प्रबोधिनी फाउंडेशन की ओर से 1001 औषधीय पौधे बांटे गए। पंचगंगा घाट से सिंधिया घाट पर 500 आंवला और श्रीफल के मुरब्बे बांटे गए। तुलसी, गिलोय, पारिजात, श्रीफल, आंवला, नीम, पीपल, सहजन, अर्जुन, जामुन और आम के पौधे दिए गए।

संपादकीय

मुस्लिम देशों की लामबंदी के मायने

गाजा और लेबनान पर इजराइली हमलों के खिलाफ सउदी अरब की राजधानी रियाद में 50 मुस्लिम देशों के राष्ट्राध्यक्षों का जमावड़ा इस बात का संकेत है कि इजराइल के खिलाफ इस्लामिक देशों को एकजुट करने की ईरान की पहल कुछ रंग लाने लगी है। खास बात यह है कि साल भर से गाजा और अब लेबनान में इजराइली सैनिक कार्रवाई को लेकर सऊदी अरब ने पहली बार खुलकर आलोचना की है। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन ने गाजा व लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोकने की मांग की। यही नहीं आम तौर पर इजराइल के प्रति नरम रवैया रखने वाले प्रिंस ने इजराइली हमले को 'जनसंहार' क़रार दिया और स्वतंत्र फिलिस्तीन राष्ट्र की स्थापना की मांग की। क्राउन प्रिंस सलमान ने फ़िलस्तीन को एक स्वतंत्र देश का दर्जा देने की मांग करते हुए कहा कि हमने दो राष्ट्रों के सिद्धांत को समर्थन देने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के ख़िलाफ़ निरंतर अपराध, अल-अक्सा मस्जिद की पवित्रता के उल्लंघन और सभी फिलिस्तीनी इलाक़ों में फिलिस्तीनी अथॉरिटी की अहम भूमिका को ख़त्म करने की इजराइल की कार्रवाई फिलिस्तीनियों के सभी वैध अधिकार पाने की कोशिशों को कमज़ोर कर देगी। मोहम्मद बिन सलमान ने गाज़ा में फ़िलिस्तीनियों के लिए काम करने वाली यूएन की एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स रिलीफ़ एंड वर्क्स फ़ॉर फ़िलिस्तीन यानी यूएनआरडब्लूए पर प्रतिबंध लगाने की भी निंदा की है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ईरान पर इजराइल के किसी भी हमले की कोशिश को ख़ारिज करता है। इस सम्मेलन में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैयप्प अर्दोआन ने भी भाग लिया। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के ठीक बाद आयोजित ये सम्मेलन गाज़ा और लेबनान में इजराइल की कार्रवाई रोकने के लिए दबाव बनाने की रणनीति है। इसमें ट्रंप की अहम भूमिका हो सकती है। समझा जा रहा है कि जनवरी में सत्ता संभालने के बाद ट्रंप इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्धविराम के लिए दबाव बन सकते हैं। सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले देशों ने इजराइल-ग़ाज़ा समस्या को ख़त्म करने के एक 33 सूत्री हल पेश किया है, जिसमें फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन ज़ाहिर किया गया। साथ ही लेबनान, ईरानी, इराक़ और सीरिया की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की गई। इसमें इजराइल-ग़ाज़ा संघर्ष को ख़त्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संयुक्त राष्ट्र के समाधानों और अंतरग्रीय कोर्ट के फ़ैसलों को लागू करवाने की अपील की गई है। एक बात साफ है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जहां ईरान सहमा हुआ है, वहीं इजराइल को पलटवार करने से रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। ऐसे में अपने परंपरागत दुश्मन अरब देशों से हाथ मिलाने में भी उसे परहेज नहीं है। यहां सवाल यह है कि मध्य पूर्व के मामले में ट्रंप क्या रणनीति अपनाएंगे? वो इजराइल को ईरान पर वार करने की खुली छूट देंगे या फिर उसे युद्ध विराम के लिए मजबूर करेंगे? मुस्लिम देशों की अपेक्षा यही है कि ट्रंप इजराइल को हर हाल में रोकें। ट्रंप अरब देशों की कितनी सुनेंगे, कोई नहीं कह सकता। इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थता की अभी तक की कोशिशें बेकार ही गई हैं। क्योंकि 53 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत के बाद भी हमास न तो बंधकों को छोड़ने पर राजी है और न ही इजराइल उसके संपूर्ण खात्मे के संकल्प से पीछे हटा है। उल्टे वो कई मोर्चों पर ईरान के प्रॉक्सी से लोहा ले रहा है।

प्राथमिक शिक्षा में गिजुभाई बधेका के प्रयोग एवं परिणाम

गिजुभाई शैक्षिक विचारक के रूप में मुझे सर्वाधिक प्रिय हैं क्योंकि वह शिक्षा की जमीनी वास्तविकता से न केवल परिचित हैं अपितु उसे बेहतर करने के सरल सर्वमान्य तौर-तरीके भी प्रस्तुत करते हैं। बदलाव का खुशियों भरा रास्ता दिखाते हैं। उनके विचार कागजी नहीं हैं बल्कि प्रयोग एवं अनुभव की भट्टी में तपकर निकले हैं। जीवन संघर्ष की आंच से उत्पन्न ऊष्मा से ऊर्जावान हैं। वह शैक्षिक मुद्दों पर अपनी बात कहने के लिए शब्दों का चमत्कारिक वैचारिक वितान नहीं तानते बल्कि स्वयं करके एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, क्योंकि वह मानते हैं कि बच्चे बड़ों को कार्य करता हुआ देखकर और स्वयं करके सीखते हैं। वास्तव में गिजुभाई उस शिक्षा साधक का नाम है जो शिक्षा में प्रचलित दकियानूसी परम्पराओं, जड़ता, सीख-उपदेशपरक रटन्त शिक्षा प्रणाली एवं संवेदनहीन नीरस उबाऊ विद्यालयीय माहौलसे जूझता है।

रजनीश यादव

दृश्य एक, शिक्षा अधिकारी का कार्यालय। 'अच्छा, यदि तुम्हारा आग्रह ही है तो खुशी से एक साल तक अनुभव करो। प्राथमिक पाठशाला की चौथी कक्षा मैं तुम्हें सौंपता हूं। यह उसका पाठ्यक्रम है। ये उसमें चलने वाली कुछ पाठ्य-पुस्तकें हैं, ये शिक्षा विभाग के छुट्टी आदि के कुछ नियम हैं।....देखो, जैसे चाहो वैसे प्रयोग करने की स्वतंत्रता तो तुम्हें है ही, इसके लिए तो तुम आए ही हो। लेकिन यह भी ध्यान में रखना कि बारहवें महीने में परीक्षा सामने आ खड़ी होगी और तुम्हारा काम परीक्षा के परिणामों से मापा जाएगा। दृश्य दो, विद्यालय परिसर में परस्पर बातचीत करते शिक्षक गण। 'सच कहता हूं, मुझे तो आप एक अजीब आदमी मालूम पड़ते हैं। मैं मानता हूं कि आपका प्रयोग सफल हुआ है। हमें विश्वास नहीं होता था कि प्राथमिक शाला की पढ़ाई में भी कुछ सुंदर परिवर्तन किये जा सकते हैं।' दृश्य तीन, विद्यालय का वार्षिक सम्मेलन।

'सज्जनो! मैं नहीं जानता कि आज अपने आनंद को किस प्रकार व्यक्त करूं? आप इनकी कक्षा के इन विद्यार्थियों को देखिए। ये कितने व्यवस्थित, स्वस्थ और आनंदपूर्वक हैं। इनकी शक्ति और बुद्धि के विकास का मैं साक्षी हूं। इनके सम्बंध में बच्चों के माता-पिता को भी अपना संतोष व्यक्त करते हुए मैंने बार-बार सुना है।'

उक्त तीन कथन तीन अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग समय और स्थितियों में प्राथमिक शिक्षा में नवल प्रयोग करने को उत्सुक-संकल्पित एक प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व के लिए कहे गए हैं जो प्राथमिक शिक्षा को आनंदमय बनाने का पक्षधर है। पहला कथन एक शिक्षा अधिकारी का है जो उस व्यक्ति को आवश्यक निर्देश देते हुए शैक्षिक प्रयोग करने की अनुमति देते हैं। दूसरा कथन व्यक्ति के सहकर्मी शिक्षकों के आपसी वार्तालाप का है और तीसरा कथन शिक्षा विभाग के डायरेक्टर साहब का है जो उस व्यक्ति के विद्यालय में आयोजित बच्चों के वार्षिक सम्मेलन में उनके शैक्षिक प्रयोगों की सफलता की सराहना करते हुए उपस्थित अभिभावकों के सम्मुख कहा गया है। पाठक मन ही मन सोच रहे होंगे कि मैने लेख के आरंभ में ही ये तीन कथन क्यों रखे और यह जिज्ञासा भी पनपी होगी कि वह प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व कौन है जो प्राथमिक शिक्षा की बेहतरी के लिए आनंददायी नवाचारी प्रयोग करने को उत्सुक-आतुर एवं कटिबद्ध है। चलिए मिलाता हूं, वह महनीय व्यक्तित्व है गिरिजाशंकर भगवानदास बधेका, जिसे विश्व गिजुभाई बधेका के नाम से जानता है। शिक्षाविदों की पंक्ति में गिजुभाई ध्रुवतारे की भांति दैदीप्यमान हैं। गिजुभाई शैक्षिक विचारक के रूप में मुझे सर्वाधिक प्रिय हैं क्योंकि वह शिक्षा की जमीनी वास्तविकता से न केवल परिचित हैं अपितु उसे बेहतर करने के सरल सर्वमान्य तौर-तरीके भी प्रस्तुत करते हैं। बदलाव का खुशियों भरा रास्ता दिखाते हैं। उनके विचार कागजी नहीं हैं बल्कि

प्रयोग एवं अनुभव की भट्टी में तपकर निकले हैं। जीवन संघर्ष की आंच से उत्पन्न ऊष्मा से ऊर्जावान हैं। वह शैक्षिक मुद्दों पर अपनी बात कहने के लिए शब्दों का चमत्कारिक वैचारिक वितान नहीं तानते बल्कि स्वयं करके एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, क्योंकि वह मानते हैं कि बच्चे बड़ों को कार्य करता हुआ देखकर और स्वयं करके सीखते हैं। वास्तव में गिजुभाई उस शिक्षा साधक का नाम है जो शिक्षा में प्रचलित दकियानूसी परम्पराओं, जड़ता, सीख-उपदेशपरक रटन्त शिक्षा प्रणाली एवं संवेदनहीन नीरस उबाऊ विद्यालयीय माहौलसे जूझता है। अपने बाल हितैषी जमीनी प्रयोगों से उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को एक नवीन दिशा देकर बालकेंद्रित, संवेदनशील एवं चेतनापरक बनाने का प्रयत्न किया है। अपने शैक्षिक अनुभवों को 'लक्ष्मीशंकर' नामक काल्पनिक शिक्षक पात्र के द्वारा पुस्तक 'दिवास्वप्न' में अंकित किया है। लेख के आरंभ के तीन कथन 'दिवास्वप्न' से ही लिए गए हैं। आइए! गिजुभाई बधेका के बारे में जानते हैं।

गिजुभाई बधेका का जन्म 15 नवंबर, 1885 को चित्तल सौराष्ट्र (अब गुजरात) में हुआ था। मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करके आपको धनार्जन हेतु काम करना पड़ा। इस हेतु अफ्रीका का भी प्रवास किया। भारत लौटकर कुछ समय वकालत का काम भी किया। इसी दौरान अपने बच्चे के लिए एक ऐसे स्कूल की खोज शुरू की जहां बच्चा आनंदमय परिवेश में निर्भय एवं बाधामुक्त हो ज्ञानार्जन कर सके। पर मनपसंद स्कूल न मिल पाने से निराश हुए और तत्कालीन प्रचलित शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन कर उच्च न्यायालय के वकील गिजुभाई ने वर्ष 1916 में भावनगर के दक्षिणामूर्ति बाल मंदिर में अपने शिक्षा संबंधी प्रयोग आरंभ किए थे। 'बालदेवो भव' उनका मंत्र था। वह विद्यालय का परिवेश बालमैत्रीपूर्ण, संवेदनशील और बच्चों के लिए आनंद में सीखने की जगह के रूप में बनाने के हिमायती थे। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा में भाषा, गणित, इतिहास एवं भूगोल आदि विषयों को पाठ्यक्रम एवं पाठ्य-पुस्तकों में दर्ज सूचनाओं के रूप से मुक्त कर प्रयोग के आंगन की रुचिपूर्ण विषय वस्तु बना दिया। वह पाठ्य प्रश्नोत्तरों को रटने की बजाय परिवेश में उपलब्ध संसाधनों के उचित प्रयोग, अवलोकन, तर्क, तुलना, अनुमान, परस्पर सम्बंध खोजने, समझने और स्वयं की भावाभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं। वह गीत, कविता, कहानी, संगीत, नाटक, नृत्य, खेल, स्थानीय भ्रमण आदि तरीकों को शिक्षण में प्रयोग करते हैं। इन प्रयोगों के परिणाम विश्वास जगाते हैं और बच्चों के सीखने-समझने की यात्रा सुखद एवं आनंददायी बनाते हैं। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा- 2005, शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 एवं नई शिक्षा नीति-2020 में गिजुभाई के शैक्षिक प्रयोग एवं विद्यालयों के परिवेश को आनंदमय बनाने की पैरवी का प्रभाव स्पष्ट दृष्टव्य है। पुस्तकालय, वाचनालय और विद्यालय एवं विद्यार्थियों की स्वच्छता को वह वरीयता देते दिखते हैं। वह बच्चों की पिटाई या सजा पर सख्त विरोध व्यक्त करते हैं। वह बच्चों को उनके कक्षा-कक्ष की साज-सज्जा की जिम्मेदारी देकर उन्हें दायित्व बोध कराते हैं। 23 जून, 1939 को उनका निधन हुआ।

यह देश का दुर्भाग्य है कि गिजुभाई बधेका जैसे शिक्षाविद् को वह महत्व, सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी और उनके शैक्षिक प्रयोगों को आगे नहीं बढ़ाया गया जिसके वह सर्वथा हकदार थे। गिजुभाई बधेका शिक्षा के क्षेत्र में जमीनी काम करने वाला वह शिक्षा साधक हैं जो अपने समय से एक सदी आगे का दृश्य देख रहे थे। विभिन्न बाधाओं से टकराते और चुनौतियों से जूझते एक ऐसे आनंदमय विद्यालयीय परिवेश को साकार करने का स्वप्न संजोया, जहां बच्चे निर्भय होकर अपने ज्ञान की सर्जना कर सकें। जहां सूचनाओं के रटने के दबाव से मुक्त हो बच्चे अपने अनुभवों को परस्पर साझा कर नित नवल ज्ञान की साधना-आराधना कर सकें। जहां बच्चों को अभिव्यक्ति के स्वतंत्र मुखर अवसर हों। जहां वे प्रकृति एवं प्राणी से रिश्ता जोड़ सकें। जहां सामूहिकता, सहकार एवं समन्वय का भाव ग्रहण कर सकें। बच्चे सहृदय, संवेदनशील, जिम्मेदार एवं प्रकृतिप्रेमी बनें, ऐसा गिजुभाई चाहते थे। एक शिक्षक एवं अभिभावक के रूप में हम बच्चों के 'दिवास्वप्न' की दिशा में सतत बढ़ने में सहायक बनें, यही गिजुभाई बधेका के प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी।

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं – उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी!

जया वर्मा सिन्हा

इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है - चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।

विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की!

भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुजुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।

भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

(जया वर्मा सिन्हा भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ हैं)

संघर्षों से उपजा झारखंडः एक और उलगुलान की है जरूरत

भारत में अंग्रेजी हुकूमत था तभी झारखंड अलग राज का प्रस्ताव ब्रिटिश हुकूमत के समक्ष रखा गया था। अलग राज्य के लिए तब भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ कई विद्रोह हुए। मसलन चुआड़ विद्रोह हो विद्रोह कॉल विद्रोह, संथाल विद्रोह, बिरसा मुंडा का उलगुलान आदि कई विद्रोह हुए। यही कारण है कि अंग्रेजी हुकूमत ने 1908 में सीएनटी एक्ट बनाया, ताकि आदिवासियों की जमीन सुरक्षित रह सके। इस दौरान संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम भी बना।

चंद्रनाथ भाई पटेल

झारखंड अलग राज्य संघर्ष की गाथा बहुत ही लंबी रही है, वजह झारखंड का अस्तित्व जो प्राचीन काल से माना जाता रहा है। कहा जाता है कि जब हमारा देश का नाम आर्यावर्त और जम्बू दीप था, उसे समय भी झारखंड अस्तित्व में था। उस दौर में चैतन्य महाप्रभु जब इधर से बंगाल गुजर रहे थे तो उन्होंने अपने यात्रा के दौरान झारखंड का जिक्र किया था। गिरिडीह जिला में प्राचीन काल से ही झारखंडी धाम भी है। झारखंड के नाम से कोलियरी आज भी रामगढ़ जिला में अवस्थित है। आह पात्रे पयापनम साल पत्र च भोजन म खजूरी पाते शयनम झारखंडे विधिः यते।

जब भारत में अंग्रेजी हुकूमत था तभी झारखंड अलग राज का प्रस्ताव ब्रिटिश हुकूमत के समक्ष रखा गया था। अलग राज्य के लिए तब भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ कई विद्रोह हुए। मसलन चुआड़ विद्रोह हो विद्रोह कॉल विद्रोह, संथाल विद्रोह, बिरसा मुंडा का उलगुलान आदि कई विद्रोह हुए। यही कारण है कि अंग्रेजी हुकूमत ने 1908 में सीएनटी एक्ट बनाया, ताकि आदिवासियों की जमीन सुरक्षित रह सके। इस दौरान संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम भी बना।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के अंदर जो प्रेसीडेंसी था, उसे कई राज्यों में भाषा संस्कृति भौगोलिक व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के आधार पर राज्यों के निर्माण के लिए राज्य पुनर्गठन आयोग का निर्माण किया गया, लेकिन झारखंड को प्रांत नहीं बनाया गया। फिर अलग राज्य का आंदोलन शुरू हुआ। कई झारखंड नामधारी पार्टियां बनी। इतना सारा साक्ष्य रहते हुए भी झारखंड नहीं बन पा रहा था। आंदोलन उग्र हुआ, इस क्रम में कितने कार्यकर्त्ता संघर्ष में वीरगति को प्राप्त हुए। कितने बच्चे अनाथ हो गए, कितने औरतें बेवा हो गई थी। मुक्ति की इस लड़ाई में दुनिया के किसी देश में इतना लंबा संघर्ष नहीं चला होगा, जितनी झारखंड अलग राज्य के लिए चला। कभी झारखंड बंद, कभी आर्थिक नाकेबंदी कितनी रैली यह जुलूस, धरना- प्रदर्शन। कभी डुगडुगी बजा, कभी मध्य रात्रि में नगाड़ा बजाया गया। झारखंड के हजारीबाग जिले का विष्णुगढ क्षेत्र जो झारखंड आंदोलन का केंद्रबिंदु था, उसका अद्भुत संघर्ष की कहानी है। इस इलाके

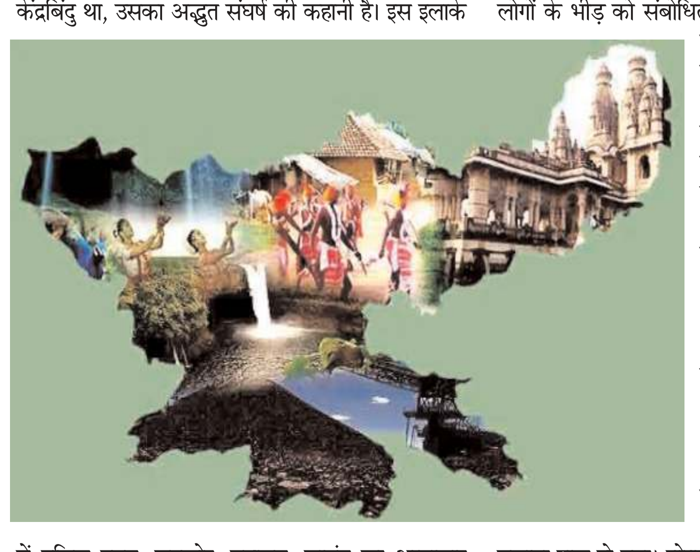

में पुलिस दमन, सूदखोर, महाजन, सामंत का अत्याचार चरम पर था। वैसे समय में झारखंड आंदोलन का सूत्रपात इस क्षेत्र में विनोद बिहारी महतो, टेकलाल महतो, शिव महतो, जुगल किशोर महतो, रघुनाथ तिवारी, जीवाधन महतो, पौलूस पूर्ति के नेतृत्व में शुरू हुआ था। सन 1976 में बनासो में कोनार नहर सिंचाई परियोजना का काम शुरुआत हुआ, जिसका नींव बिहार के तत्कालीन राज्यपाल डॉक्टर जगन्नाथ कौशल ने रखा था। नहर का काम युद्ध स्तर पर चल रहा था। इधर झारखंड अलग राज्य की लड़ाई भी गति पकड़ रही थी। 04 फरवरी 1989 को तेनुघाट अनुमंडल मंडल कोर्ट के बगल में झारखंड मुक्ति मोर्चा का स्थापना दिवस मनाया जा रहा था, ठीक रात के 12.00 बजे होंगे हजारों लोगों के भीड़ को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक विनोद बिहारी महतो ने घोषणा की, सरकार 4 अप्रैल 1989 तक अलग झारखंड राज्य की घोषणा नहीं करती है तो हम लोग झारखंड नहीं तो नहर नहीं और नहर भरो आंदोलन शुरू करेंगें और जो नहर की खुदाई की जा रही है उसे भर दिया जाएगा। 4 अप्रैल 1989 को स्थापना दिवस के अवसर पर कर्जन ग्राउंड के मैदान हजारीबाग में लोगों को आह्वान किया गया कि 18/489को कोनार नहर भरो अभियान शुरू किया जाएगा। फिर क्या था 18/4/89 को 8.00 बजे सुबह से ही डुगडुगी बजाना शुरू हो गया। घोषणा अब बनासो नहर भरा जाएगा और देखते-देखते बुध बाजार टाड़ में चानो नागी बंदखारो उचाघाना मंगरो, खरकी, नरकी जोर चिहुंटिया, सारूकुदर, जमनीजारा, जोबार, उच्चाघाना, भलुआ, बकासपुर, रखवासदा, भरमोरिया, कशुंभा गोविंदपुर, अलकारी, उरगी, भेलवारा, खरना, बरियागड़ा, बुकना चौथा, बोदरा, विष्णुगढ, बनासो से हजारों हजार की तादाद में तीर- धनुष, भाला, गंडासा, कुदाल, गइंता, कोड़ी, बेलचा आदि हर्वे- हथियार से लैस होकर लोगों ने जुटना शुरू किया और फिर विनोद बिहारी महतो, शिव महतो, टेकलाल महतो तीनों विधायक के नेतृत्व में 8आरडी 2/की और कूच कर गए। जहां भंडारी बिल्डर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नहर खुदाई में लगे लोडर, डोजर, कटर, डंपर, ट्रक, ट्रैक्टर आदि जो भी सामान जहां जिसको मिला जलाकर राख कर दिया गया। वहीं 180 फीट गहरी नहर को आधा से अधिक भर दिया गया। पुलिस प्रशासन तमाशबीन बनी रही। इसे लेकर बिहार सरकार सिंचाई विभाग व भंडारी बिल्डर कंपनी के अधिकारियों ने विष्णुगढ़ थाना कांड संख्या 33/89 दर्ज कराया गया, धारा 147 ,148 1,49, 109 ,114, 307 ,427, 435 ,436 , 379 ,430 ,431, 336, 337 भादवि के तहत शिव महतो विधायक, विनोद बिहारी महतो विधायक, टेकलाल महतो विधायक, चंद्रनाथ भाई पटेल, रामेश्वर राय, चमन प्रजापति, भवानी महतो, रामलखन चौधरी, तुलसी महतो, बैजनाथ कसेरा, सुखदेव महतो, राज किशोर पांडेय, गुरु साहू सहित 1000 अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया था।

इनमें से आज सिर्फ चार जीवित बचे हुए हैं। अलग राज्य की इस लड़ाई पर वीराम अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपने चुनावी वायदे के अनुसार 15 नवंबर 2000 को झारखंड अलग राज्य घोषित कर हमेशा के लिए लगा दिया। लेकिन जो शोषण मुक्त झारखंड का परिकल्पना किया गया था, वह आज भी अधूरा है झारखंड आंदोलनकारी छला महसूस कर रहे हैं, क्योंकि झारखंडी कॉम आज तक चिन्हित नहीं हो सके हैं, फिर से एक में उलगुलान की जरूरत है। (लेखक झारखंड आंदोलनकारी)।

कफ बढ़ने से होते हैं 28 रोग इन चीजों से बचें

वात और पित्त के साथ शरीर में कफ का संतुलन सही होना जरूरी है। कफ के बढ़ने पर 28 प्रकार के रोग आपको घेर सकते हैं। लेकिन इनसे बचने के लिए आपको ऐसी चीजों से बचना होगा, जो कफ पैदा करती हैं या कफ को बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कौन सी चीजें कफ में न खाएं और किन चीजों का सेवन करें -

वसायुक्त चीजें

वसायुक्त चीजों का सेवन कफ बढ़ाने का काम करती हैं इसलिए जितना हो सके इनसे बचने की कोशिश करें।

दूध

दूध कफ को बढ़ाता है। अगर आपकी कफ प्रकृति है तो आपको दूध का सेवन कम करना चाहिए या फिर हल्दी के साथ इसका सेवन करें।

मांस

कफ बढ़ने पर मांस का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कफ होने पर मांस का सेवन करने से बचें और अगर कफ की तासीर हो तो मांस का सेवन कम से कम करें।

मक्खन

मक्खन में वसा अधिक होता है, इसलिए यह कफ बढ़ाने का काम करता है। कफ की समस्या में मक्खन या मक्खन युक्त चीजों का सेवन न करें।

पनीर

पनीर से कफ तो बनता ही है, कई लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी हो सकती है क्योंकि कुछ लोगों को पनीर आसानी से नहीं पचता। इसलिए अतिसेवन न करें।

क्या खाएं

- सुबह या दिन के भोजन के बाद गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, यह कफ को कम करने के साथ ही पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।
- तुलसी, सौंठ, अदरक और शहद जैसी चीजों का सेवन कफ को कम करने में बहुत फायदेमंद होता है, तो इन्हें किसी भी तरह से डाइट में शामिल करें।

दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी

दिमाग बढ़ाने वाली सब्जियों से भरपूर डाइट लेने के अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तनाव कम लेना, हाइड्रेटेड रहना और पर्याप्त नींद लेकर भी दिमाग के कामकाज में सुधार किया जा सकता है और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

दिमाग शरीर का एक मुख्य अंग है जिसका काम सोचना-समझना, याद रखना, नया सीखना आदि है। अन्य अंगों की तरह दिमाग को भी बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए कुछ पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। अगर आपको सोचने-समझने की क्षमता कम है, आपकी याददाश्त कमजोर है, या आप हमेशा विचलित रहते हैं, तो इसके सीधा सा मतलब है कि आपके दिमाग में कुछ लोचा है, जिसे ठीक करना जरूरी है। याद रहे कि तेजी से दौड़ती दुनिया में दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी है। इत्तेफाक से रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिमाग को तेज करते हैं और याददाश्त को भी बढ़ाते हैं।

पत्तेदार सब्जियां

हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार पालक, केल और स्विस चार्ड जैसी पत्तेदार सब्जियां विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती हैं, जिनमें विटामिन के, विटामिन बी 6 और फोलेट शामिल हैं। ये पोषक तत्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य और सोचने-समझने के लिए जरूरी हैं। इनमें ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन, एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाते हैं।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर है जो मस्तिष्क को बेहतर बनाती है। यह कोलीन का एक अच्छा स्रोत है, एक पोषक तत्व जो मेमोरी बढ़ाने और सीखने की क्षमता में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, ब्रोकोली में सल्फोराफेन नामक एक यौगिक होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो मस्तिष्क को क्षति से बचा सकते हैं।

चुकंदर

चुकंदर नाइट्रेट से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने और संज्ञानात्मक कार्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिक भी होते हैं जो दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकते हैं।

गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता जाता है। विटामिन ए मस्तिष्क के कार्य से निकटता से जुड़ा हुआ है। गाजर में अन्य एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो ब्रेन को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचा सकते हैं।

बेल मिर्च

बेल मिर्च विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करता है। इनमें विटामिन बी6 और फोलेट जैसे अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कद्दू

कद्दू बीटा-कैरोटीन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। यह मैग्नीशियम का भी एक अच्छा स्रोत है, एक मिनरल है, जो दिमाग के कामकाज को बढ़ाने के लिए जरूरी है।

टमाटर

टमाटर लाइकोपीन से भरपूर होते हैं, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। लाइकोपीन को अल्जाइमर रोग जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के कम जोखिम से भी जोड़ा गया है।

बैंगन

बैंगन में नासुनिन नामक एक यौगिक होता है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचा सकता है। नासुनिन को स्वस्थ मस्तिष्क समारोह और संज्ञानात्मक प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए भी दिखाया गया है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि

सामग्री

तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि

सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है। दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ज्यादा बादाम खाना

बादाम खाने की सलाह उन लोगों को दी जाती है जो हर छोटी-छोटी बातों को भूल जाते हैं। शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि बादाम खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और गुड फैट जैसे कई पोषक तत्वों से भरा होता है। बादाम शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। इसलिए सर्दियों के मौसम में चिकित्सा विशेषज्ञ लोगों को बादाम खाने को कहते हैं। बादाम खाने की सलाह हर कोई देता है लेकिन यह कितनी मात्रा में खानी चाहिए यह अच्छी तरह से कोई नहीं बता पता है। अधिक मात्रा में बादाम खाने के शारीरिक दुष्प्रभाव भी हैं। बादाम के ज्यादा सेवन से एक तरफ जहाँ वजन बढने का खतरा होता है, वहीं दूसरी तरफ इससे आंखों की रोशनी भी प्रभावित होती है। बादाम की तासीर गर्म होती है, इसके चलते लोगों का यह विचार होता है कि जितनी ज्यादा मात्रा में बादाम खायी जाए उतना ही शरीर को ज्यादा फायदा होगा। यह सोच सही नहीं है।

हमेशा भीगे हुए बादाम खाने चाहिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बादाम को भिगाते ही उसमें पाए जाने वाले प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है। बादाम को रात भर भिगोकर खाना चाहिए, इससे उसमें मौजूद गर्म तत्व काफी हद तक खत्म हो जाते हैं। साथ ही, भिगोए बादाम में पोषक तत्व भी सूखे बादाम की तुलना में ज्यादा होते हैं। बादाम को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद फाइबर को पचाना आसान हो जाता है।

ज्यादा मात्रा में बादाम का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए हर दिन सिर्फ 10 से 15 बादाम ही खाने चाहिए। भीगे हुए बादाम कच्चे या भुने हुए बादाम से ज्यादा कारगर होते हैं। इसलिए प्रयास करके हमेशा बादाम भीगे हुए ही खाने चाहिए।

मोटापा बढना

बादाम में मौजूद फैट और कैलरी की शरीर में अधिकता होने से मोटापा बढ़ता है। आज की युवा पीढ़ी और बच्चे ज्यादातर फिजिकल एक्टिविटीज से दूर रहते हैं, इससे शरीर की कैलरीज आसानी से बर्न नहीं होती और शरीर में फैट जमा होने लगता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाना नुकसानदेह तो होगा ही, साथ ही इससे आपका वजन भी बढ़ेगा।

हो सकती हैं गंभीर समस्याएँ

बादाम का अधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज, पेट फूलना और लूज मोशन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, बादाम में मिलने वाले एक प्रोटीन से मुंह, गले और कंठ में खुजली होने के साथ ही जीभ, मुंह और होंठ में सूजन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वहीं, ज्यादा बादाम खाने से शरीर में मैग्नीज की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे ब्लड प्रेशर और एंटीबायोटिक्स की दवाइयों का असर भी कम होता है।

संक्षिप्त समाचार

सीओपी29 समिट में दिल्ली प्रदूषण का मुद्दा रहा हावी, भारत को मीथेन- ब्लैक कार्बन पर लगाम लगाने की मिली सलाह

बाकू, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बदतर होने के बाद यहां सीओपी29 जलवायु सम्मेलन में विशेषज्ञों ने भारत से मीथेन और ब्लैक कार्बन जैसे अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों को कम करने का आग्रह किया, जो वायु गुणवत्ता में गिरावट और ग्लोबल वार्मिंग दोनों के लिए प्रमुख कारक होते हैं। अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक ग्रीनहाउस गैसों और वायु प्रदूषकों का एक समूह होता है जो जलवायु को निकट अवधि में गर्म करता है और वायु की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। एसएलसीपी में ब्लैक कार्बन, मीथेन, ग्राउंड-लेवल ओजोन और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन शामिल हैं। नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता इस सीजन में पहली बार गंभीर स्तर पर पहुंच गई, बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 तक पहुंच गया। 'इंस्टीट्यूट फॉर गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट' में भारत की कार्यक्रम निदेशक जेरीन ओशो और IGSD के अध्यक्ष डूयरवुड जेल्के ने बताया कि SLCP में कटौती की रणनीतियां प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में कैसे मदद कर सकती हैं। डूयरवुड जेल्के ने बताया कि वर्तमान वार्मिंग के लिए आधा जिम्मेदार SLCP है। जेल्के ने बताया, अगर हम एसएलसीपी पर ध्यान देते हैं, तो हम तेजी से शीतलन प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं और दीर्घकालिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण समय हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि SLCP पर अंकुश लगाना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा तक पहुंच गया है और 2024 के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि तापमान जल्द ही इस सीमा को पार कर सकता है। ओशो ने उन महत्वपूर्ण जोखिमों पर बात की जिनकी वजह से एसएलसीपी भारत की आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए समस्या उत्पन्न करते हैं। बढ़ते तापमान का असंगठित श्रम क्षेत्र, कृषि और खाद्य सुरक्षा पर स्पष्ट प्रभाव पड़ा है। ओशो ने विश्व बैंक के निष्कर्षों का हवाला दिया कि तापमान वृद्धि के कारण भारत के असंगठित क्षेत्र में लगभग 3.4 करोड़ नौकरियां चली गई - एसएलसीपी के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

विशेषज्ञों का दावा- भारत और चीन भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देंगे आकार

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की विदेश मंत्री सिम एन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन की क्षेत्रीय वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशियाई देश को दोनों देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने चाहिए। विदेश मंत्री ने वैश्विक मंच पर आर्थिक महाशक्तियों और अहम देशों के रूप में चीन और भारत के महत्व को रेखांकित किया। सिम एन ने यह टिप्पणी 'चीन और भारत: वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देने वाले दो बड़े देश कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में की। इस कार्यशाला का आयोजन नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में ईस्ट एशियन इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज ने किया था। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बारे में अपने विचार और राय साझा करते हुए बताया कि क्रय शक्ति समता के आधार पर दुनिया की पहली और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं क्रमश- चीन और भारत का वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक प्रभाव है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बम विस्फोट में 5 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को हुए बम विस्फोट में कम से कम पांच लोग मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के टप्पी दावर इलाके में हुआ, जिसमें कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों और शवों को जिला अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंच गए और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने विस्फोट की निंदा की और अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान करने का निर्देश दिया।

खालिस्तानी फंडिंग पर चल रही ट्रूडो सरकार, कनाडा की जनता से छुपाई जा रही सच्चाई

नए दस्तावेज़ों से खुलासा

ओटावा , एजेंसी। हाल ही में सामने आए दस्तावेजों ने कनाडा की राजनीतिक स्थिरता और खालिस्तानी तत्वों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता के बीच गहरे और चिंताजनक संबंधों का खुलासा किया है। पहली बार ठोस साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने भारत के अनुरोधों को अनदेखा क्यों किया है। भारत लंबे समय से नामित खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा था, परंतु कनाडा में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यह महज राजनीतिक अनदेखी नहीं है, बल्कि वित्तीय और राजनीतिक मजबूरी की वजह से लिया गया एक सोच-समझा फैसला है।

दस्तावेजों से यह सामने आया है कि निज्जर और उसके सहयोगियों ने न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ढलिवाल को बड़े पैमाने पर धनराशि पहुंचाई है। ढलिवाल की एनडीपी, ट्रूडो की सरकार की बहुमत को सुनिश्चित करने वाली पार्टी है, जो कि लिबरल पार्टी के लिए सत्ता में बने रहने के लिए आवश्यक है। इस स्थिति ने कनाडा की सत्ताधारी गठबंधन को एक अस्थिर स्थिति में डाल दिया है, जिसमें उसकी राजनीतिक स्थिरता खालिस्तानी हितों पर निर्भर होती जा रही है।इस खतरनाक गठजोड़ ने ट्रूडो के भारत विरोधी हालिया राजनयिक रुख पर भी नई रोशनी डाली है।

जब ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता का आरोप लगाया था, तो यह महज शब्दों का खेल नहीं था, बल्कि वे एक ऐसे नेटवर्क को बचाने का प्रयास कर रहे थे जिसने उनकी सरकार को वित्तीय सहयोग दिया है। वहीं, कनाडा में हिंदू समुदाय, जो अपने को अलग-थलग महसूस करने लगा है, आशंकित है कि कहीं उनकी सुरक्षा राजनीति के नाम पर बलिदान न कर दी जाए।कनाडा में खालिस्तानी तत्वों का राजनीतिक में प्रवेश कोई नई चिंता नहीं है, लेकिन इन दस्तावेजों से पता चलता है कि अब यह मुद्दा कितना गहराई से जड़ पकड़ चुका है। खालिस्तानी समर्थकों ने लंबे समय से कनाडा में शरण पाई है, लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने सरकार के ऊंचे पदों तक अपनी पहुंच बना ली है। इस गठजोड़ ने कनाडाई अधिकारियों के हाथ बांध दिए हैं, जिससे यह संभावना कम ही है कि खालिस्तानी तत्वों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की जाएगी। अभिजात वर्ग और खालिस्तानी वित्तीय समर्थकों के बीच के ये संबंध दोनों देशों के बीच एक गहरी खाई उत्पन्न कर रहे हैं। भारत का धैर्य अब जवाब देने लगा है, और यह सोचना कठिन है कि कनाडा की नीति में कोई बुनियादी बदलाव के बिना संबंधों में सुधार हो सकेगा। ओटावा में राजनीतिक मशीनरी को चलता रहेगा, तब तक इस बदलाव की संभावना अत्यंत कम है। ये खुलासे केवल ट्रूडो की सरकार पर सवाल नहीं उठाते, बल्कि ये पूरे कनाडाई समाज के लिए एक चेतावनी हैं। राजनीतिक गठबंधनों के नाम पर अतिवादी तत्वों को संरक्षण देना देश की अखंडता और सुरक्षा को कमजोर कर रहा है। कनाडाई जनता को अब कठिन सवाल पूछने का समय आ गया है कि राजनीतिक अस्तित्व की कीमत कितनी चुकानी पड़ेगी, और इसका बोझ कौन उठाएगा।

अमेरिकी में राष्ट्रपति चुनाव के बाद पहला बड़ा आयोजन, कैपिटल हिल में धूमधाम से मनाई गई दिवाली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 24 से अधिक सांसदों और भारतीय अमेरिकियों ने 'कैपिटल में दिवाली मनाई। पिछले सप्ताह के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी कांग्रेस में यह पहला बड़ा आयोजन था। मंगलवार को "कैपिटल हिल में दिवाली का वार्षिक आयोजन बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख फॉर अमेरिका, जैन एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और आर्ट ऑफ लिविंग समेत कई अन्य भारतीय अमेरिकी संगठनों के सहयोग से किया गया था। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की थी। दिवाली समारोह को संबोधित करते हुए सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि अमेरिका अप्रवासियों की भूमि है, जो विश्वभर से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे मिलकर अमेरिका को एक महान देश बनाते हैं। पॉल ने कहा, "मैं वैध आव्रजन नियमों का बड़ा समर्थक हूं और इसे बढ़ाने के लिए मेरे पास कई विधेयक हैं और मैं इस पर काम करना जारी रखूंगा। दिवाली की शुभकामनाएं। इस मौके पर भारतीय अमेरिकियों को बधाई देते हुए मिसिसिपी की सीनेटर सिंडी हाइड-स्मिथ ने कहा कि वह अगले चार वर्षों के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, "हम इस देश में समृद्धि लाना चाहते हैं, उन लोगों के लिए, जो कुछ नया करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "हम आपको प्रोत्साहित करना चाहते हैं , हम एक स्थिर माहौल चाहते हैं। हम एक बेहतरीन अर्थव्यवस्था चाहते हैं। हम हर किसी के लिए एक सुरक्षित जगह चाहते हैं, जहां वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। इस समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी मौजूद थे। क्वात्रा ने अपने संबोधन में कहा, "यह (दीपावली) एक भारतीय त्योहार है जिसे दुनियाभर में मनाया जाता है।

श्रीलंका के संसदीय चुनाव में एनपीपी भारी जीत की ओर, केवल एक सीट पर परिणाम घोषित

कोलंबो एजेंसी। श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) भारी जीत की ओर अग्रसर है।मुख्य विपक्षी दल, समागी जन बालवेगया को 11 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को पांच प्रतिशत वोट मिले हैं। अब तक केवल एक सीट पर परिणाम घोषित हुआ है।

स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे तक एनपीपी को 70 प्रतिशत वोट मिले हैं। मुख्य विपक्षी दल, समागी जन बालवेगया को 11 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को पांच प्रतिशत वोट मिले हैं। अब तक केवल एक सीट पर परिणाम घोषित हुआ है।

एनपीपी ने गाले में 70 प्रतिशत से अधिक वोट के साथ जीत हासिल की। विश्लेषकों का कहना है कि एनपीपी ने सितंबर के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में अपना वोट शेयर बढ़ाया है। रुझानों के अनुसार एनपीपी 225 सदस्यीय संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए 150 सीटों के आंकड़े को पार कर सकता है। मतदान निगरानी समूहों ने कहा कि गत सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में संसदीय चुनाव में कम मतदान हुआ है। राष्ट्रपति चुनाव में 79 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग ने कहा कि देशभर में शांतिपूर्ण मतदान हुआ और करीब 65 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है।

भारतवंशी तुलसी गबार्ड की भगवद् गीता पर है अगाध श्रद्धा, हिंदू धर्म के लिए कई बार उठा चुकी हैं आवाज

वाशिंगटन एजेंसी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पहली अभारतीय हिंदू नेता तुलसी गबार्ड को अमेरिका की नेशनल इंटेलीजेंस एजेंसी का निदेशक नियुक्त करने को परंपरागत अमेरिकी राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

हिंदू धर्म की परंपराओं और रीति रिवाज में गहरी आस्था रखने वाली गबार्ड ना सिर्फ भारत और अमेरिका के मौजूदा रणनीतिक रिश्तों को और ज्यादा प्रगाढ़ बनाने की प्रबल समर्थक रही हैं बल्कि समय-समय पर वह हिंदू हितों की बात भी खुल कर रखती रही हैं। उनकी नेतृत्व में भारत व अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ने की संभावना है। वैसे इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच लगातार सहयोग बढ़ रहा है।

तुलसी ने पूरी तरह से हिंदू धर्म को अंगीकार कर लिया: अमेरिकन सामोआ (दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित अमेरिका के अधिकार द्वीप) में जन्मी तुलसी गबार्ड की मां कैरोल गबार्ड का झुकाव हिंदू धर्म की तरफ था। उन्होंने अपने बच्चों के हिंदू नाम रखे हैं। किशोरवस्था में आते-आते तुलसी ने पूरी तरह से हिंदू धर्म को अंगीकार कर लिया।

उन्होंने दो दशक तक आर्मी नेशनल गार्ड को अपनी सेवाएं दी हैं। 21 वर्ष की आयु में गबार्ड ने राजनीति में प्रवेश किया था। वह पहली बार प्रतिनिधि सभा की हिंदू सदस्य बनी थी। इसके बाद वह जब कांग्रेस में चयनित हुई तो गीता पर हाथ रख कर शपथ ली थी। एक साक्षात्कार में उन्होंने गीता को अपनी जीवन-रेखा बताया था।

वर्ष 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से दावेदारी भी पेश की। लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से कमला हैरिस को प्रतिनिधि बनाया जाएगा तो वह पीछे हट गई। बाद में वह राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक के तौर पर सामने आई। ट्रंप की तरफ से उन्हें अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के मुखिया के पद पर नियुक्त करने पर गबार्ड ने बुधवार देर रात कहा कि आपकी कैबिनेट के सदस्य के तौर पर अमेरिकी लोगों की सुरक्षा, रक्षा व आजादी के लिए काम करने का अवसर देने पर आपका धन्यवाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। गबार्ड ने पूर्व में हमेशा से भारत के साथ संबंधों को खास तरजीह देने की वकालत की है। कई मौकों पर उन्होंने भारत के हितों का खुल कर समर्थन किया है। भारत ने जब अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में पेश किया था तो सबसे पहला समर्थन गबार्ड ने ही किया था। बाद में गबार्ड ने मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान मुलाकात भी की थी और उन्हें गीता भी भेंट की।

भारत ने कनाडा से खालिस्तानी आतंकवादी अर्श दल्ला का प्रत्यर्पण मांगा, दर्ज हैं 50 से अधिक आपराधिक मामले

टोरंटो , एजेंसी। भारत ने गुरुवार को खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह, जिसे अर्श दल्ला के नाम से भी जाना जाता है, की कनाडा में गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण की मांग की। 28 अक्टूबर को ओंटारियो के मिल्टन में हुई गोलीबारी की घटना के बाद हुई इस गिरफ्तारी ने कनाडाई और भारतीय मीडिया दोनों में काफ़ी सुर्खियां बटोरी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में पुष्टि की कि भारत कुछ समय से दल्ला की गतिविधियों पर नज़र रख रहा था और अधिकारी अब उसके प्रत्यर्पण को सुरक्षित करने के लिए कनाडा के साथ काम कर रहे हैं। खालिस्तान टाइगर फोर्स का वास्तविक प्रमुख दल्ला भारत में एक घोषित अपराधी है, जिसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और आतंकवाद के वित्तपोषण सहित 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, अर्श दल्ला हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और आतंकी गतिविधियों के वित्तपोषण सहित 50 से अधिक मामलों में घोषित अपराधी है। मई 2022 में उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। उसे 2023 में भारत में एक व्यक्तिगत आतंकवादी के रूप में नामित किया गया था। जुलाई 2023 में, भारतीय सरकार ने कनाडा सरकार से उसकी अनंतिम गिरफ्तारी के लिए अनुरोध किया था। इसके बाद के महीनों में, भारत ने कनाडाई अधिकारियों को अतिरिक्त जानकारी प्रदान की, जिसमें डल्ला के संदिग्ध निवास, वित्तीय लेनदेन, संपत्तियों और मोबाइल नंबरों का विवरण शामिल था।दिसंबर 2023 में, कनाडा के न्याय विभाग ने भारत से और जानकारी मांगी, जिसका जवाब मार्च 2024 में दिया गया।

ट्रंप गुजराती को देने वाले हैं बड़ी जिम्मेदारी

वाशिंगटन एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद हर रोज बड़े बड़े फैसले करते दिख रहे हैं। उन्होंने एलन मस्क से लेकर तुलसी गबार्ड को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। हर कोई उनकी कैबिनेट सदस्यों को देख चौंक रहा है। हाल ही में उन्होंने मैट गेट्ज को अटॉर्नी जनरल, पीट हेगसेट को रक्षा सचिव और तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के लिए नामित किया है।

हालांकि, आलोचकों का कहना है कि ये सब अनुभवहीन लोग हैं और ट्रंप की ये बड़ी गलती है, लेकिन ट्रंप सबको चौंकाने से पीछे नहीं हट रहे। इसी कड़ी में एक और गुजराती नाम जुड़ा है जिसे ट्रंप का वफादार कहा जाता है। माना जा रहा है कि ट्रंप शीर्ष पदों पर अपने सबसे वफादार व्यक्तियों का चयन कर रहे हैं ताकि वह अपने स्वयं के सहयोगियों के दबाव में कभी न आएं। जो कि पहले कार्यकाल के दौरान कई मामलों में हुआ था। अब ट्रंप गुजराती मूल के काश पटेल को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। पहले माना जा रहा था कि वो काश पटेल को सीआईए प्रमुख बनाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने करीबी सहयोगी जॉन रैटक्लिफ को सीआईए हेड के रूप में नामित किया है। हालांकि, अब पटेल को एफबीआई में शीर्ष पद मिलने की उम्मीद है। एनबीसी ने कहा कि शीर्ष खुफिया एजेंसियों के लिए उनकी संभावित नियुक्ति ने खुफिया समुदाय में अलार्म की घंटी बजा दी है। कुछ अधिकारियों को पहले डर था कि ट्रंप ने पटेल को सीआईए के निदेशक के रूप में नामित किया है। काश पटेल पहले भी ट्रंप के साथ काम कर कई अहम प्रोजेक्ट को पूरा कर चुके हैं। दरअसल, पटेल के अमेरिका के खुफिया समुदाय के बारे में कट्टरपंथी विचार हैं, जिसके बारे में वो एक पुस्तक गवर्नमेंट गैंगस्टर्स- द डीप स्टेट, द ट्रुथ एंड द बैटल फॉर अवर डेमोक्रेसी में विचार भी रख चुके हैं।

यहां तक की ट्रंप ने कहा कि पटेल की पुस्तक उनके अगले कार्यकाल का खाका होगी। उन्होंने कहा कि ये हर भ्रष्टाचारी को उजागर करने वाला एक शानदार रोडमैप है, जो केवल अमेरिकी लोगों के लिए काम करने के लिए हमारी एजेंसियों और विभागों को वापस काम पर लाएगा।

यूक्रेन युद्ध लंबा खींचना पड़ा पुतिन पर भारी, दिवालिएपन की कगार पर रूस की 30 एयरलाइंस कंपनियां

मोस्को, एजेंसी। यूक्रेन-रूस युद्ध को तीन साल पूरे होने को हैं, और दोनों देशों के बीच संघर्ष के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। इस दौरान, रूस पर लगातार आरोप लगे हैं कि उसने इस युद्ध को खींचने की नीति अपनाई है, जिससे उसके कई उद्योग गंभीर संकट में आ गए हैं। खासकर रूस का विमानन उद्योग आर्थिक तंगी की मार झेल रहा है। हाल ही में रूसी समाचार पत्र इजवेस्टिया ने एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि रूस की 30 एयरलाइन कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं। ये कंपनियां घरेलू यात्री परिवहन का करीब 25 प्रतिशत हिस्सा संभालती हैं, लेकिन अगले साल 2025 तक उनके पूरी तरह दिवालिया हो जाने की संभावना है। इस संकट से जूझ रहीं एयरलाइंस

अधिकतर छोटे और मध्यम आकार की हैं, जो विदेशी विमानों को पट्टे पर लेकर चल रही हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते इन कंपनियों का संचालन और भी कठिन हो गया है। प्रतिबंधों के कारण विमान पट्टे की किस्तों की अदायगी रुक गई है, जिससे उन पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति पुतिन ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ राहत योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन इससे एयरलाइन कंपनियों पर कर (टैक्स) का अतिरिक्त भार पड़ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अगर सरकार एयरलाइंस के कर्ज को बट्टे खाते में डालने की योजना बनाती है, तो इस राहत राशि पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा, जिससे कंपनियों पर वित्तीय दबाव और बढ़ेगा। ज्यादातर कंपनियों ने जिन विमानों को पट्टे पर लिया था, वे बरमूडा, आयरलैंड और यूरोपीय देशों में पंजीकृत हैं। प्रतिबंधों की वजह से अब इन कंपनियों को विमान के रखरखाव और कलपुर्जों की आपूर्ति के लिए ईरान, तुर्की और चीन पर निर्भर होना पड़ रहा है, जिससे लागत और बढ़ गई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि,-320 एयरबस विमान के रखरखाव में हर महीने 80,000 से 1,25,000 अमेरिकी डॉलर तक का खर्च आ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी महंगी रखरखाव लागत के चलते कई एयरलाइन कंपनियां टूटने के कगार पर पहुंच गई हैं। मार्च 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद एयरबस और बोइंग जैसी पश्चिमी विमान निर्माता कंपनियों ने रूस को विमान के पुर्जों की आपूर्ति और तकनीकी सहायता रोक दी थी। इस मुश्किल स्थिति से निपटने के लिए रूस ने अपने विमानन उद्योग में 12 अरब डॉलर का निवेश किया है, लेकिन संकट अभी भी बना हुआ है। आर्थिक तंगी के कारण पायलटों और अन्य कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ना शुरू कर दिया है, जिससे एयरलाइन कंपनियों के संचालन पर बुरा असर पड़ रहा है।

10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करेंगी बोइंग

लंदन, एजेंसी। बोइंग ने कहा कि वह इस सप्ताह से कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस जारी कर रहा है, जो भारी कर्ज में डूबी विमान निर्माता कंपनी द्वारा 17,000 नौकरियों या अपने वैश्विक कार्यबल के 10% की कटौती की व्यापक योजना से प्रभावित हैं। इस सप्ताह नोटिस प्राप्त करने वाले अमेरिकी कर्मचारी जनवरी तक बोइंग के नोटिस पीरियड पर रहेंगे। कर्मचारियों को अपनी नौकरी समाप्त करने से पहले 60 दिन का नोटिस दिया जाता है। खबर यह थी कि बोइंग नवंबर के मध्य में वर्कर एडजस्टमेंट एंड रीट्रेनिंग नोटिफिकेशन भेजेगा, जिसकी व्यापक रूप से उम्मीद थी। अपनी वित्तीय वास्तविकता और प्राथमिकताओं के अधिक केंद्रित सेट के साथ संरेखित करने के लिए अपने कार्यबल के स्तर को समायोजित कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे कर्मचारियों को इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समर्थन मिले। नोटिस ऐसे समय में आए हैं जब नए सीईओ केली ऑर्टबर्ग के नेतृत्व में बोइंग अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले 737 मैक्स के उत्पादन को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है, 33,000 से अधिक अमेरिकी वेस्ट कोस्ट कर्मचारियों की एक हफ्ते लंबी हड़ताल के बाद इसके अधिकांश वाणिज्यिक जेट का उत्पादन रुक गया था।

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई ने ग्राहकों को दिया झटका, अब लोन पर पहले के मुकाबले लगेगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ग्राहक हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, एसबीआई ने अपनी कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर में 0.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार एक साल की एमसीएलआर को 0.05 प्रतिशत बढ़ाकर नौ प्रतिशत कर दिया गया है। बता दें कि एक साल की एमसीएलआर दर से ही पर्सनल, ऑटो, होम लोन की दर तय होती है। एसबीआई ने तीन और छह महीने की एमसीएलआर में भी बढ़ोतरी की है। एक दिन, एक महीने, दो साल और तीन साल की अवधि की एमसीएलआर को कायम रखा गया है। बैंक के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक का 42 प्रतिशत लोन सेग्मेंट एमसीएलआर से जुड़ा है, जबकि शेष बाहरी बेंचमार्क पर आधारित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि बैंकिंग प्रणाली में जमा दरें अपने उच्चस्तर पर हैं। बता दें कि बैंक ने हाल ही में दो बार एमसीएलआर में बढ़ोतरी की है। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लगातार दसवीं बार अपनी नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखने के निर्णय लिया गया है। हालांकि, आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। हाल ही में प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक ने चुनिंदा मैच्योरिटी अवधि के कर्ज पर एमसीएलआर को 0.05 प्रतिशत बढ़ाया है। एक साल की अवधि के लिए मानक एमसीएलआर दर को 9.45 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। हालांकि, एक दिन के लिए एमसीएलआर को 9.10 प्रतिशत से बढ़कर 9.15 प्रतिशत हो गई है, जबकि एक महीने की दर 0.05 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9.20 प्रतिशत हो गई है। अन्य परिपक्वता अवधि वाले कर्ज के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें सात नवंबर, 2024 से प्रभावी हैं।

19 नवंबर को खुल रहा है सरकारी कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी आईपीओ अगले हफ्ते खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ का साइज 10,000 करोड़ रुपए का है। कंपनी का इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयर पर आधारित रहेगा। कंपनी आईपीओ के जरिए 92.59 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ 22 नवंबर तक खुला रहेगा। बता दें, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी आईपीओ का प्राइस बैंड 102 रुपए से 108 रुपए तय किया गया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 108 शेयरों का बनाया गया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,904 रुपए का दांव लगाना ही पड़ेगा। एनटीपीसी ग्रीपन एनर्जी की तरफ से आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों को 25 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। वहीं, 27 नवंबर 2024 कंपनी की लिस्टिंग प्रस्तावित है। कंपनी की तरफ से आईपीओ पर दांव लगाने वाले कर्मचारियों को एक शेयर पर 5 रुपए की छूट दी जाएगी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, विकाओम18 और डिज्नी का मर्जर हुआ पूरा, नीता अंबानी को कमान, 3 सीईओ भी

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर का सबसे बड़ा मर्जर पूरा हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, वायकॉम18 और स्टार इंडिया ने मिलकर देश की सबसे बड़ी मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी बनाई है। इस ज्वाइंट वेंचर की कुल वैल्यू 70,000 करोड़ रुपये से अधिक की है। माना जा रहा है कि यह ज्वाइंट वेंचर 26,000 करोड़ रुपये का सालाना रेवन्यू जनरेट करेगा। बता दें, दोनों की तरफ से दिए साझा बयान के अनुसार, इस ज्वाइंट वेंचर में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी वृद्धि के लिए 11,500 करोड़ रुपये (1.4 अरब डॉलर) का निवेश किया है। इसकी चेयरपर्सन नीता अंबानी होंगी।

वायकॉम 18 मीडिया और वॉल्ट डिज्नी कंपनी को वायकॉम 18 के मीडिया और जियोसिनेमा कारोबार के स्टार इंडिया में विलय के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) जैसे प्राधिकरण से आवश्यक मंजूरियां पहले ही मिल चुकी हैं।

किसके पास होगा कितना हिस्सा

रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास सबसे अधिक हिस्सा होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास 46.82 प्रतिशत, डिज्नी के पास 36.84 प्रतिशत और वायकॉम18 के पास 16.34 प्रतिशत हिस्सा होगा। बता दें, रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास इस नई कंपनी का नियंत्रण रहेगा। नीता अंबानी इस ज्वाइंट वेंचर की चेयरपर्सन होंगी, जबकि उदय शंकर वाइस चेयरमैन होंगे जो ज्वाइंट वेंचर को रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। ज्वाइंट वेंचर के तहत 100 से ज्यादा टीवी चैनल हैं और यह सालाना 30,000 घंटे से ज्यादा के टीवी मनोरंजन सामग्री तैयार करता है। जियोसिनेमा और हॉटस्टार डिजिटल मंच का कुल ग्राहक आधार पांच करोड़ से ज्यादा है। ज्वाइंट वेंचर में क्रिकेट, फुटबॉल और दूसरे खेलों के खेल अधिकारों का पोर्टफोलियो है। इस बीच, एक अलग सौदे डील के तहत रिलायंस ने वायकॉम 18 में अमेरिकी ग्लोबल एंटरटेनमेंट ग्रुप पैरामाउंट ग्लोबल की 13.01 प्रतिशत हिस्सेदारी 4,286 करोड़ रुपये में खरीदी है। इस ज्वाइंट वेंचर का नेतृत्व तीन सीईओ - केविन वाज, किरण मणि और संजोग गुप्ता करेंगे। तीनों सीईओ मिलकर कंपनी का नेतृत्व करेंगे। केविन वाज सभी मंचों पर मनोरंजन संगठन का नेतृत्व करेंगे, जबकि किरण मणि संयुक्त डिजिटल संगठन का प्रभार संभालेंगे। संजोग गुप्ता संयुक्त स्पोर्ट्स बिजनेस का नेतृत्व करेंगे, जिसके पास आईपीएल, आईसीसी और बीसीसीआई द्वारा आयोजित सभी मैचों के प्रसारण अधिकार हैं। इसके अलावा, इसके पास फुटबॉल और अन्य खेलों के प्रसारण अधिकारों का एक बड़ा पोर्टफोलियो है।

अर्थव्यवस्था में वृद्धि को गति देने के लिए दरों को घटाए आरबीआई, बढ़ती महंगाई पर बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के सामने कुछ मांगे रखी है। जिसमें उन्होंने कहा कि विकास को रफ्तार देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दरों में कटौती का विकल्प चुनने के लिए खाद्य महंगाई पर विचार करना गलत सिद्धांत है। जिससे महंगाई दिसंबर में कम हो सकती है। गुरुवार को एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा, खाद्य पदार्थों के दाम में तेजी से खुदरा महंगाई के प्रबंधन का कोई लेना-देना नहीं है। अब समय आ गया है, जब नीति निर्माता और मौद्रिक नीति समिति एक साथ तय करें कि क्या खाद्य पदार्थों के दाम को खुदरा महंगाई की गणना करने में शामिल किया जाए या नहीं। उन्होंने कहा कि इस पर गंभीरता से चर्चा हो। अर्थव्यवस्था को रफ्तार की जरूरत है। मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई ने चुनिंदा अवधि वाले कर्ज की ब्याज दरों में 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें शुक्रवार से लागू होंगी। बैंक ने बताया, एक साल के कर्ज की ब्याज दर अब 9 फीसदी होगी। बैंक ने तीन और छह महीने की अवधि वाले कर्जों को भी महंगा कर दिया है।

वर्क लाइफ बैलेंस से जुड़े अपने पुराने बयान पर अभी भी कायम हैं नारायण मूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने एक बार फिर से अपने पुराने बयान को दोहराया है। मूर्ति ने कहा है कि भारतीयों को वर्क लाइफ बैलेंस के बजाय काम पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सप्ताह में छह दिन के बदले पांच दिन ही काम करने की परंपरा पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि वह अपने पुराने बयान पर अभी भी कायम हैं।

मूर्ति ने आगे कहा कि पीएम मोदी, उनके कैबिनेट मंत्री और नौकरशाह देश के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। मूर्ति ने कहा, जब पीएम मोदी सप्ताह में 100 घंटे काम कर रहे हैं, तो हमारे आसपास जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए अपनी प्रशंसा दिखाने का एकमात्र तरीका हमारा काम है।

कहां कही यह बात

नारायण मूर्ति ने सीएनबीसी ग्लोबल लीडरशिप समिट में कार्य-जीवन संतुलन में विश्वास न करने के अपने बयान को फिर दोहराया। मूर्ति ने कहा कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के स्वतंत्र निदेशक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष केवी कामथ ने एक बार कहा था कि चूंकि भारत एक गरीब देश है, जिसके सामने बहुत सी चुनौतियां हैं, इसलिए हमें कार्य-जीवन संतुलन के बजाय उनके बारे में चिंता करने की जरूरत है।

पांच दिन का सप्ताह हुआ था तो...

उन्होंने कहा कि जब देश में साल 1986 में छह दिन के कार्य सप्ताह से पांच दिन के कार्य सप्ताह में बदलाव हुआ, तो वे निराश हुए थे। मूर्ति ने कहा, हमें इस देश में कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। भले ही आप सबसे बुद्धिमान व्यक्ति हों, आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इसलिए मैं अपना विचार वापस नहीं ले रहा हूं। मैं इसे अपनी कब्र तक ले जाऊंगा। उन्होंने यह भी बताया कि वे खुद सुबह 6:30 बजे ऑफिस जाते थे और रात 8:40 बजे लौटते थे। यानी रिटायर होने तक हफ्ते में साढ़े छह दिन 14 घंटे और 10 मिनट काम करते थे। उन्होंने कहा, मुझे इस पर गर्व है।

औंधे मुंह गिरा सोना, 15 दिन में इतना सस्ता हुआ गोल्ड, अभी और गिरेंगे भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। गुरुवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने अच्छी शुरुआत की लेकिन कुछ ही समय बाद इनकी गिरावट फिर से जारी रही। ऐसे में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि सोने की कीमतों में भी लगातार गिरावट आ रही है। ऐसे में ये खबर उन लोगों के लिए राहत भरी है जिन्हें शादियों में सोना खरीदना है। 1 नवंबर से अब तक यानी केवल दो हफ्ते में सोने की कीमत में 5000 रुपए से ज्यादा की गिरावट हो चुकी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक से डेढ़ महीने में सोने की कीमतों में और गिरावट आने की संभावना है। सोने की कीमत करीब 5000 रुपए प्रति दस ग्राम तक गिर सकती है।

सोने की कीमतों में इस साल बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक ओर जहां मोदी 3.0 का पहला बजट पेश होने के दौरान सरकार की ओर से सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी हटाने का ऐलान किए जाने के बाद ये भरभराकर टूटा था, तो इसके अगले ही महीने से गोल्ड प्राइज ने ऐसी रफ्तार पकड़ी कि सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए शिखर पर पहुंच गया लेकिन बीते दो हफ्तों से गोल्ड प्राइज में गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार को ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड के रेट में 700 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई।

दो हफ्ते में इतना घटा गोल्ड प्राइज

एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में बीते दो हफ्ते में हुए बदलाव पर नजर डालें, तो महीने की शुरुआत में यानी 1 नवंबर को पांच दिसंबर की एक्सपायरी वाला गोल्ड प्राइज 78,867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था लेकिन गुरुवार 14 नवंबर 2024 को गिरकर 73,750 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इस हिसाब से देखें तो सोने की कीमत में 1 से 14 नवंबर के दौरान 5,117 रुपए प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के साथ ही घरेलू मार्केट में भी सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, बीते 1 नवंबर फाइन गोल्ड (999) की कीमत 81 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई थी

इंडिगो ने गोवा और भोपाल के बीच उड़ान सेवा शुरू की

जिससे भारत में सर्वोच्च अवकाश और विरासत स्थलों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी

भोपाल। भारत के अग्रणी कैरियर, इंडिगो ने 01 दिसंबर, 2024 से गोवा और भोपाल के बीच नए और एक्सक्लुसिव सीधे मार्ग के लॉन्च की घोषणा की है। इस मार्ग पर यह एयरलाइन सप्ताह में छः बार सीधी उड़ानसेवा प्रदान करेगी, जिससे यात्रा का सुविधाजनक विकल्प मिलेगा और दोनों क्षेत्रों में व्यापार और पर्यटन का विकास होगा।

श्री विनय मल्होत्रा, हेड, ग्लोबल सेल्स, इंडिगो ने कहा, ''हमें भारत में अपने नेटवर्क में गोवा और भोपाल के बीच कनेक्टिविटी शुरू करने की खुशी है। गोवा और भोपाल के बीच हमारी एक्सक्लुसिव सीधी उड़ान सेवाओं के साथ हम भारत में 22 शहरों से गोवा (डाबोलिम और मोपा) के लिए 400 औसत साप्ताहिक उड़ानें पेश करेंगे। इस नए मार्ग का उद्देश्य इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन का सहयोग बढ़ाना है। भारत के अग्रणी कैरियर के रूप में हम अपने 6ईजो नेटवर्क पर यात्रा का किफायती, समयबद्ध, विनम्र और सुगम अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' अपने खूबसूरत समुद्री तटों, जीवंत नाइटलाइफ और पुर्तगाली विरासत के लिए मशहूर, गोवा धूप, रेत और संस्कृति का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। यहाँ पर सैलानी ओल्ड गोवा के ऐतिहासिक चर्च देख सकते हैं, वॉटरस्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं और सुंदर समुद्री तटों पर अपनी थकान मिटा सकते हैं।

वहीं भोपाल झीलों का शहर है। यहाँ प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ऐतिहासिक भव्यता देखने को मिलती है। यहाँ के प्रसिद्ध स्थानों में अपर लेक, यूनेस्को साइट भीमबेटका की गुफाएं, और भव्य ताज-उल-मस्जिद है, जो भारत की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है। इंडिगो भोपाल से 100 से ज्यादा साप्ताहिक उड़ानें संचालित करता है, जो 11 घरेलू स्थानों को जोड़ती हैं। भोपाल मुख्य व्यवसायिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहाँ विकास की अपार संभावनाएं हैं। संतुलित और सस्टेनेबल आर्थिक वृद्धि के मध्य प्रदेश सरकार के उद्देश्य के अनुरूप फरवरी, 2025 में भोपाल में इन्वेस्ट मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 का आयोजन होने वाला है, जिसमें राज्य में मौजूद निवेश के विस्तृत अवसरों का प्रदर्शन होगा।

सीसीपीए ने ओला इलेक्ट्रिक की सेवाओं की जांच का आदेश दिया, 10000 से अधिक शिकायतें मिलने के बाद उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ता अधिकार नियामक सीसीपीए ने ओला इलेक्ट्रिक द्वारा निर्मित सेवाओं तथा इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में कथित 'खामियों' से संबंधित शिकायतों की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। निधि खरे की अध्यक्षता वाले केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने महानिदेशक (जांच) को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। खरे भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की प्रमुख भी हैं।

पंद्रह दिनों में रिपोर्ट सौंपने का आदेश

इस संबंध में आदेश छह नवंबर को जारी किया गया और बीआईएस महानिदेशक को 15 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'कंपनी ने नोटिस का जवाब दे दिया है। सीसीपीए ने अब महानिदेशक (जांच) को मामले की विस्तार से जांच करने और 15 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा है।'

यह कदम सीसीपीए द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर 10,000 से अधिक शिकायतें मिलने के बाद शुरू की गई कार्रवाई के मद्देनजर उठाया गया है। नियामक ने उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों तथा अनुचित व्यापार व्यवहार का हवाला देते हुए सात अक्टूबर को ओला इलेक्ट्रिक को नोटिस जारी किया था। नोटिस का कंपनी ने 21 अक्टूबर को दिया था, जिसमें उसने कहा था कि सीसीपीए के पास दर्ज 10,644 शिकायतों में से 99.1 प्रतिशत का समाधान कर दिया है।

ऑटो और रियल्टी सेक्टर पर लगाना चाहते हैं दांव तो निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड दे रहा है अवसर

मुंबई। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने पैसिव स्पेस में दो नए फंड्स लॉन्च करने की घोषणा की है। ये नए फंड ऑफर ऑटो और रियल्टी थीम पर आधारित हैं। दोनों फंड्स ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड्स हैं, जिनका एनएफओ 14 नवंबर 2024 को खुला है और 28 नवंबर को बंद होगा। निप्पॉन इंडिया निफ्टी ऑटो इंडेक्स फंड एक ऐसा पैसिव फंड है जो निफ्टी ऑटो इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा, जबकि निप्पॉन इंडिया निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड निफ्टी रियल्टी इंडेक्स का अनुसरण करेगा। चूंकि ये दोनों पैसिव फंड्स हैं, वे अपने-अपने अंतर्निहित इंडेक्स की सिक्योरिटीज में निवेश करेंगे। पैसिव होने के कारण इन फंड्स में निवेशकों के लिए कुछ लाभ हैं, जैसे कम लागत, एक ही यूनिट के माध्यम से विविधीकरण और पारदर्शिता, क्योंकि दोनों फंड्स अपने-अपने इंडेक्स की नकल करेंगे। भारत का ऑटोमोबाइल सेक्टर देश के सकल घरेलू उत्पाद में 7.1 प्रतिशत का योगदान देता है। यह उद्योग विविधता से भरा हुआ है, जिसमें यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तीन पहिया वाहन, दो पहिया वाहन और ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता शामिल हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग बढ़ रही है, जो सरकारी प्रोत्साहन, बैटरी की घटती लागत और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से प्रेरित है।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर आफत, फर्जी बैंक गारंटी पर नोटिस जारी, आपराधिक मुकदमे की तलवार

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की रिलायंस पावर और उसकी सहयोगी कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस पर बड़ा आरोप लगा है। सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने इन कंपनियों को फर्जी बैंक गारंटी जमा करने के आरोप में नोटिस भेजा है। रिलायंस पावर को कारण बताओ नोटिस में पूछा गया है कि फर्जी बैंक गारंटी जमा करने के लिए कंपनी और उसकी इकाई के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। देश की टॉप रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी सेकी ने पिछले हफ्ते अपनी बोलियों में फर्जी दस्तावेज जमा करने को लेकर रिलायंस पावर और उसकी इकाई रिलायंस एनयू बीईएसएस को उसके टेंडर में भाग लेने से रोक दिया था।

इस बीच, रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह 'धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े' की साजिश का शिकार रही है। रिलायंस पावर ने कहा, 'इस संबंध में 16 अक्टूबर, 2024 को तीसरे पक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा के पास एक आपराधिक शिकायत पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। इसके आधार पर 11 नवंबर, 2024 को एफआईआर दर्ज की गई है। मामला जांच के अधीन है। कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।' सेकी ने 13 नवंबर को जारी एक नोटिस में कहा कि बोली के तहत एक विदेशी बैंक गारंटी के रूप में फर्जी दस्तावेज जमा किए गए। बोली रिलायंस पावर की इकाई रिलायंस एनयू बीईएसएस लि. (जिसे महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लि. के नाम से जाना जाता है) ने दी थी, वह फर्जी थी।

हर दिन पत्नी की तारीफ...

शादी की 6वीं सालगिरह पर दीपिका के नाम रणवीर का खास संदेश

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की शादी को 6 साल पूरे हो गए हैं। इस खास दिन पर अभिनेता ने अभिनेत्री पत्नी के नाम खास संदेश लिखा है।

बॉलीवुड के चहेते कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने 2018 में इटली के लेक कोमो में शादी की। जोड़े ने दो दिवसीय विवाह समारोह में शादी रचाई। इसमें पहले दिन कोंकणी परंपराओं का पालन किया गया और दूसरे दिन उत्तर भारतीय परंपराओं के तहत वैवाहिक कार्यक्रम पूरे हुए। दीपवीर की शादी को आज यानी 14 नवंबर, 2024 को 6 साल पूरे हो गए हैं। इस विशेष अवसर पर, रणवीर ने पत्नी के नाम एक खास पोस्ट साझा की है।

रणवीर ने खास अंदाज में मनाई सालगिरह

कुछ समय पहले, रणवीर सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी 6वीं शादी की सालगिरह मनाने के लिए पत्नी दीपिका पादुकोण की कई तस्वीरें साझा कीं। इस पोस्ट में दीपिका पादुकोण के अलग-अलग मूड की झलक देखने को मिली है। साथ ही एक खास फोटो में अभिनेत्री को अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते देखा जा सकता है।

पत्नी दीपिका के नाम लिखा खास नोट

पत्नी दीपिका पादुकोण की खूबसूरत तस्वीरों को साझा करते हुए रणवीर सिंह ने एक खास नोट भी लिखा है। रणवीर ने पोस्ट को कैप्शन दिया, हर दिन पत्नी की प्रशंसा का दिन है, लेकिन आज मुख्य दिन है। शादी की सालगिरह मुबारक हो दीपिका पादुकोण। आई लव यू। दूसरी ओर, दीपिका ने पति को शादी की सालगिरह पर बधाई देने के लिए एक रील अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की।

दीपवीर ने सितंबर में किया बच्ची का स्वागत

जोड़े ने इसी साल 8 सितंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दीपिका-रणवीर एक बच्ची के पैरेंट्स बने हैं, जिनका नाम दुआ पादुकोण सिंह है। इस जोड़े ने दिवाली के मौके पर अपनी नन्ही बच्ची की एक झलक साझा की और उनके नाम का खुलासा किया।

आमिर खान के सामने जमकर रोईं थीं रानी मुखर्जी, दोस्त करण जौहर थे वजह

फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री रानी मुखर्जी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें 'कुछ कुछ होता है' अभिनेत्री ने बताया कि आमिर खान के सामने वह करण जौहर की वजह से खूब रोई थीं। करण जौहर के लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें होस्ट करण जौहर गेस्ट रानी मुखर्जी और करीना कपूर खान के साथ बात करते दिखाई दे रहे हैं। इस बीच मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे अभिनेत्री रानी ने बताया कि करण जौहर से वह कल हो ना हो को लेकर काफी नाराज थीं। रानी मुखर्जी ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो जब मुझे पहली बार फिल्म कल हो ना हो के बारे में दूसरों से पता चला तो मैं बहुत दुखी हुई। मैं आपके बहुत करीब हूं। आप कोई भी फिल्म बनाते हैं तो मुझसे उसकी कहानी और अन्य बातों को शेयर करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, आप कोई भी फिल्म बनाएं, मुझे उस फिल्म में लें या न लें मगर आप हमेशा मेरे साथ अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा करते आए हैं। मैं आपके साथ दोस्ती के उस स्तर पर हूं, जहां आप सहज रह सकते हैं मगर आपने अनदेखा किया, जिस वजह से मैं दुखी हुई थी। 'कुछ कुछ होता है' अभिनेत्री ने आगे कहा, मैंने किसी और से यह सुना तो मुझे लगा कि करण आकर मुझे क्यों नहीं ले गया? उसने मुझसे बात क्यों नहीं की, तुम जानते हो मेरा और तुम्हारा कैसा रिश्ता है। मुझे याद है कि मैं इस बात को लेकर आमिर खान के सामने जाकर रोई थी। 'कल हो ना हो' में शाहरुख खान, सैफ अली खान के साथ मुख्य भूमिका में प्रीति जिंटा थीं। कल हो ना हो में जया बच्चन, सुषमा सेठ, रीमा लागू, लिलेट दुबे और डेलनाज ईरानी समेत अन्य सितारे अहम भूमिका में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और इसे दर्शकों का काफी प्यार मिला।

कोरियाई सिनेमा की फैन निकलीं दिशा पाटनी

बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने के बाद अब दिशा पाटनी तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म का नाम कंगुवा है, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। हाल ही में एक बातचीत में दिशा ने जापानी एनीमे और कोरियाई संस्कृति के प्रति अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त कीं। सोशल मीडिया पर दिखता है कोरियाई प्रेम

सोशल मीडिया पर दिशा को फॉलो करने वालों को यह बात अच्छी तरह से पता है कि उन्हें एनीमे (फिल्म और टेलीविजन एनीमेशन की जापानी शैली) कितना पसंद है। उन्हें अक्सर वीकएंड पर एनीमे देखते हुए और कोरियाई पॉप बैंड ईएक्सओ के काई के गानों पर वर्कआउट करते हुए देखा जाता है।

एनीमे को लेकर कही यह बात

दिशा को एनीमे की भावनात्मकता काफी आकर्षित करती है, लेकिन उनका मानना है कि दक्षिण कोरिया से आने वाले कंटेंट बॉलीवुड से बहुत प्रेरित होता है। उन्होंने कहा, मैं बचपन में एनीमे और ड्रैगनबॉल्ज जैसी चीजें देखते हुए बड़ी हुई हूं। एनीमे मुझे रोमांचित करता है। हालांकि, अधिकांश एनीमे में भावनात्मक जुड़ाव अवास्तविक सा लगता है।

पसंद है कोरिया की संस्कृति

उन्होंने कहा, कोरिया फिल्म निर्माण, सीरीज और रोमांस के मामले में बहुत बढ़िया है। मुझे लगता है कि जब आप इसे देखते हैं तो लगता है कि इसमें बहुत कुछ बॉलीवुड से लिया गया है। मुझे उनका संगीत, फैशन, संस्कृति और इससे जुड़ी हर चीज बहुत पसंद है।

इस फिल्म में दिखी थीं दिशा

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में दिशा की फिल्म कल्कि 2898 एडी रिलीज हुई थी। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद नाग अश्विन जल्द ही इस फिल्म के सीक्वल की तैयारी शुरू करने जा रहे हैं।

ढूंढने से भी नहीं मिल रही नोरा की नई फिल्म 'मटका'

इन दिनों नोरा फतेही की टीम का पूरा जोर इसी बात पर रहता है कि किसी तरह लोग उनके अभिनय के बारे में लिखना शुरू कर दें। और, ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी छवि हिंदी सिनेमा और साउथ सिनेमा में आइटम डांस नंबर करने वाली हीरोइन की बन चुकी है। नोरा फतेही कनाडा से हैं। शूटिंग के समय लोग उन्हें 'कनाडा कुमारी' भी कहकर बुलाते हैं। एक बड़े फिल्म निर्माता का उन्हें वरद हस्त हासिल है, लेकिन इसके बावजूद उनकी नई फिल्म को सिनेमाघर वाले रिलीज करने को तैयार नहीं दिखते।

इस हफ्ते साउथ सिनेमा की दो फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर सीधा मुकाबला है। देश भर में खूब प्रचारित प्रसारित की गई फिल्म 'कंगुवा' से दर्शकों के साथ साथ ट्रेड को भी बहुत ज्यादा उम्मीदें रही हैं। फिल्म का बजट करीब 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक सूर्या हैं। उनके साथ फिल्म 'एनिमल' के बाद बड़े परदे पर दूसरी बार विलेन बने बॉबी देओल भी है। साथ में दिशा पाटनी, योगी बाबू और तमाम दूसरे सितारे हैं। फिल्म गुरुवार को देश दुनिया में रिलीज हो चुकी है। सबसे ज्यादा शोज भी इसी फिल्म को मिले लेकिन फिल्म की हालत पहले दिन से ही खराब होती दिख रही है।

दिल का दरवाजा खोल न डार्लिंग में दिखेंगी जया बच्चन

अभिनेत्री का अलग अंदाज देख लोग हुए हैरान

2025 में आएगी फिल्म

निर्माताओं ने गुरुवार (14 नवंबर) को इस फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी किया। तस्वीर में जया बच्चन मस्ती भरे मूड में देखा जा सकता है। वह वामिका और सिद्धांत के साथ एक म्यूजिक बैंड का हिस्सा नजर आ रही हैं। निर्माताओं के एलान के मुताबिक यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म क्रीन और सुपर 30 जैसी शानदार फिल्म का निर्देशन कर चुके विकास बहल इन दिनों अपनी नई फिल्म दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग बना रहे हैं। इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन, सिद्धांत चतुर्वेदी और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

निर्माताओं ने नाम सोशल मीडिया पर किया एलान

सोशल मीडिया पर पहली झलक साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, प्यार और हंसी का ताला खोलते हुए, दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग 2025 में पर्दे पर! क्या आप चाबी घुमाने के लिए तैयार हैं? इस घोषणा ने कई फिल्म प्रेमियों को उत्साहित कर दिया।

जया को देखकर लोग हैरान

इस फिल्म के पोस्टर पर लोग जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, यह मजेदार लग रहा है। एक शख्स ने लिखा, चलो चलें!। इसके अलावा लोग जया बच्चन के इस अंदाज को भी देखकर हैरान हैं। दरअसल, जया को अक्सर गंभीर भाव में देखा जाता है। वहीं, पोस्टर में वह मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं, यही वजह है कि तस्वीर को देखकर फैंस को यकीन नहीं हो रहा है कि इसमें दिखने वाली अभिनेत्री जया बच्चन ही हैं।

मीका सिंह के लिए पाकिस्तानी फैन ने खोला खजाना

मीका सिंह ने अपने अलग स्टाइल की गायकी के लिए मशहूर हैं। उनके गाए कई गाने आज भी लोगों के दिलों पर राज करते हैं। हाल ही में गायक अमेरिका के दौरे पर गए थे, जहां उन्होंने लाइव प्रस्तुति दी थी। इस कार्यक्रम की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हालांकि, इनमें से एक वीडियो ऐसा है जो सबसे अधिक लोगों का ध्यान खींच रहा है।

पाकिस्तानी फैन ने दिए महंगे तोहफे

इस वीडियो में मीका का एक फैन उन्हें महंगे तोहफे देता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका यह फैन पाकिस्तानी है, जिसने मंच पर जाकर गायक पर महंगे तोहफों की बरसात कर दी।

चर्चा में आया वीडियो

हाल ही में एक पैपराजी की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में मीका को बिलोक्सी कॉन्सर्ट में देखा जा सकता है। वीडियो में इस कार्यक्रम के दौरान एक प्रशंसक मीका के लिए अपने प्यार बरसाता हुआ दिख रहा है। वीडियो में प्रशंसक को भीड़ के बीच हाथ में एक मोटी सोने की चेन लेकर मीका की ओर हाथ से इशारे करते हुए देखा जा सकता है। यह देखते हुए गायक ने फैन को स्टेज पर बुला लिया।

-साभार एजेंसी

भेजा फ्राई से घर-घर में मशहूर हुई भैरवी

भैरवी गोस्वामी अपना जन्मदिन मना रही हैं। भैरवी गोस्वामी मॉडल और टेलीविजन होस्ट। अभिनेत्री ने फिल्म भेजा फ्राई से फिल्मी करियर की शुरुआत की। भैरवी गोस्वामी ने दिल मांगे मोर चाय, कॉफी या मैं जैसे शो होस्ट किए हैं। भैरवी गोस्वामी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री ने माई फ्रेंड गणेशा मिस्टर भट्टी ऑन छुट्टी जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व भारत को झटका, केएल राहुल के लगी चोट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से पूर्व भारतीय टीम के इंट्रा-स्क्वाड मैच सिमुलेशन के दौरान चोट लगने के बाद रिटायर हर्ट होना पड़ा। राहुल को फिजियो की देखरेख में मैदान से बाहर जाते हुए देखा गया। मैदान से बाहर निकलते हुए उनकी तस्वीरें तुरंत वायरल हो गईं क्योंकि चोट ने उनके फॉर्म को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सीरीज का पहला टेस्ट 22 नवंबर को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगा। राहुल का प्रदर्शन जांच के दायरे में रहा है, खासकर न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उनके संघर्ष के बाद जहां भारत को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। बेंगलुरू में आयोजित उस सीरीज में अपने एकमात्र टेस्ट में राहुल 0 और 12 के स्कोर पर आउट हो गए जिसके कारण उन्हें अगले दो टेस्ट से बाहर कर दिया गया।

राहुल, अभिमन्या ईश्वरन के साथ, पहले बीजीटी टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के जोड़ीदार बनने की दौड़ में हैं, कप्तान रोहित शर्मा के अनुपलब्ध रहने की संभावना है क्योंकि उनकी पत्नी दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए के मैच में राहुल का खराब दौर जारी रहा जहां उन्होंने केवल 4 और 10 रन बनाए। बढ़ते दबाव के साथ राहुल अपनी फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि भारत चुनौतीपूर्ण ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को बरकरार रखना चाहता है। भारत ऑस्ट्रेलिया में अपनी लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीत का लक्ष्य बना रहा है।

प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए सरफराज, पहले मैच की प्लेइंग इलेवन के लिए हैं बड़े दावेदार!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पर्थ में 22 नवंबर से खेला जाना है। इस टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया जमकर अभ्यास कर रही है, लेकिन प्रैक्टिस सेशन के दौरान टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान 14 नवंबर यानी गुरुवार को चोटिल हो गए।

प्रैक्टिस के दौरान सरफराज खान के दाहिनी कोहली पर चोट लग गई। इस वायरल वीडियो में सरफराज खान अपनी कोहली को पकड़कर नेट से बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक चोट लगने के बाद उन्हें अन्य किसी तरह की परेशानी ना हो इसकी वजह से वो नेट छोड़कर चले गए।

वहीं बाद में सरफराज खान को टीम के अन्य सदस्यों के साथ वक्त बिताते हुए देखा गया और उन्होंने शुभमन गिल से लंबी बातचीत भी की। सरफराज खान 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले टेस्ट मैच में प्लेइंग इलेवन के दावेदार भी हैं।

सरफराज खान नंबर 6 के लिए परफेक्ट हैं, लेकिन उन्हें केएल राहुल और ध्रुव जुरैल से कड़ी टक्कर मिल सकती है। हालांकि सरफराज पहले टेस्ट मैच का हिस्सा होंगे या नहीं इस पर आखिरी फैसला टीम मैनेजमेंट को करना है।

वहीं सरफराज को टीम में जगह मिलेगी या नहीं ये रोहित शर्मा की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है। माना जा रहा है कि अगर रोहित शर्मा पर्थ टेस्ट मैच में नहीं खेलते हैं तो इस बात की संभावना है कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल टीम के लिए ओपन कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो फिर ध्रुव जुरैल और सरफराज खान में से कोई एक प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होगा।

आईपीएल नीलामी से पहले अंशुल कम्बोज का कहर

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 1 पारी में 10 विकेट लेने वाले छठे भारतीय बने

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी के इतिहास में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये। इस 23 वर्षीय गेंदबाज ने केरल के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 30.1 ओवर में 49 रन देकर 10 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी में अंशुल कम्बोज से पहले बंगाल के प्रेमांगशु चटर्जी (20 रन देकर 10 विकेट, बंगाल बनाम असम, 1956) और राजस्थान के प्रदीप सुंदरम (78 रन देकर 10 विकेट, राजस्थान बनाम विदर्भ, 1985) ने यह उपलब्धि हासिल की थी। अंशुल कम्बोज कुल मिलाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10 विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज बने।

अनिल कुंबले, सुभाष गुप्ते और देबाशीष मोहंती इस सूची में शामिल अन्य गेंदबाज हैं। तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल दो विकेट की जरूरत थी।

उन्होंने बासिल थम्पी और शॉन रोजर के विकेट लेकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उनकी शानदार गेंदबाजी से हरियाणा ने केरल को पहली पारी में 291 रन पर आउट कर दिया। इस दौरान कम्बोज ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 50 विकेट भी पूरे किए।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा की

केन विलियमसन की वापसी

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड), एजेंसी। न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की जिसमें पूर्व कप्तान केन विलियमसन अपनी चोट से उबरने के बाद टेस्ट टीम में वापस आ गए। विलियमसन सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ लगी कमर की चोट से जूझ रहे हैं और हाल ही में भारत में हुई सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जिसमें न्यूजीलैंड ने रोहित शर्मा की टीम को 3-0 से हराया था।

विलियमसन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के लिए टीम का हिस्सा हैं। टॉम लाथम कप्तान बने रहेंगे और उन्हें अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी के साथ टीम में शामिल किया गया है जिन्होंने शुक्रवार को मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान के पूरा होने पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की योजना की घोषणा की। यह हैमिल्टन में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले हो सकता है क्योंकि ब्लैक कैप्स को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष दो स्थानों पर रहने और अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए क्वालीफाई करने के लिए इंग्लैंड पर क्लीन स्वीप की आवश्यकता होगी।

न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाज बेन सियर्स (घुटने) और काइल जैमीसन (पीठ) के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि वे चोट से उबर रहे हैं, बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने विलियमसन के लिए जगह बनाई है, जबकि स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और ईश सोढ़ी के लिए कोई जगह नहीं है, हालांकि भारत के खिलाफ हाल ही में कुछ अच्छे प्रदर्शन हुए हैं। साथी स्पिनर मिशेल सेंटनर को सीरीज के दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए शामिल किया गया है क्योंकि वह साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ तीसरा टेस्ट छोड़ना पड़ा था जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को न्यूजीलैंड में घरेलू स्तर पर कुछ बेहतरीन प्रदर्शन के बाद शामिल किया गया है।

सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट-28 नवंबर - 2 दिसंबर, हेगले ओवल, क्राइस्टचर्च।

दूसरा टेस्ट - 6-10 दिसंबर, बेसिन रिजर्व, वेलिंगटन।

तीसरा टेस्ट - 14-18 दिसंबर, सेडन पार्क, हैमिल्टन।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स इंग्लैंड ने आईसीसी के हवाले से कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह टीम के लिए बड़ी सीरीज है और टिम साउथी जैसे खिलाड़ी को विदाई देना इसे और भी महत्वपूर्ण बना देता है। टिम का करियर शानदार रहा है और वह महान ब्लैक कैप्स में से एक के रूप में जाने जाएंगे। मुझे यकीन है कि टीम और जनता टिम को इस बहुप्रतीक्षित सीरीज में शानदार विदाई देना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड टीम: टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, विल ओरुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर (दूसरा और तीसरा टेस्ट), नाथन स्मिथ, टिम साउथी, केन विलियमसन, विल यंग।

विश्व कप क्वालीफायर में पराग्वे ने अर्जेंटीना को हराया

असंसियोन, एजेंसी। पराग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर वर्ल्ड कप क्वालिफायर में एक रोमांचक जीत हासिल की। एंटोनियो सनाब्रिया और ओमार अल्डेरेटे ने टीम के लिए गोल किए। मैच का पहला गोल करते हुए इंटर मिलान के स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज ने अर्जेंटीना के लिए पहला गोल किया। उन्होंने एनज़ो फर्नांडीज के शानदार पास पर दौड़ते हुए गेंद को अपने कंट्रोल में लिया और दूर के कोने में सटीक शॉट मारा। थोड़ी देर बाद, सनाब्रिया ने गुस्तावो वेलास्केज के क्रॉस पर शानदार ओवरहेड वॉली से पैराग्वे के लिए स्कोर बराबर कर दिया। हाफटाइम के तुरंत बाद अल्डेरेटे ने डिएगो गोमेज़ की फ्री-किक पर हेडर मारकर पैराग्वे को बढ़त दिलाई।

अर्जेंटीना की टीम कोई गोल करने में सफल नहीं हो सकी और उनको मैच 1-2 से गंवाना पड़ा। हालांकि इस हार के बावजूद, अर्जेंटीना 11 मैचों में 22 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी जोन में शीर्ष पर बनी हुई है और वह पैराग्वे से छह अंक आगे है। उल्लेखनीय है कि शीर्ष 6 टीमें 2026 वर्ल्ड कप के लिए सीधा क्वालीफाई करेंगी, जबकि सातवें स्थान की टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में मौका मिलेगा।

टिम साउदी का टेस्ट से संन्यास का ऐलान

इंग्लैंड के खिलाफ हैमिल्टन में खेलेंगे आखिरी मैच

- न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 770 विकेट लिए

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी इंग्लैंड के खिलाफ 28 नवंबर से शुरू हो रही सीरीज के अंत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। साउदी 15 दिसंबर को हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में अपने घरेलू मैदान पर आखिरी टेस्ट मैच खेलेंगे। 35 साल के साउदी ने कहा- यदि हमारी टीम फाइनल के लिए क्वालिफाई करती है, तो मैं उपलब्ध रहूंगा। साउदी तीनों फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के टॉप विकेट टेकर हैं। उनके नाम 770 इंटरनेशनल विकेट दर्ज हैं।

टिम साउदी का पूरा बयान...

इंटरनेशनल क्रिकेट में 770 विकेट लिए टिम साउदी न्यूजीलैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। साउदी ने न्यूजीलैंड की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 770 विकेट लिए हैं। साउदी ने न्यूजीलैंड के लिए अभी तक 104 टेस्ट, 161 वनडे और 125 टी-20 मैच खेले हैं। टेस्ट में 385, वनडे में 221 और टी-20 में 164 विकेट लिए हैं।

साउदी ने 4 वनडे वर्ल्ड कप, 7 टी-20 वर्ल्ड कप, दो चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट और 2019-21 साइकिल के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है।

तालिबान के कब्जे के बाद पहली बार खेलेंगी टी20 मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में निर्वासन में रह रहीं अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को आखिरकार एक साथ खेलने का मौका मिलेगा। जनवरी 2025 में मेलबर्न में एक प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया जाएगा। 30 जनवरी को जंक्शन ओवल में एक टी20 मैच में अफगानिस्तान की महिला इ्द्ध का सामना क्रिकेट विदाउट बॉर्डर्स इलेवन से होगा।

महिला एशेज टेस्ट के साथ होगा टी20 मैच: यह मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में महिलाओं के डे-नाइट एशेज टेस्ट के साथ होगा। महिला एशेज टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीम के बीच 30 जनवरी से 2 फरवरी तक खेला जाना है। यह पहला मौका होगा जब तालिबान का कब्जा होने पर अफगानिस्तान छोड़ने के बाद महिला टीम मैदान पर एक साथ नजर आएगी। अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन होने के बाद से वहां की महिलाएं क्रिकेट खेलने के अधिकार से वंचित हो गई हैं।

इस संबंध में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले की ओर से शुक्रवार (15 नवंबर 2024) को बयान जारी किया गया।'ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने के बाद से क्रिकेट और समुदाय के कई लोग अफगानिस्तान की महिला टीम के सदस्यों को समर्थन देने के लिए एक साथ आए हैं और यह मैच उनके प्रयासों का जश्न होगा।'

कैनबरा और मेलबर्न में रहती हैं अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटर्स

ऑस्ट्रेलियाई सरकार अफगानिस्तान की महिला टीम की खिलाड़ियों के लिए अवसर बनाने में शामिल रही है। अफगानिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कैनबरा और मेलबर्न में रहती हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं के खेल खेलने पर तालिबान के प्रतिबंध का हवाला देते हुए, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने 2021 में आयोजित होने वाले एकमात्र टेस्ट को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था।

इस साल की शुरुआत में, पहले से अनुबंधित 17 महिला खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरणार्थी टीम की स्थापना में मदद के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को पत्र लिखा था।

पत्र में कहा गया है, 'शरणार्थी टीम बनाने का हमारा लक्ष्य अपनी प्रतिभा को विकसित करना और प्रदर्शित करना, अफगानिस्तान में बची महिलाओं को उम्मीद देना और अफगानिस्तान की महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना है।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

सीरीज में बनाई अजय बढ़त

ग्रॉस आइसलेट, एजेंसी। साकिब महमूद और जेमी ओवटर्न (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद सैम करन (41) और लियम लिविंगस्टन (39) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 मुकाबले में शुक्रवार को तीन विकेट से जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

146 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 5.3 ओवर में 37 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। फिल सॉल्ट,कप्तान जॉस बटलर और जेकब बेथेल चार-चार रन बनाकर आउट हुये। विल जैक्स और सैम करन ने पारी संभालने का प्रयास किया। 11वें ओवर में गुडाकेश मोती ने विल जैक्स (32) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। सैम करन ने 26 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (41) रनों की पारी खेली। लियम लिविंगस्टन ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाकर (39) रन बनाए। डैन माउजली(आठ) रन बनाकर आउट हुए।

जेमी ओवटर्न (चार) और रेहान अहमद (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 19.2 ओवर में 149 रन बनाकर तीन विकेट से मुकाबला जीत लिया। इंग्लैंड के 17 रन देकर तीन विकेट लेने वाले साकिब महमूद को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने चार विकेट लिए।

दीपिका ने दागे 5 गोल, भारत ने थाईलैंड को 13-0 से रौंदा

राजगीर (बिहार), एजेंसी। युवा फॉरवर्ड दीपिका ने पांच गोल किए, जिससे भारतीय महिला हॉकी टीम ने गुरुवार को यहां राजगीर हॉकी स्टेडियम में बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के अपने तीसरे ग्रुप चरण के मैच में थाईलैंड के खिलाफ 13-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। दीपिका ने तीसरे, 19वें, 43वें, 44वें और 45वें मिनट में गोल किए, जबकि प्रीति दुबे (9', 40'), लालरेमसियामी (12', 56') और ब्यूटी डुंगडुंग (30'), नवनीत कौर (53') और मनीषा चौहान (55', 58') ने भी भारत के लिए अन्य गोल किए।

उल्लेखनीय रूप से, लेलरेमसियामी ने इस मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 150 मैच खेलने का महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया, साथ ही प्रीति दुबे ने 50 मैच पूरे किए। भारत ने पहले क्वार्टर में पूरी ताकत से खेला।

दीपिका ने पहला मौका भुनाया और सर्कल के बीच से रिवर्स टॉमहॉक लॉन्च किया, जो थाईलैंड की गोलकीपर सिराया यिमक्राजंग को चकमा दे गया। थाईलैंड ने बैकलाइन पर गेंद घुमाकर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश की, लेकिन भारत ने लगातार गोल करने के मौके बनाते हुए खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा। संगीता ने राइट विंग से गेंद को वापस प्रीति दुबे को कट किया, जिन्होंने अपने 50वें मैच में गोल में आसान पुश के साथ भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। गुरुवार को अपने मील के पत्थर का जश्न मना रही लालरेमसियामी ने क्वार्टर में तीन मिनट शेष रहते गोल किया, जब सलीमा टेटे का शॉट गोल लाइन पर बचा लिया गया था। भारत का शानदार खेल दूसरे क्वार्टर में भी जारी रहा, जहां दो मिनट के अंदर ही उसे पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। हालांकि थाईलैंड ने अपने गोल पर कई प्रयासों को बचाने की कोशिश की, लेकिन दीपिका ने जल्द ही सर्कल में एक ढीली गेंद पर झपट्टा मारा, जब नवनीत कौर का पास इंटरसेप्ट किया गया, और तेज़ी से हाफ-टर्न लेकर उसे नेट में डाल दिया, जिससे भारत का स्कोर 4-0 हो गया।

भारत की रक्षा अभेद्य थी, जिसने किसी भी जवाबी हमले को रोक दिया, जबकि सलीमा और नेहा ने मिडफील्ड पर दबदबा बनाया, और लगातार शूटिंग सर्कल में टीम के साथियों को ढूंढा। पहले हाफ के आखिरी मिनट में भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। नज़दीकी शॉट्स और बचाव के अराजक क्रम के बाद, ब्यूटी डुंगडुंग ने गेंद को गोल में पहुंचाया, और भारत के लिए पहला हाफ शानदार रहा।

तीसरे क्वार्टर में थाईलैंड को अपने ही हाफ में वापस जाना पड़ा, क्योंकि अथक भारतीय फ़ॉरवर्ड लाइन ने लगातार पिच के ऊपर से गेंद को जीतते हुए गोल में सिराया यिमक्राजंग को ख़तरा पैदा किया। क्वार्टर में पांच मिनट बचे थे, भारत ने वैष्णवी के ज़रिए जवाबी हमला किया, जिसने प्रीति को थाईलैंड की रक्षा पंक्ति से आगे भागते हुए पाया। प्रीति ने आगे बढ़ते हुए गोलकीपर को चकमा देकर खाली गोल में गेंद डाली, अपना दूसरा गोल किया और भारत के लिए स्कोर 6-0 कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला 2024: कैलाश खेर की गायकी का चला जादू

पुष्कर , एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले में अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला 2024 की गुरुवार की शाम एक यादगार बन गई। प्रसिद्ध गायक पद्मश्री कैलाश खेर ने अपनी अद्भुत आवाज से समां बांध दिया। कैलाश खेर का परफॉर्मेंस सुनने के लिए पुष्कर मेला मैदान में सैकड़ों की संख्या में लोग जुटे, लेकिन उनके आगमन में देरी और व्यवस्था की खामियों के कारण कुछ असुविधाएं भी देखने को मिलीं। गायक कैलाश खेर ने अपनी संगीतमाला से मेला मैदान को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने जाना जोगी दे नाल से कार्यक्रम की शुरुआत की और फिर एक के बाद एक, अपने लोकप्रिय गीतों से श्रोताओं का दिल जीता। उनके गीत मैं तो तेरे प्यार में दीवाना हो गया, आओ जी, कैसे बताए कि तुमको, रंग दीनी रंग दीनी, और तेरी दीवानी पर लोग झूमने लगे. इन गीतों के साथ-साथ कैलाश खेर ने योगी, बम लहरी, और यह दुनिया ऊट पटांगा जैसे गानों से भी श्रोताओं का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान सरकार में मंत्री सुरेश सिंह रावत, और अविनाश गहलोत समेत कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

छात्रों को भजनलाल सरकार देगी 2 हजार रूपये प्रति माह

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान की भजनलाल सरकार पढ़ाई के लिये घर से दूर किराये के मकान में रह कर जिला मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्रों को सरकार अम्बेडकर डी.बी.टी. वाउचर योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 2,000 रुपये भत्ता प्रदान करेगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि यह आवेदन सत्र 2024-25 के लिए किए जाएंगे। चयनित विद्यार्थियों को दस माह के लिए राशि स्वीकृत की जाएगी। इस योजना के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, एमबीसी, ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक वर्ग के जिला मुख्यालय पर संचालित राजकीय महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (शैक्षणिक पाठ्यक्रम कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) में अध्ययनरत छात्र ही पात्र होंगे। योजनान्तर्गत आवेदन करने की अन्तिम दिनांक 30 नवम्बर 2024 तय की गई है। योजना के लिए राजस्थान का मूल निवासी होना आवश्यक है। छात्र के माता-पिता की वार्षिक आय 2.50 लाख (एससी, एसटी एवं एसबीसी के लिए), 1.50 लाख (ओबीसी के लिए) एवं 1.00 लाख (ईडब्ल्यूएस के लिए) रुपये से अधिक नहीं हो चाहिए। साथ ही विद्यार्थी जहाँ पढ़ रहा है और उसके माता-पिता का मकान उसी जिला मुख्यालय पर होने पर वह इसका पात्र नहीं होगा। आवेदन ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से ई-मित्र या एसएसओ आईडी के द्वारा किया जा सकता है

पाली में भीषण हादसा, महाराष्ट्र के कारोबारी का पूरा परिवार खत्म; गलती भारी पड़ गई

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में भीषण सड़क हादसा में 5 लोगों की मौत हो गई है। कार में महाराष्ट्र के कोडोली जिला के कोल्हापुर निवासी कारोबारी का परिवार था। हादसे में कारोबारी बाबूराव, उनकी पत्नी सारिका, बेटी साक्षी, बेटा संस्कार की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के दो अन्य सदस्य चिन्मय और प्रमोद गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से भी आज सवेरे एक अन्य ने दम तोड़ दिया। सांडेराव थाना पुलिस ने बताया कि केनपुरा गांव के नजदीक बीती रात सड़क हादसा हुआ। हाइवे पर एक कार तेज रफ्तार में थी कि सामने मवेशी आ गया और कार पलट गई। गुरुवार रात भीषण सड़क हादसा हुआ है। कार में सवार छह लोगों में से पांच की मौत हो गई है और बाकि बचे हुए परिवार के एक सदस्य की हालत बेहद ही गंभीर है। हादसे की वजह सड़क पर अचानक सामने आने वाला मवेशी था। मवेशी के सामने आने के कारण अचानक ब्रेक लगाए गए और कार पलट गई। पुलिस ने देर रात ही परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी सूचना दी है और वहां से परिवार के लोग आज पाली पहुंच रहे हैं। परिवार के सदस्यों से बातचीत के आधार पर पुलिस ने बताया कि कोल्हापुर निवासी बाबूराव अपने परिवार के छह सदस्यों के साथ राजस्थान के सिरोही इलाके में आए थे। वहां शिवगंज इलाके में रहने वाले अपने एक दोस्त के घर ठहरे थे और फिर वहां से जोधपुर घूमने के लिए दोस्त की कार लेकर निकले थे। जोधपुर घुमने और बीमार रिश्तदार से मिलने के बाद वापस शिवंगज लौट रहे थे कि पाली जिले के सांडेराव इलाके में यह भीषण सड़क हादसा हो गया। कार भी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।

देवेंद्र फडणवीस ने माना- रिजल्ट के बाद ही पता चलेगा कौन किसके साथ, सीएम पद पर बोले

मुंबई , एजेंसी।
महाराष्ट्र में कभी 4 राजनीतिक दल हुआ करते थे, लेकिन शिवसेना और एनसीपी में बंटवारे के चलते 6 पार्टियां चुनावी मैदान में हैं। इस बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या चुनाव के बाद भी यही तस्वीर बनी रहेगी या कुछ दल पालाबदल भी कर सकते हैं। अजित पवार की पार्टी ने इसके संकेत भी दिए हैं और कहा है कि असली तस्वीर चुनाव के बाद ही सामने आएगी। इस बीच डिप्टी सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने भी स्वीकार किया है कि चुनाव के बाद कुछ भी हो सकता है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि विधानसभा चुनाव 'अजब' है और 23 नवंबर को परिणाम घोषित होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि कौन गुट किसका समर्थन कर रहा है।

फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और भाजपा के गठबंधन 'महायुति' को कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) पर बढ़त हासिल है। फडणवीस ने कहा, 'ये चुनाव अजीब हैं। हमें नतीजों के बाद ही पता चलेगा कि कौन किसके साथ है। महायुति के भीतर भी आंतरिक विरोधाभास है।' उन्होंने दावा किया कि एमवीए को भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। फडणवीस ने कहा कि उनकी पार्टी का नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' एमवीए के चुनाव प्रचार अभियान के जवाब में गढ़ा गया है।

भाजपा नेता ने दावा किया कि उनके सहयोगियों अशोक चव्हाण और पंकजा मुंडे के साथ-साथ उप मुख्यमंत्री अजित पवार इसके 'मूल' अर्थ को समझने में विफल रहे। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बार-बार इस्तेमाल किए जाने वाले इस नारे ने विपक्ष को इसकी निंदा करने के लिए एकजुट कर दिया है। विपक्ष का दावा है कि इस नारे के सांप्रदायिक निहितार्थ हैं, जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ नेताओं ने भी इस पर आपत्ति जताई है।

फडणवीस ने कहा कि 'बंटेंगे तो कटेंगे' कांग्रेस नीत महाविकास आघाडी के विभाजनकारी चुनाव प्रचार अभियान के जवाब में गढ़ा गया नारा है। इस नारे का मूल संदेश यह है कि 'सभी को एक साथ रहना होगा।' फडणवीस ने कहा, 'इस नारे का मतलब यह नहीं है कि हम मुस्लिमों के खिलाफ हैं। हमने यह नहीं कहा कि लाडकी बहिन योजना का लाभ मुस्लिम महिलाओं को नहीं दिया जाएगा।' उन्होंने दावा किया, 'बंटेंगे तो कटेंगे' भी कांग्रेस और एमवीए के तुष्टिकरण का जवाब है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान 'वोट जिहाद' का प्रयोग किया और मस्जिदों में पोस्टर लगाए गए, जिसमें लोगों से एक विशेष पार्टी को वोट देने का आग्रह किया गया। यह किस तरह की धर्मनिरपेक्षता है। इस दौरान देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव बाद खुद के सीएम बनने की संभावनाओं पर भी बात की। उनसे पूछा गया कि क्या आपका प्रमोशन होगा? इस सवाल को वह हंसकर टाल गए। लेकिन यह भी कहा, भाजपा मुझसे जो भी करने को कहेगी, मैं वह करूंगा। 'जीना यहां, मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां।' भाजपा जहां भी जाने को कहेगी, मैं वहां जाऊंगा।'

हमलावरों ने बर्बाद कर दिया भारत का विज्ञान, 1000 सालों में सोच ही खत्म हो गई: नारायणमूर्ति

बेंगलुरु , एजेंसी। आईटी कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति का कहना है कि भारत यदि विज्ञान पिछड़ गया तो इसकी वजह यह रही 1000 साल तक हमलावरों का राज रहा। उन्होंने कहा कि 1000 साल की अवधि में भारत को विज्ञान में पीछे रह गया और यहां माहौल ऐसा रहा कि युवाओं की उस दिशा में सोच ही विकसित नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि 1000 ईसवी से 1947 तक का काल ऐसा था, जिसमें साइंस को लेकर सोच विकसित नहीं हो सकी। इस दौरान साइंस को लेकर विचार नहीं पनपा और विश्लेषणात्मक सोच का अभाव रहा। यही कारण रहा कि इस अवधि में भारत में नवाचार, आविष्कार या शोध नहीं दिखते। नारायणमूर्ति ने 2024 इन्फोसिस साइंस प्राइजेज सेरेमनी के दौरान दिए वर्चुअल भाषण में ये बातें कहीं। इजरायल के पूर्व नेता शिमोन पेरेज के भाषण का भी उन्होंने जिक्र किया। पेरेज ने कहा था, इज़राइल में हमने अपनी सबसे बड़ी धरोहर को पहचाना है और वह हमारा दिमाग। हमने रचनात्मकता, नवाचार और नए आविष्कारों के माध्यम से बंजर रेगिस्तानों को फलते-फूलते खेतों में बदल दिया और विज्ञान और प्रौद्योगिकी को नई ऊंचाइयां दीं और दुनिया का नेतृत्व किया। मूर्ति ने कहा किसी भी देश के विकास के लिए ऐसे विचार क्रांतिकारी हैं।

इसके आगे वह कहते हैं कि इतिहास बताता है कि एक दौर में भारत गणित, विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान, इंजीनियरिंग, मेडिसिन और सर्जरी में अग्रणी था। वैदिक काल से तब तक ऐसी स्थिति थी, जब तक हमलावरों ने भारत पर आकर कब्जा नहीं किया। 700 से 1520 ई. तक उज्बेकिस्तान से अफगानिस्तान तक के हमलवारों ने अटैक किए और यहां सत्ता भी कायम की। इसके बाद अंग्रेज आ गए, जिन्होंने भारत को अपना उपनिवेश ही बना लिया था। उन्होंने कहा कि जो हमलावर आए थे, उनका साइंस, मैथ से कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि उनकी तुलना में अंग्रेजों ने भारतीयों को महत्वाकांक्षी कामों के लिए कुछ हद तक प्रोत्साहित भी किया। वह कहते हैं कि हमारी प्रोग्रेस धीमी रही है। इसका कारण था कि हमारी युवा पीढ़ी पर बीते दौर की छाप थी। जिज्ञासु दिमागों की कमी हो गई। विश्लेषणात्मक सोच एवं नवाचार का विचार पहले जैसा नहीं रहा। समस्या को समझना और उसका हल निकालना, यह विचार कम दिखा।

फरीदाबाद टू गाजियाबाद का सफर होगा और आसान, एफएनजी प्रोजेक्ट पर खर्च होंगे 900 करोड़

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद से नोएडा-गाजियाबाद का सफर करने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। लोक निर्माण विभाग की ओर से फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) परियोजना जल्द शुरू करने की तैयारी की गई है। इसके निर्माण और जमीन अधिग्रहण समेत अन्य कामों पर करीब 900 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

परियोजना को जिला स्तर पर मंजूरी के लिए सोमवार को सभी विभाग अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। इसके बाद सरकार से मंजूरी के बाद योजना को रफ्तार दी जाएगी। इसके बनने से फरीदाबाद से नोएडा और गाजियाबाद जाने का सफर आसान हो जाएगा। साथ ही लोग एक शहर से दूसरे शहर बेहतर तरीके से आवागमन कर सकेंगे।

औद्योगिक नगरी रोजाना करीब एक लाख लोग रोजाना नौकरी व अन्य कामों के लिए नोएडा-गाजियाबाद आवाजाही करते हैं। नोएडा और फरीदाबाद के बीच यमुना नदी है। इस कारण दो राज्यों के बीच अभी कोई सीधी सड़क नहीं है। लोगों को सड़क मार्ग से कालिंदीकुंज होकर नोएडा जाना पड़ता है। यहां सुबह-शाम भारी जाम की समस्या रहती है। वहीं, दिल्ली की तरफ से नोएडा जाने पर घंटों ट्रैफिक में फंसना पड़ता है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए अब एफएनजी योजना के काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, एफएनजी एक्सप्रेसवे की शुरुआत ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 87 स्थिति निजी अस्पताल के पास से होगी। यहां से खेड़ी गांव होते हुए गांव लालपुर में यमुना किनारे तक नौ किलोमीटर लंबी सड़क बनेगी।

नरेश मीणा के बहाने अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को घेरा?

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने नरेश मीणा के बहाने इशारों में सचिन पायलट को घेरा है। हालांकि, गहलोत ने नाम नहीं लिया है, लेकिन इशारा सचिन पायलट की तरफ ही माना जा रहा है।बता दें नरेश मीणा विधानसभा उपचुनाव के दौरान कहा कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना देते तो कांग्रेस की सरकार नहीं जाती। सियासी जानकार गहलोत के बयान को पायलट पर सियासी हमले के तौर पर देख रहे है। गहलोत ने कहा कि नरेश मीणा खड़े कैसे हुए? किसकी शह पर खड़े हुए? वो तो कांग्रेस में आ चुके थे। क्या बीजेपी को जिताने के लिए खड़ा किया गया? कांग्रेस कमेटी इसकी जांच कर रही है। जानकारों के मुताबिक माना जा रहा है कि गहलोत पायलट को घेरने का प्रयास कर रहे हैं, क्योंकि नरेश मीणा पायलट समर्थक रहे हैं, लेकिन टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय मैदान में उतर गए। हालांकि, सचिन पायलट ने साफ कह दिया है कि नरेश मीणा की अब कांग्रेस में वापसी नहीं होगी। गहलोत ने नरेश मीणा के एडसीएम को थप्पड़ मारने के मामले में कहा कि राज्य सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है। कानून-व्यवस्था ठप हो चुकी है।उन्होंने कहा कि देवली उनियारा में जो भी घटनाक्रम हुआ है, यह हुआ क्यों? यह घटना कोई मामूली घटना नहीं थी। अगर कोई व्यक्ति अधिकारी को थप्पड़ लगाए, ऐसी स्थिति बनी ही क्यों? इतनी हिम्मत कैसे हो सकती है किसी की। हम बार-बार सरकार से कहते हैं कि गुड गवर्नेंस दें, ताकि पूरे प्रदेश का भला हो। सरकार को आलोचना को हमेशा सकारात्मक रूप से लेना चाहिए।गहलोत ने कहा कि साल भर होने जा रहा है, बार-बार कहते हैं जिले खत्म कर दिए जाएंगे।

सुरक्षा की गई थी कम, हरियाणा विधानसभा में उठा अनिल विज के खिलाफ साजिश का मुद्दा

चंढीगढ़ , एजेंसी।
हरियाणा सरकार में ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने चुनाव के दौरान जान का खतरा होने का दावा कर चौंका दिया है। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अपनी जान को खतरा होने की बात करते हुए अनिल विज ने कहा कि इस मामले को लेकर उन्होंने मुख्य सचिव को एक चिट्ठी भी लिखी थी लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए अनिल विज ने कहा कि उन्होंने पूर्व मुख्य सचिव को लिखित रूप से जान को खतरा होने की जानकारी दी थी।

पिछले सप्ताह विज ने दावा किया था कि स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने उनके खिलाफ साजिश रची थी। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के दौरान उनकी सुरक्षा कम कर दी गई थी। इस मामले पर कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने सदन में विज की सुरक्षा को लेकर चिंता जताया। इसे लेकर सदन में खूब हंगामा भी हुआ। सदन में हुए हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा, मैंने पहले ही तत्कालीन मुख्य सचिव को लिखित रूप से सूचित कर दिया था और उन्हें फोन पर भी हालात से अवगत करा दिया था। देखते हैं क्या होता है। अपनी सुरक्षा में कटौती के बारे में विधानसभा में उठाए गए मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर अनिल विज ने कहा, अगर मैंने कोई मुद्दा उठाया है तो यह गंभीर है। जांच शुरू होने पर और भी बातें सामने आएंगी। हालांकि अभी तक किसी ने मुझसे इस बारे में नहीं पूछा है।

कांग्रेस द्वारा विधानसभा में ईवीएम का मुद्दा उठाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा, यह कांग्रेस के एजेंडे का हिस्सा है और उन्होंने झूठ की यूनिवर्सिटी बना रखी है जिसमें हारने पर चुनाव आयोग को दोष देना और फिर ईवीएम को दोष देना शामिल है। कांग्रेस ने जिन सीटों पर जीत हासिल की, क्या वहां ईवीएम ठीक से काम कर रही थी? अगर ईवीएम में गड़बड़ी थी तो पूरे राज्य में खराब होना चाहिए था। तो कांग्रेस कैसे जीत सकती है और फिर भी यह दावा कर सकती है कि जहां भाजपा जीती वहां ईवीएम में गड़बड़ी थी? यह तर्क बेबुनियाद है। कांग्रेस को उन सीटों पर फिर से मतदान की मांग करनी चाहिए

यह तो देश का इतिहास रहा है; योगी के बंटेंगे तो कटेंगे पर फडणवीस की मुहर, पंकजा मुंडे ने जताया था ऐतराज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का नारा बंटेंगे को कटेंगे गूंज रहा है। एक पक्ष इसे गलत मानता है तो वहीं भाजपा का कहना है कि यह नारा समाज को अलर्ट करने वाला है कि बंटना गलत होगा। इस बीच राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसे इतिहास से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि इस नारे में कुछ भी गलत नहीं है। भारत का यह इतिहास ही रहा है कि जब भी बंटे तो देश का नुकसान हुआ। उनकी यह टिप्पणी अहम है क्योंकि पंकजा मुंडे और अशोक चव्हाण जैसे भाजपा नेताओं ने इसे गैर-जरूरी करार दिया था।

फडणवीस ने कहा, मैं योगी जी के इस नारे में कुछ भी गलत नहीं देखता। भारत के इतिहास को ही देखिए। जब-जब बंटे हैं, तब गुलाम बने हैं। यह देश जब भी जातियों, राज्यों, समुदायों में बंटा है तो उसे गुलाम बनना पड़ा है। इस देश का भी विभाजन हुआ है। इसलिए यदि हम बंटे तो कट जाएंगे। यह भारत का इतिहास है। वह कहते हैं कि इस इतिहास को देखें तो पता चलेगा कि नारा कैसे सही है। यदि कोई कहता है कि हमें बंटना नहीं है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं दिखता। इस पर सवाल उठाने का कोई मतलब नहीं है।वहीं पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से यह कहे जाने पर कि विपक्ष ओबीसी को बांटने की कोशिश कर रहा है को लेकर भी फडणवीस ने रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में अपने एक बयान से इस बात का संकेत दिया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में इसका संकेत दिया था। मैं सोचता हूं कि राहुल गांधी ने गलती की है। वह नहीं जानते कि मीडिया हर जगह मौजूद है। इसलिए वह अमेरिका गए और वहां रिजर्वेशन एवं संविधान को लेकर बयान दे आए। उनकी मानसिकता उजागर हो गई। इसके अलावा आप देखेंगे कि वह जिस तरह जातियों में लोगों को बांट रहे हैं। उससे इरादे पता चलते हैं। महाराष्ट्र में तो 350 ओबीसी जातियां हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में 350 ओबीसी जातियां और 54 उपजातियां हैं। वे एक होकर प्रेशर ग्रुप बनाते हैं और राजनीतिक दलों को उनकी मांग स्वीकार करनी पड़ती है। यदि अब ये जातियां बंट गईं तो फिर इनकी कौन सुनेगा। इसलिए बंटने से नुकसान होगा। बता दें कि देवेंद्र फडणवीस भी पूरे राज्य में खूब रैलियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल आपके बीच वोट जिहाद के लिए आ रहे हैं और आप लोगों को उसका मुकाबला धर्मयुद्ध के जरिए करना होगा।

अजित पवार से बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बनाई दूरी? कैसे बारामती में बिगड़ सकता है खेल

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार तेज हो गया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार अपने विधानसभा क्षेत्र बारामती में लगातार जनसंपर्क साध रहे हैं। मगर, चर्चाएं ऐसी भी हो रही हैं कि महागठबंधन की सहयोगी बीजेपी के कार्यकर्ता प्रचार में नजर नहीं आ रहे। इसे लेकर कई तरह की बातें होने लगी हैं। बारामती में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तटस्थ रुख अपनाया हुआ है। माना जा रहा है कि अप्रत्यक्ष तौर पर अजित पवार के प्रति नाराजगी दिखाई जा रही है। कार्यकर्ताओं की शिकायत है कि स्थानीय निकाय चुनाव में अपने समर्थकों को जिताने के लिए दादा हमें हराएंगे, फिर हम उन्हें समर्थन क्यों दें। बारामती सीट पर इस समय चाचा बनाम भतीजे के बीच चुनावी लड़ाई है। अजित पवार का मुकाबला भतीजे और शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार से है।

अहमदाबाद में होटल का कमरा रात भर के लिए बुक करने की कीमत 50 हजार, आखिर ऐसा क्या हो गया

अहमदाबाद, एजेंसी।
ब्रिटिश बैंड कोल्डप्ले का अहमदाबाद में कॉन्सर्ट होने वाला है। इससे पहले शहर में होटलों के कमरे बहुत महंगे हो गए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने एक्स पर कई सारे स्क्रीनशॉट्स शेयर किए हैं। इनमें देखा जा सकता है कि कैसे अहमदाबाद में होटल का एक कमरा रातभर के लिए बुक करने पर 50 हजार रुपये तक देना पड़ा रहा है। कोल्डप्ले कॉन्सर्ट अगले साल 25 जनवरी को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। इससे पहले मुंबई में इस बैंड के तीन शो हो चुके हैं। अहमदाबाद में आलम यह है कि कॉन्सर्ट की तारीख और उसके आसपास के दिनों में होटल बुकिंग बहुत महंगी हो गई है।

स्पंदना नाम की एक्स यूजर ने इसे लेकर कहा, 'अहमदाबाद में 24-25 जनवरी के लिए किसी भी होटल की कीमत 50 हजार रुपये से कम नहीं है। अगर आपको पैसे बचाने हैं तो वडोदरा में रुकिए और यात्रा करके अहमदाबाद जाइए।' प्रीति जैन नाम की इंटरनेट यूजर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, अहमदाबाद के एक होटल में रात भर रुकने के लिए 53,200 रुपये देने होंगे। मयूर जोशी नाम के शख्स ने लिखा, 25 जनवरी को होने वाले कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के चलते अहमदाबाद के होटलों की कीमतें 10 गुना से अधिक बढ़ गई हैं। होटल बुक करने की कोशिश कर रहे लोगों को शुभकामनाएं।

दूसरे कई इंटरनेट यूजर्स ने भी कमेंट किए हैं और होटल की बढ़ी कीमतों पर चिंता जताई है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र पुलिस की साइबर शाखा ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग वेबसाइट बुकमाइशो को नोटिस जारी किया है। इसमें जनवरी में आयोजित होने वाले कोल्डप्ले के संगीत समारोह और अन्य कार्यक्रम के लिए नाम आधारित टिकट की बिक्री सहित अन्य सख्त कदम उठाने को कहा है। मकसद से महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने यह नोटिस जारी किया है। ऑनलाइन और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से ऐसे लोकप्रिय संगीत समारोहों और कार्यक्रमों की टिकट बुकिंग में आने वाली समस्याओं के बारे में शिकायतों की संख्या बढ़ रही है।

ड्रग्स, शराब वाले गानों को लेकर दिलजीत दोसांझ को तेलंगाना सरकार का नोटिस

बच्चों पर भी चेतावनी

दराबाद , एजेंसी।
दलजीत दोसांझ को शुक्रवार 15 नवंबर को हैदराबाद में होने वाले अपने शो से पहले तेलंगाना सरकार से नोटिस मिला है। मशहूर गायक अभिनेता को नोटिस जारी कर कहा गया है कि वे इस कार्यक्रम में ऐसे गाने न गाएं जो शराब, ड्रग्स या हिंसा को बढ़ावा देते हों। नोटिस में दोसांझ को अपने शो के दौरान 'बच्चों का उपयोग' न करने की चेतावनी भी दी गई है। इसमें आगे कहा गया है कि कॉन्सर्ट के दौरान तेज आवाज और चमकती रोशनी बच्चों के लिए हानिकारक है। दिलजीत दोसांझ का हैदराबाद कॉन्सर्ट देश भर के 10 शहरों में उनके दिल-लुमिनाती टूर का हिस्सा है

यह नोटिस रंगारेड्डी में महिला और बाल, विकलांग और वरिष्ठ नागरिक कल्याण विभाग के जिला कल्याण अधिकारियों ने जारी किया है। नोटिस में वीडियो सबूत पेश कर कहा गया है कि दलजीत दोसांझ ने पिछले महीने नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक लाइव शो के दौरान शराब, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने गाए थे।

दिलजीत दोसांझ के दिल-लुमिनाती टूर का भारत चरण मुंबई, कोलकाता, इंदौर, पुणे और गुवाहाटी सहित 10 शहरों को कवर करेगा। दिलजीत ने अपने दौरे की शुरुआत दिल्ली में एक मेगा शो के साथ की थी। दिल्ली के शो में एक ही दिन में 35,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था। वहीं उनके कॉन्सर्ट की लोकप्रियता के बीच फैंस के साथ टिकट को लेकर धोखाधड़ी की खबरें भी सामने आई थी। जयपुर कॉन्सर्ट में दिलजीत ने फर्जी टिकट घोटाले के लिए दर्शकों से माफी भी मांगी।

मामले पर बात करते हुए दिलजीत दोसांझ ने कहा, अगर कोई टिकट में धोखाधड़ी का शिकार हुआ है तो मैं उससे माफी मांगता हूं। हमने ऐसा नहीं किया है। अधिकारी फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं। फर्जीवाड़े में शामिल लोगों से दूर रहें। दिलजीत दोसांझ के दिल-लुमिनाती टूर का आखिरी शो 29 दिसंबर को गुवाहाटी में होगा।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)